नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 10 अप्रैल 2025 गुरुवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 316 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1875 : स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्यसमाज की स्थापना की।

1889 : राम चंद्र चटर्जी गर्म गुब्बारे में उड़ान भरने वाले पहले भारतीय बने।

1982 : भारत का बहुउद्देशीय उपग्रह 'इनसेट-1ए' का सफल प्रक्षेपण।

1995 : प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारत रत्न से सम्मानित भारत के छठे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का निधन।

1972 : ईरान में आए भूकंप से लगभग 5 हजार लोगों की मौत हो गई।

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में 1332 करोड़ का रेल प्रोजेक्ट मंजूर

केन्द्रीय कैबिनेट की बैठक में कई अहम परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को कई अहम परियोजनाओं को मंजूरी मिली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में तिरुपति से कटपडी तक 104 किमी की सिंगल रेलवे लाइन को डबल लाइन में बदला जाएगा। इसमें करीब 1332 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इससे आंध्र प्रदेश के तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर तक कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ ही अन्य प्रमुख स्थलों जैसे श्री कालहस्ती शिव मंदिर, कनिपकम विनायक मंदिर, चंद्रगिरी किला आदि तक भी रेल कनेक्टिविटी हो सकेगी। यह मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से करीब 400 गांवों और करीब 14 लाख आबादी तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इसके साथ ही इस परियोजना से रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 113 किमी बढ़ जाएगा। सिंचाई योजना के तहत एक सबस्कीम को मंजूरी मिली है। इसके तहत कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट को अपग्रेड करने के लिए 1600 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। इस योजना से किसी क्लस्टर में मौजूदा नहरों या पानी के अन्य स्त्रोतों से सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। इसमें पानी के सोर्स से एक हेक्टेयर तक के खेत तक अंडरग्राउंड पाइप लाइन के जरिए प्रेशराइज्ड वाटर सप्लाई होगी। इससे माइक्रो एरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। हालांकि, अभी पायलट प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी मिली है। इसके नतीजों के आधार पर 1 अप्रैल, 2026 से पूरे देश में योजना शुरू की जाएगी। 78 पायलट प्रोजेक्ट्स के जरिए करीब 80 हजार किसान शामिल होंगे। पाइप लाइन डालने के लिए जमीन अधिग्रहण नहीं होगा। पानी की बचत के लिए इस योजना में सरफेस वाटर (नदी, तालाब, झील आदि) का इस्तेमाल होगा। पानी के ऑटोमैटिक कंट्रोल के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स यानी संसाधनों के नेटवर्क और सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्यूजिशन सिस्टम का इस्तेमाल होगा। योजना में सैटेलाइट डेटा और जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम का भी इस्तेमाल होगा। सही समय पर पानी की सही मात्रा के लिए एआई का इस्तेमाल किया जाएगा। कैबिनेट ने 6 लेन जीरकपुर बाईपास को भी मंजूरी दी है। यह जो जीरकपुर में एनएच-7 (चंडीगढ़-बठिंडा) के साथ जंक्शन से शुरू होगा और हरियाणा के पंचकुला में एनएच-5 (जीरकपुर-परवाणू) के साथ जंक्शन पर खत्म होगा। 1878.31 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट पंजाब-हरियाणा में कुल 19.2 किमी का इलाका कवर करेगा। इस परियोजना का मकसद पटियाला, दिल्ली, मोहाली एयरोसिटी के ट्रैफिक को डायवर्ट करना और हिमाचल प्रदेश को सीधी कनेक्टिविटी देकर जीरकपुर, पंचकुला और आसपास के इलाकों में भीड़भाड़ कम करना है।

बिहार में वज्रपात से 13 की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में बुधवार को मौसम का मिजाज बदला। कई जिलों में वज्रपात के साथ बारिश हुई। ठनका की चपेट में आने से बेगूसराय में 05, दरभंगा में 04, मधुबनी में 03 एवं समस्तीपुर में 01 व्यक्ति की मौत होन की खबर सामने आई है। कुल मिलाकर 13 लोगों की मौत हो गई तो कई लोग झुलस गए। बुधवार की सुबह ठनका गिरने से बेगूसराय में एक किशोरी समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग जख्मी हो गए। जख्मियों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पहली घटना बलिया थाना क्षेत्र के भगतपुर गांव में हुई जहां पति की मौत हो गयी जबकि पत्नी घायल हो गयी। दूसरी घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के मानोपुर मुसहरी में किशोरी की मौत हो गयी और दो घायल हो गए। तीसरी घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सुजा गांव में ठनका गिरने से युवक की जान चली गयी। वहीं, चौथी घटना मटिहनी थाना क्षेत्र की सिहमा पंचायत के वार्ड नंबर चार निवासी 80 वर्षीय जनार्दन महतो की मौत वज्रपात की चपेट में आने से हो गई। जबकि साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र की सनहा पश्चिम पंचायत के समीप बहियार में ठनका की चपेट में आने से 55 वर्षीया महिला ने दम तोड़ दिया। इससे पहले मधुबनी से ठनका के चपेट में आने से तीन की मौत की खबर आई। मरनेवालों में दो महिला और एक पुरुष शामिल हैं। मौत की घटनाएं अलग अलग थाना इलाकों की है। एक घटना झंझारपुर थाना के पिपरौलिया पंचायत वार्ड-चार में तो दूसरी घटना रुद्रपुर थाना के अलौलपुर गांव की है। गेहूं की फसल को बारिश से बचाने के दौरान लोग ठनका की चपेट में आ गये। उधर दरभंगा के बिरौल प्रखंड की रोहार -महमूदा पंचायत के महमूदा गांव में बुधवार को करीब 11 बजे मूसलाधार बारिश के दौरान अजीत यादव के घर पर वज्रपात हो गया। इससे घर में बैठे अजीत का 10 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार उसकी चपेट में आ गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। ग्रामीणों की सूचना पर सीओ आदित्य शंकर एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। इस घटना से मृतक के परिजनों में शोक की लहर छा गयी। वहीं समस्तीपुर में भी वज्रपात से एक व्यक्ति के मौत की खबर आई है।

सरकार प्रभावित परिवारों के साथ : नीतीश कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वज्रपात की घटनाओं पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

पीवीयूएनएल में स्वास्थ्य सेवाओं को मिला नया आयाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, पतरातू में एक उन्नत जीवन रक्षक एंबुलेंस का उद्घाटन परियोजना प्रमुख आर. के. सिंह द्वारा किया गया। यह एंबुलेंस स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो गंभीर रोगियों को त्वरित और सुरक्षित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहायक होगी। इस अत्याधुनिक एंबुलेंस में कार्डियक मॉनिटर, वेंटिलेटर, इंजेक्शन पंप सहित कई आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं, जो आपातकालीन स्थिति में गंभीर मरीजों को तृतीयक स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर डॉ. तन्मय मिश्रा (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), देवदीप बोस (महाप्रबंधक, संचालन एवं अनुरक्षण), अनुपम मुखर्जी (महाप्रबंधक, परियोजना), वरिष्ठ चिकित्सकगण, अस्पताल स्टाफ एवं विभागाध्यक्षगण उपस्थित रहे।

ओबीसी वोटर लिस्ट में मिलीं 30 आपत्तियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवघर नगर निगम कार्यालय में डीसी के निर्देश पर ओबीसी वोटरों की गणना के लिए गठित अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह व देवघर सीओ अनिल कुमार शामिल हुए। ओबीसी के वोटर लिस्ट प्रकाशित प्रारूप में कुल 30 आपत्तियां आयी हैं। बैठक में कई निवर्तमान पार्षदों ने वोटर लिस्ट में जाति के नामों पर आपत्तियां जतायी हैं। कई बूथों में ओबीसी की जातियां के नाम में त्रुटि भी बतायी गयी है। वहीं कई वोटरों के नाम एक वार्ड से दूसरे वार्ड में चले गये है। एक ही परिवार के वोटरों का नाम अलग-अलग वार्ड में प्रकाशित हो गये है। इस तरह कुल 30 आपत्तियां लिखित व मौखिक रूप से सामने आयी हैं।

अग्निवीर ऑनलाइन पंजीकरण की तारीख 25 अप्रैल तक बढ़ी

झारखंड के नौजवानों के लिए अच्छी खबर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। देश की सेवा के लिए सेना ज्वाइन करने की चाहत रखने वाले झारखंड के नौजवानों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय सेना ने अग्निवीर ऑनलाइन पंजीकरण की तारीख 10 अप्रैल 2025 से बढ़ाकर 25 अप्रैल 2025 कर दी है। पंजीकरण की प्रक्रिया 12 मार्च को शुरु हुई थी। अग्निपथ स्कीम के तहत आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिस, रांची की ओर से योग्यता पूरी करने वाले झारखंड के सभी 24 जिलों के नौजवानों से आवेदन मांगा गया है। चूंकि अभी पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है, लिहाजा जून माह में कॉमन इंट्रेंस एग्जाम होने की संभावना है। इस प्रक्रिया की पूरी करने के बाद रैली कार्यक्रम का शिड्यूल जारी किया जाएगा। भर्ती रैली का आयोजन मोरहाबाद मैदान रांची में होगा।

किन-किन पदों के लिए होनी है बहाली

भारतीय सेना में कुल पांच पदों के लिए बहाली की प्रक्रिया चल रही है। इनमें सैनिक जनरल ड्यूटी, सैनिक टेक्निकल, सैनिक नर्सिंग असिस्टेंट, सैनिक क्लर्क/ एसकेटी और सैनिक ट्रेड्समैन के पद शामिल हैं। सभी पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता निर्धारित है। इसकी पूरी जानकारी इंडियन आर्मी की वेबसाईट पर जाकर ली जा सकती है।

बहाली की प्रक्रिया और योग्यता

पद के हिसाब से योग्यता पूरी करने वाले नौजवानों को पहले फेज में ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित सीईई यानी कॉमन इंट्रेंस एग्जाम देना होगा। यह परीक्षा पास करने पर रैली के दौरान पीएफटी यानी फिजिकल फिटनेस टेस्ट और मेडिकल टेस्ट पास करना होगा। उम्र का निर्धारित 1 अक्टूबर 2025 की तारीख को आधार बनाकर होगा। इस दिन के हिसाब से सैनिक नर्सिंग असिस्टेंट पद के लिए उम्र सीमा 17.5 वर्ष से 23 वर्ष तक रखी गई है। शेष पदों के लिए उम्र सीमा 17.5 वर्ष से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अग्निवीर जीडी के 10वीं पास, अग्निवीर क्लर्क के लिए 12वीं पास, अग्निवीर टेक्निकल के लिए पीसीएम से 12वीं पास, जबकि अग्निवीर टीडीएन की दो कैटेगरी के लिए 8वीं और 10वीं पास होना अनिवार्य है।

हेमंत सोरेन के प्रस्तावित विदेश दौरे पर सियासत तेज

भाजपा ने कसा तंज, कहा- पहले औद्योगिक माहौल बनायें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल स्पेन और स्वीडन के दौरे पर जा रहा है। 19 से 27 अप्रैल तक प्रस्तावित इस दौरे से सरकार काफी उम्मीदें रख रही है। हालांकि मुख्यमंत्री का दौरा विदेश मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद ही संभव हो सकेगा। इन सबके बीच सरकार के शीर्ष अधिकारियों के विदेश दौरे पर सियासत जारी है। विदेश दौरे को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद जहां विपक्ष ने हमला तेज कर दिया है, वहीं सत्ताधारी दल झामुमो ने इसे सरकार का ऐतिहासिक कदम बताया है। मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी के तहत निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पिछले दिनों मुख्यमंत्री खुद पश्चिम बंगाल गए थे, अब विदेश दौरे का कार्यक्रम तय हुआ है, निश्चित तौर पर सरकार की सोच से प्रभावित होकर विदेशी निवेशक यहां आएंगे। गौरतलब है कि विदेश दौरे पर जाने वालों में मुख्य सचिव समेत राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के 20 अधिकारी शामिल हैं। मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करने की मुख्यमंत्री की पहल की आलोचना की है। भाजपा का कहना है कि पहले राज्य में औद्योगिक माहौल बनाएं, फिर निवेशकों को आमंत्रित करें। राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने तंज कसते हुए कहा है कि सरकार पहले कानून व्यवस्था को ठीक करे, ताकि यहां उद्योग लग सकें। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हाल के वर्षों में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं और लोगों में भय का माहौल है, ऐसे में उद्योगपति राज्य में कैसे उद्योग लगाएंगे। सरकार को पहले औद्योगिक माहौल बनाने के लिए काम करना चाहिए, ताकि उद्योगपति यहां आकर्षित हो सकें।

पति ने की पत्नी की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। जिले के अतरी थाना क्षेत्र के टेंटुआ गांव के समीप पति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद पति फरार हो गया। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है, वहीं घटनास्थल से पुलिस ने एक पिस्टल भी बरामद किया है। मृतका केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की दूर की रिश्तेदार बताई जा रही है। वहीं पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पति-पत्नी के बीच कई दिनों से घरेलू विवाद चल रहा था और आज आरोपित पति रमेश कुमार पटना से घर लौटा था। आरोपित पति ट्रक चालक है। घर लौटते ही अपनी पत्नी को घर में बंद कर दिया और गोली मार दिया, जिसे घटनास्थल पर ही पत्नी सुषमा देवी की मौत हो गई। मृतक महिला विकास मित्र में काम करती थी।

बस और ट्रक में टक्कर, तीन की मौत, आधा दर्जन लोग घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खगड़िया। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों पर रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला खगड़िया के एनएच 107 का है। जहां बस और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी। वहीं आधा दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। बेलदौर थाना क्षेत्र के बेला नवाद गांव के पास ट्रक और बस में भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि बस सहरसा से भागलपुर जा रही थी। इसी दौरान तेजगति से सामने से आ रहा ट्रक अनियंत्रित होकर बस से टकरा गया। जिसके कारण बस में बैठे खलासी और दो यात्रियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के द्वारा बस से सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। जख्मी लोगों का इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के बाद एक मृतक की पहचान की गई है। जिसका नाम सुशील सिंह बताया जा रहा है, जो सहरसा जिले के धबौली गांव का निवासी बताया जा रहा है। जबकि दो अन्य मृतकों की पहचान पुलिस के द्वारा अभी नहीं बताई गई है। बेलदौर पुलिस ने बताया कि घटना के बाद सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। एक मृतक की पहचान की गई है, वहीं दो अन्य मृतक की पहचान की जा रही है। घटना दोनों वाहन के तेज रफ्तार में रहने के कारण घटित हुई है। दुर्घटनाग्रस्त बस शिवजी ट्रेवल्स का बताया जा रहा है।

टुण्डी की जनता मेरे लिए ईश्वर समान : मथुरा प्रसाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी (धनबाद)। झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक सह टुण्डी के जुझारू विधायक मथुरा प्रसाद महतो आज बुधवार की शाम रांची से सीधे चलकर अपने विधानसभा क्षेत्र टुण्डी पहुंचे और करीब आधा दर्जन लोगों को जो विभिन्न बिमारियों से जूझ रहे पीड़िता को उनके घर पहुंच कर मुख्यमंत्री राहत कोष से करीब पचास हजार रुपए का चेक सौंप कर मानवता का मिशाल कायम किया। प्राप्त समाचार के अनुसार टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो आज़ बुधवार सीधे रांची से चलकर टुण्डी पहुंचे जहां आधा दर्जन पीड़िता को मुख्यमंत्री राहत कोष के द्वारा पचास हजार रुपए का चेक सौंपा गया। सर्वप्रथम टुण्डी निवासी सुनील कुमार जायसवाल, जिनका कुछ दिन पूर्व डाक्टरों ने पैर को काट दिया था वहीं पूर्वी टुंडी के फतेहपुर गांव निवासी जियामुनी मंझियान साथ ही बस्ती कुल्ही निवासी आशा सोरेन पिता शिव कुमार सोरेन जो गोल ब्लाडर पथरी बीमारी से ग्रसित है इसके अलावा पण्डरा बैजरा निवासी ऐनुल हक तथा कमरूद्दीन मियां पिता स्व समसुदीन मियां सुकुडीह गुनघुसा एवं मैमुन बीबी समेत आधा दर्जन पीड़िता को मुख्यमंत्री राहत कोष से कुल पचास हजार रुपए का चेक सौंपा गया। मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो उनके निजी सचिव बसंत महतो, मनोज महतो, शक्ति महतो, आनंद महतो,बंटी जायसवाल समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार में आसमानी आफत! मधुबनी में बिजली गिरने से तीन की मौत, दरभंगा में भी गई जान, नवादा में 4 झुलसे

नवादा, एजेंसी। बिहार में अचानक मौसम ने करवट ली है और कई जिलों में बारिश और वज्रपात की सूचना है। बिहार में बदले मौसम ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है तो वहीं कुछ जगहों पर बारिश और वज्रपात कहर बनकर भी इंसानों पर टूटा है। राज्य के अलग-अलग जिलों में कई हादसे हुए हैं। मधुबनी जिले में वज्रपात की वजह से तीन लोगों की मौत हो गई है। यहां बुधवार सुबह आकाशीय बिजली (ठनका) गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। जिसमें दो महिला और एक पुरुष शामिल है। दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में घटना हुई। एक घटना झंझारपुर थाना क्षेत्र के पिपरौलिया पंचायत वार्ड 4 में हुई, जबकि दूसरी घटना रुद्रपुर थाना क्षेत्र के ननौर पंचायत स्थित अलपुरा गांव वार्ड 10 में हुई। दोनों ही घटना में आकाश में बादल देख लोग गोइठा एवं गेहूं की कटी फसल को ढकने के लिए गए थे। तभी आकाशीय बिजली के चपेट में आ गए। तत्काल ही उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बारिश में अपने गोइथा को ढकने के लिए गई 47 वर्षीय महिला के शरीर पर ठनका गिर गया। तत्काल मौत हो गई। मृत महिला की पहचान वार्ड 4 निवासी रमन कुमार महतो की पत्नी दुर्गा देवी (47 वर्ष)के रूप में हुई है। दुर्गा देवी के पति रमन कुमार महतो दो दिन पूर्वी मजदूरी करने पंजाब गए हुए थे। मौत की सूचना मिलते ही वह वापसी का ट्रेन पकड़ रहे हैं। अररिया संग्राम थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि बॉडी पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। आपदा के तहत हुई मौत की जानकारी आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को भी दी जा रही है। दूसरी घटना अंधराठाढ़ी प्रखंड के रुद्रपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ननौर पंचायत के अलपुरा गांव में घटित हुई। बुधवार की सुबह आकाश में बादल को देख घर से लगभग 300 मीटर दूर काटे गए गेहूं के बोझ को पॉलिथीन से ढकने के लिए दोनों पिता-पुत्री खेत गए थे। उनके साथ उनका पुत्र भी गया था। अचानक ठनका गिरी। जिसकी चपेट में पिता-पुत्री दोनों आ गए और दोनों की मौत वहीं पर हो गई। जबकि पुत्र बाल बाल बचे। वह दहशत में है। जानकारी मिलते ही गांव में कोहराम मच गया है। रुद्रपुर थानाध्यक्ष आयशा कुमारी ने बताया कि सूचना मिली है। पोस्टमार्टम के लिए तैयारी की जा रही है। आकाशीय बिजली से एक साथ हुई तीन मौत से दोनों पंचायत में मातम छाया हुआ है।

दरभंगा जिले में एक की मौत

इधर दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र के लदहो कटैया गांव में बुधवार को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान वज्रपात से एक बुजुर्ग की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतक स्व. लखन चौपाल के 68 वर्षीय पुत्र जवाहर चौपाल थे। बारिश के दौरान वह खेत थ्रेसरिंग हुई गेहूं लाने गए थे। इसी दौरान वज्रपात उसके शरीर पर ही गिर गया जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। घटना करीब सुबह 7:45 बजे की बतायी जा रही है। इसकी जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों एवं गांव में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों की सूचना पर सीओ आदित्य शंकर एवं थाने के पुलिस अधिकारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामले में कागजी प्रक्रिया की जा रही है।

नवादा में वज्रपात से 4 लोग झुलसे

वहीं नवादा जिले के वारिसलीगंज में वज्रपात की चपेट में आने से चार लोग झुलस गए हैं। थाना क्षेत्र के मिल्की गांव स्थित दो मंजिला मकान पर बुधवार की सुबह घटना हुई है। इसमें घर में रहे चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घर का चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गया है। पीएचसी में इलाज के बाद सभी चारों को सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है।

निगम के राजस्व में 3 वर्षों में 86.2प्रतिशत की वृद्धि:निगम ने 16 हजार फ्लैट धारकों को संपत्ति कर के दायरे में लाया

पटना, एजेंसी। कई सालों से अपार्टमेंट के फ्लैट में रहने वाले लोगों से संपत्ति कर (होल्डिंग टैक्स) वसूलने में पटना नगर निगम विफल रहा है। लेकिन पहली बार 16000 फ्लैट (अपार्टमेंट) को भी नए संपत्ति करदाताओं के रूप में जोड़ा गया है। निगम के प्रयास से पुराने होल्डिंग टैक्स भुगतान करने वालों के साथ ही इस बार अपार्टमेंट को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने कई साल से होल्डिंग टैक्स जमा नहीं किया है।

इसी का परिणाम है कि पटना नगर निगम के राजस्व में इस वर्ष बढ़ोत्तरी हुई है। तीन वर्षों के दौरान राजस्व में 86.2त्न की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष नगर निगम को कुल 132 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था, जबकि इस वर्ष 180 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर निगम ने संपत्ति कर (होल्डिंग टैक्स) और कचरा शुल्क सहित कई मदों से लगभग 180 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल राजस्व संग्रहण में बेहतर वृद्धि हुई है।

60 फीसदी ने किया ऑनलाइन भुगतान :

नगर निगम के सभी छह अंचलों से कुल करदाताओं में से 60 फीसदी करदाताओं ने संपत्ति कर का भुगतान ऑनलाइन किया है। वहीं, 40 फीसदी लोगों ने निगम के काउंटर पर नकद और चेक से किया है। नगर निगम द्वारा घर बैठे संपत्ति कर का भुगतान करने की सुविधाओं का शहरवासियों को लाभ हुआ है। आम जनों द्वारा ऑनलाइन में वाट्सएप चैटबॉट, क्यूआर कोड और नगर निगम के पोर्टल पर जाकर घर बैठे भुगतान किया है। नए वित्तीय वर्ष के शुरू के साथ ही आमजनों को संपत्ति करके भुगतान पर पांच प्रतिशत का छूट दिया जाएगा। यह सुविधा एक अप्रैल से लेकर 30 जून तक लागू होगी। पटना नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष के शुरुआती तीन माह (अप्रैल, मई एवं जून) में 5त्न की छूट एवं मध्य के 3 महीने (जुलाई, अगस्त, सितंबर) न छूट न पेनल्टी एवं अंतिम 6 महीना (अक्टूबर से मार्च तक) में 1.5 प्रतिशत की पेनल्टी देनी होती है।

शेयर में निवेश और कम समय में ज्यादा मुनाफे का लालच, पटना में बंगाल की कंपनी ने कैसे करोड़ों का लगाया चूना

पटना, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की एलएफएस ब्रोकिंग कंपनी शेयर में निवेश के नाम पर 150 से अधिक लोगों के करोड़ों रुपये की ठगी कर फरार हो गई। बिहार की राजधानी पटना में पटना सिटी के गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ में दफ्तर खोल धोखेबाजों ने राजधानी के विभिन्न भागों के लोगों को अपने जाल में फंसाया और करीब दस करोड़ की उगाही कर फरार हो गए। कंपनी कार्यालय बंद होने और संचालक के फरार होने की भनक लगते ही मंगलवार को पीड़ितों ने प्रदर्शन कर निवेश किया गया रुपये वापस दिलाने की मांग की। इस बाबत पीड़ितों ने मेहंदीगंज में शिकायत भी दर्ज करायी गयी है। पैसा डूबने की भनक लगते ही निवेश किए लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। कंपनी में निवेश करने वालों में कई महिलाएं भी हैं, जिन्होंने कम समय में ज्यादा मुनाफा पाने के चक्कर में लाखों रुपए लगाया है। पीड़ित प्रमोद त्रिपाठी, विभा देवी, कौशल पांडेय, निशु देवी, स्वाति कुमारी,पूनम देवी, सोनी कुमारी, अनिल कुमार,जुली कुमारी, रजनी देवी स्नेहा कुमारी समेत कई लोगों ने बताया कि एलएफएस ब्रोकिंग कंपनी के लोगों ने एकमुश्त जमा रकम पर दो प्रतिशत मासिक ब्याज देने की बता कही थी और रकम जमा करने के बाद उन लोगों के खाते में रुपये भी आने लगा था। इधर अचानक से एलएफएस ब्रोकिंग कंपनी का ऑफिस बंद हो गया और इसमें काम करने वाले लोग कुछ बताने से इनकार करने लगे। वहीं, कर्मचारी कंपनी रजिस्टर्ड होने की बात कह कर निवेशकों का भरोसा जीतते रहे। पीड़ितों ने कंपनी के मालिक को गिरफ्तार करने और रुपए वापस दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

मेहंदीगंज थाना में दर्ज शिकायत में कंपनी का संचालक पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के आरमबाग थाना क्षेत्र का रहने वाला सैयय जीयाजुर रहमान को आरोपित बनाया गया है। कंपनी पर कार्रवाई की मांग को लेकर आर्थिक अपराध इकाई में भी आवेदन सौंपा गया है। मेहंदीगंज पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

63 लाख उपभोक्ताओं को छूट का लाभ नहीं मिल रहा

1 अप्रैल से नया दर लागू नहीं: पुरानी दर पर बिल वसूल रही कंपनी

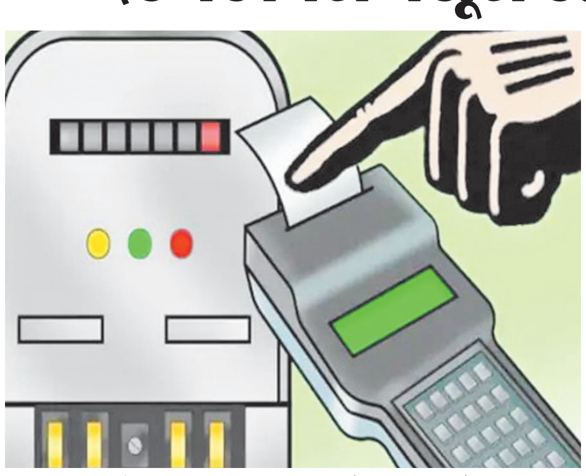

पटना, एजेंसी। राज्य के 63 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर के उपभोक्ताओं को 25 पैसा प्रति यूनिट छूट का लाभ नहीं मिल रहा है। बिजली कंपनी ने एक अप्रैल से नया दर लागू नहीं किया है। पुराने दर पर ही कंपनी उपभोक्ताओं से बिल वसूली रही है। बिहार विद्युत विनियामक आयोग ने ग्रामीण क्षेत्र के टैरिफ को स्लैब एक करने का फैसला सुनाया था। इसका फायदा 50 यूनिट से अधिक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को एक अप्रैल से मिलनी थी। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले करीब 1.25 करोड़ उपभोक्ताओं का स्लैब एक होने से 54 पैसे प्रति यूनिट सस्ती बिजली होनी है। यदि ग्रामीण क्षेत्र में जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा लिए है उनको 79 पैसे प्रति यूनिट बिजली सस्ती होगी। पिछले साल के बराबर अनुदान बरकरार रखने का दिया प्रस्ताव : बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी ने सरकार को पिछले साल के बराबर अनुदान की राशि देने का प्रस्ताव दिया है।

ताकि बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा कम किए जाने वाले दर का लाभ बिजली उपभोक्ताओं को मिल सके। बिजली कंपनी मुख्यालय के अधिकारियों के मुताबिक सरकार के द्वारा अनुदान की राशि को कैबिनेट से पारित कर जल्द घोषित होने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में उपभोक्ताओं को दर कम करने के लिए 15,343 करोड़ अनुदान दिया था।

अगले महीने के बिल में छूट का पैसा देगी कंपनी

बिजली कंपनी मुख्यालय के अधिकारियों के मुताबिक सरकार द्वारा अनुदान घोषित किए जाने के बाद दर कम होने की उम्मीद है। एक अप्रैल से 30 अप्रैल का बिल मई महीने में बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा। यदि सरकार पिछले साल के बराबर अनुदान घोषित करती है तो उपभोक्ताओं से लिए जाने वाले अधिक बिल को कंपनी के द्वारा बैलेंस के रूप में क्रेडिट किया जाएगा।

छह महीने में स्वीकृत करा लें अपने मीटर का लोड

पोस्टपेड मीटर को हटाकर प्रीपेड मीटर लगाए जाने के दिन से छह महीने से स्वीकृत भार से अधिक खपत करने पर जुर्माना नहीं देना होगा। जिनके परिसर में छह महीने पहले स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा है। उनको स्वीकृत लोड से अधिक खपत करने में जुर्माना देना होगा।

ऑटो से छात्रों को स्कूल ले जाने की मिली इजाजत चालकों को रखना होगा एक बात का ध्यान

पटना , एजेंसी। पटना में स्कूली छात्रों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। अब सुरक्षा के मानकों को पूरा करने के बाद ऑटो चालक बच्चों को स्कूल ला और ले जा सकेंगे। हालांकि ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल ले जाने पर प्रतिबंध जारी रहेगा। एडीजी ट्रैफिक के साथ ऑटो संघ की वार्ता में मंगलवार को यह निर्णय लिया गया। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि ऑटो संघ की मांग और अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए यातायात पुलिस ने लचीला रुख अपनाते हुए यह निर्णय लिया है। ऑटो चालकों को चरणबद्ध तरीके से बदलाव करने के निर्देश दिये गए हैं। हादसों के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय ने एक अप्रैल से ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाने और ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे जहां ऑटो चालकों में गुस्सा था, वहीं अभिभावक भी परेशान थे। दरअसल, पटना में काफी बच्चे ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूल आते-जाते हैं। ऑटो चालकों के विरोध को देखते हुए यातायात पुलिस ने ऑटो संघ के साथ बैठक की थी। इसमें यातायात पुलिस अधिकारियों ने चालकों को राहत देते हुए नौ अप्रैल तक कोई कार्रवाई नहीं करने की बात कही थी।

एक जून तक ऑटो में जीपीएस सिस्टम लगाने होंगे

मंगलवार को ऑटो संघ की एडीजी ट्रैफिक सुधांशु कुमार के साथ वार्ता हुई। बैठक में तय सुरक्षा नियमों का पालन करने वाले ऑटो को बच्चों को ढोने पर सहमति बनी। हालांकि ई-रिक्शा पर बच्चों को लाने ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ऑटो में सुरक्षा मानक को लेकर समय तय कर दिया गया है। स्कूल बच्चों को ढोने के लिए एक मई तक ऑटो मालिकों को वाहन का गेट एक तरफ से बंद करना होगा, क्षमता से ज्यादा बच्चे नहीं बिठाने होंगे और वाहन पर आन स्कूल ड्यूटी लिखाना अनिवार्य होगा। वहीं एक जून तक उन ऑटो में जीपीएस सिस्टम, स्पीडो मीटर आदि की व्यवस्था भी करनी होगी।

मलयपुर में ई-रिक्शा पेड़ से टकराई :सीआईएसएफ जवान समेत 5 लोग घायल, एक की हालत नाजुक

जमुई, एजेंसी। जमुई में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सीआईएसएफ जवान जितेंद्र प्रसाद समेत पांच लोग घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ, जब एक ई-रिक्शा पतोना मोड़ पर नियंत्रण खो बैठी और सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जा टकराई। यह हादसा मलयपुर थाना क्षेत्र में हुई। घायलों में सीआईएसएफ जवान जितेंद्र प्रसाद के अलावा उनके छोटे भाई शैलेंद्र प्रसाद और मां भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को महिसौडी चौक स्थित एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल शैलेंद्र प्रसाद ने बताया कि वे सभी बरहट प्रखंड क्षेत्र में स्थित अपनी नानी के घर से लौट रहे थे। पतोना मोड़ पर तीखे मोड़ के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और ई-रिक्शा सीधे पेड़ से जा भिड़ी। हादसे में दो लोगों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है, जिनकी पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही मलयपुर थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

जेपी सेतु से गांधी सेतु के बीच होगा आयोजन

पटना, एजेंसी। इंडियन एयरफोर्स की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम पहली बार पटना के जेपी गंगा पथ के समीप 22 और 23 अप्रैल को दोपहर में (10:15 बजे से 12:15 बजे तक) एरोबेटिक प्रदर्शन करेगी। जेपी सेतु से गांधी सेतु के बीच आसमान में करतब दिखाएगी। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. एस सिद्धार्थ ने कहा कि सूर्य किरण एरोबेटिक टीम 22 अप्रैल को रिहर्सल करेगी जो स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए समर्पित रहेगा। टीम के 9 अत्याधुनिक हॉक-132 विमान पटना के आकाश में अद्भुत एरोबेटिक करतबों का प्रदर्शन करेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं में भारतीय वायुसेना के प्रति रुचि, गर्व और करियर के अवसरों की जानकारी देना है। वीर कुंवर सिंह जयन्ती के उपलक्ष्य में होगा आयोजन : कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव ने बताया कि 23 अप्रैल को बाबू वीर कुंवर सिंह जयन्ती के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया जा रहा है, जिसे पूरे बिहार में शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर सूर्य किरण टीम उनके शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए, राष्ट्रगान, विशेष फ्लाईपास्ट और सामूहिक हवाई प्रदर्शन के माध्यम से बिहार के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

बिहार के पहले एक्सप्रेस वे पर लगा ग्रहण, वन विभाग ने जता दी बड़ी आपत्ति

डिजाइन बदलने की नौबत

पटना, एजेंसी। बिहार के पहले एक्सप्रेस वे वाराणसी-कोलकाता के निर्माण में अब टनल निर्माण का मामला फंस गया है। वन विभाग की आपत्ति के बाद इस एक्सप्रेस वे के दो पैकेज (संख्या-चार व पांच) का नए सिरे से एलाइनमेंट बनाने की नौबत आ गई है। नए सिरे से जमीन अधिग्रहण करना होगा। सोन नदी पर प्रस्तावित पुल के लिए भी नई जगह का चयन करना होगा। इस परिस्थिति में इस छह लेन एक्सप्रेस वे का निर्माण देर से होना तय है। बिहार को उत्तरप्रदेश, झारखंड और बंगाल से जोड़ने वाला यह एक्सप्रेस वे 61वें एनएच के रूप में अधिसूचित है। इसका निर्माण बिहार में सात पैकेज के तहत होना है।

पैकेज एक के पांच किलोमीटर को मिलाकर बिहार में इसकी कुल लंबाई 161 किलोमीटर है। पैकेज एक का निर्माण चल रहा है। दो व तीन का टेंडर हो चुका है लेकिन आम लोगों द्वारा जमीन अधिग्रहण की राशि अधिक मांगे जाने के कारण निर्माण कार्य बाधित है। पैकेज छह व सात का भी टेंडर हो चुका है। मूल समस्या रोहतास जिले में स्थित पैकेज चार व पांच को लेकर हो रही है। पैकेज चार में टनल का निर्माण होना है। लेकिन वन विभाग ने टनल बनाने के लिए ब्लास्ट करने की अनुमति नहीं दी और टीबीएम से टनल बनाने का सुझाव दे दिया। लेकिन टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) से टनल बनाने में दो-तीन गुना अधिक पैसा खर्च होगा। अधिक राशि खर्च होने को लेकर एनएचएआई ने आपत्ति जाहिर कर दी है। इस परिस्थिति में सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्रालय ने डिजाइन में संशोधन कर नए सिरे से एलाइनमेंट बनाने को कहा है। एलाइनमेंट बदले जाने पर इस एक्सप्रेस वे की लंबाई 40-50 किमी और बढ़ जाएगी। एलाइनमेंट में बदलाव के बाद पैकेज पांच में सोन नदी पर बनने वाले पुल का भी स्थान बदल जाएगा। पुराने डिजाइन में तिलौथू के समीप पुल बनना था। हालांकि राज्य सरकार की कोशिश है कि पुराने डिजाईन पर ही एक्सप्रेस वे का निर्माण हो। गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश के वाराणसी के रेवासा गांव के निकट एनएच 19 से यह सड़क शुरू होकर चंदौली होते हुए बिहार के चांद में प्रवेश करेगी। चैनपुर, रामपुर, तिलौथू, कुटुम्बा, इमामगंज, संग्रामपुर होते हुए झारखंड के हंटरगंज में प्रवेश करेगी। चतरा, पत्थलगढ़ा, सेमरिया, चुरचू, पेटरवार, कसमार, जयपुर, पुरुलिया, पुंछा, तलडंगरा, गहरबेटा, घाटल होते हुए पश्चिम बंगाल में बगनान के निकट एनएच 16 पर जाकर यह सड़क समाप्त होगी। इस एक्सप्रेस वे के बनने से वाराणसी से कोलकाता की दूरी 14 घंटे के बदले मात्र सात घंटे में पूरी की जा सकेगी। यूपी, झारखंड व पश्चिम बंगाल के बीच बिहार से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। विशेषकर हल्दिया बंदरगाह तक मालों की आवाजाही आसान होगी। 18 शहरों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर 35 हजार 228 करोड़ खर्च होने का अनुमान है।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 09-04-2025 21:56 Page 1

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय को मिली सिलाई मशीनें

व्यावसायिक शिक्षा को मिलेगा प्रोत्साहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातू। पीवीयूएन लिमिटेड की सामुदायिक विकास पहल के तहत आज कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पतरातू को तीन सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। यह वितरण स्वर्णरेखा महिला समिति और स्पर्श ईवॉइस के सहयोग से विद्यालय की प्राचार्या-सह-वार्डन के अनुरोध पर किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को अवकाश के समय सिलाई और डिजाइन की व्यावहारिक शिक्षा देकर उनके कौशल विकास को बढ़ावा देना है। विद्यालय प्रशासन और छात्राओं ने पीवीयूएन लिमिटेड के इस निरंतर और सार्थक सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

यह प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की उस सोच के अनुरूप है, जिसमें मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के समावेशन पर बल दिया गया है। इस प्रकार के कदम छात्रों के समग्र विकास में योगदान देते हैं और उनके भविष्य की रोजगार संभावनाओं को सशक्त बनाते हैं।

दुर्घटना में बच्ची की मौत के बाद भड़के ग्रामीण

- घटना से आक्रोशित लोगों ने किया हंगामा
- भीड़ में घिरने के बाद पुलिस ने चलायी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सारण। सारण जिले के अमनौर थाना क्षेत्र के जहरी पकड़ी गांव में बुधवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे भीट्टी भेल्दी मुख्य पर एक ट्रक से कुचलकर चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर जमकर हंगामा किया। जाम की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस पर आक्रोशित लोगों ने हमला बोल दिया।

इस दौरान लोगों की भीड़ में एक एएसआई फंस गए। आक्रोशित लोगों से बचने के लिए उन्होंने दो राउंड फायरिंग की, इसके बाद उनकी जान बच सकी।

इस दौरान करीब चार घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना के संबंध में बताया गया कि जहरी पकड़ी निवासी रामजयपाल राय के चार वर्षीय पुत्र आदित्य सड़क पार कर रहा था। इस दौरान, एक ट्रक ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं, चालक को बंधक बनाकर एक घर में बंद कर दिया। सड़क दुर्घटना में मौत और सड़क जाम की सूचना पर पहुंची अमनौर पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया।

अमनौर थाना के एएसआई संजय कुमार को आक्रोशित ग्रामीण दौड़ाने लगे। संजय कुमार ने जान बचाने के लिए दो राउंड फायरिंग की।

इसके बाद आक्रोशित लोग थमे। बताया जाता कि भीड़ से बचने के लिए अधिकारी ने अगर फायरिंग नहीं की होती तो बड़ी घटना हो सकती थी।

पुलिस पर हमले के सूचना के बाद मढ़ौरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) नरेश पासवान मढ़ौरा, मकेर, भेल्दी और गड़खा थाने की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे, उन्होंने आक्रोशित लोगों को समझाया।

पुलिस प्रशासन ने लोगों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद शव को मुख्य सड़क से हटाकर आवागमन शुरू करवाया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। वहीं लोगों के कब्जे से ट्रक चालक को लेकर थाने ले गई।

पुलिस पर हमले की घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। जिसमें देखा जा रहा है कि आक्रोशित लोग पुलिस पदाधिकारी के साथ मारपीट करने पर उतारू हैं। इस घटना के बाद मृतक आदित्य के स्वजनों का रो-रो के बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस सड़क से मालवाहक वाहन के आवागमन पर रोक है, लेकिन पुलिस गलत तरीके से

प्राथमिक विद्यालय पहुंचे डीईओ, बिफरे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। डीईओ मदन राय ने बुधवार को शिवसागर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय करूप का निरीक्षण किया।

इस दौरान वे विद्यालय में अव्यवस्था तथा बच्चों को जमीन पर बैठ पढ़ते हुए पाया। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने वहां के प्रधानाध्यापक से 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है।

अगर जवाब संतोषजनक नहीं रहा तो उनके विरुद्ध अन्य अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। डीईओ ने बताया कि उनके द्वारा बुधवार को शिवसागर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय करुप का निरीक्षण किया गया। जांच के क्रम बच्चों को जमीन पर बैठ पढ़ते हुए पाया, जबकि प्रथम तल के वर्ग कक्ष में ताला बंद पाया। विद्यालय परिसर व वर्ग कक्ष में गंदगी का अंबार मिला और सीढ़ी पर ईंट बिखरे मिले।

उन्होंने कहा कि विद्यालय को प्रत्येक वर्ष विकास अनुदान की राशि भी मुहैया कराई जाती है, परंतु उसका सदुपयोग नहीं किए जाने के कारण स्कूल में कुव्यवस्था व्याप्त है।

इसे गंभीरता से लेते हुए प्रधानाध्यापक को 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा गया है। अगर जवाब संतोषजनक नहीं रहेगा तो उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की दिशा में उचित कदम उठाया जाएगा।

गौरतलब है कि सिर्फ प्राथमिक विद्यालय करूप में ही कुव्यवस्था के बीच बच्चों को पढ़ना मजबूरी नहीं है। जिले में इस तरह के कई और सरकारी विद्यालय हैं, जहां के बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ते हैं।

विद्यालयों को प्रत्येक वर्ष विकास अनुदान की राशि मुहैया कराई जाते है ताकि बच्चों को शिक्षण कार्य करने में परेशानियों का सामना न करना पड़े।

गत वर्ष भी लोकसभा चुनाव से पहले शिक्षा विभाग ने पांच सौ से अधिक विद्यालयों को राशि मुहैया कराई थी। किसी को चार तो किसी को साढ़े चार व पांच लाख रुपये उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन आज आलम यह है कि अधिकतर विद्यालयों में व्यवस्था नहीं सुधर सकी है।

किसी स्कूल में शौचालय खराब तो कहीं पेयजल व्यवस्था दुरुस्त नहीं है।

वर्दी को दागदार कर रहे नये बैच के वर्दीधारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नियम के तहत जनता की सेवा करने के लिए जिले के विभिन्न दारोगा व इंस्पेक्टर में से एक को चुनकर थानाध्यक्ष बनाया जाता है। कुर्सी मिलते ही कई थानाध्यक्ष बेहतरीन काम करने के बजाय खुद ही गैरकानूनी कार्य में शामिल होकर वर्दी को दागदार करने में लग जाते हैं। इसमें हाल के दिनों में नए बैच के कई दारोगा की वर्दी दागदार हो चुकी है। जिन्हें थानाध्यक्ष की कुर्सी तो दी गई, लेकिन उनसे संभली नहीं।

लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने वाले ये थानाध्यक्ष खुद ही कानून को तोड़ने में लग गए। नतीजा हाल के दिनों में जिले के कांटी, पानापुर करियात, हत्था, बेला और करजा थानाध्यक्षों को निलंबित किया जा चुका है। फिर भी कुर्सी पर जमे अन्य वर्दीधारी सबक नहीं ले रहे हैं। थाना पहुंचने वाले लोगों से अच्छे से बात नहीं करने और वर्दी का धौंस दिखाने की अक्सर शिकायत वरीय अधिकारियों के पास पहुंचती है। इस पर वरीय अधिकारियों द्वारा चेतावनी दिया जाता है। कई वर्दीधारियों पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन थाने की व्यवस्था सुधर नहीं रही है।

ताजा मामला तत्कालीन करजा थानाध्यक्ष बीरबल कुशवाहा का है। जिन पर बालू माफिया से साठगांठ का आरोप लग चुका है। वरीय अधिकारियों की जांच रिपोर्ट में थानाध्यक्ष की भूमिका को संदिग्ध पाया गया। इसके बाद एसएसपी सुशील कुमार ने निलंबित कर दिया।

इसके पूर्व तत्कालीन बेला थानाध्यक्ष रंजना वर्मा पर जब्त शराब की विनष्टीकरण के दौरान लापरवाही का आरोप लगा है। मामले में रंजना वर्मा को निलंबित किया गया। साथ ही थानाध्यक्ष के निजी मुंशी समेत दो आरोपितों को शराब के खेल में जेल जाना पड़ा।

इसके पूर्व तत्कालीन पानापुर करियात थानाध्यक्ष राजबल्लभ यादव को हाजत में एक युवक की पिटाई के मामले में निलंबित किया जा चुका है।

इसके अलावा, तत्कालीन हत्था थानाध्यक्ष शशिरंजन को एक महिला पुलिसकर्मी के साथ अभद्र व्यवहार करने के मामले में निलंबित किया गया।

स्नान के दौरान डूबा युवक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां जन सुराज अभियान से जुड़े एक युवा कार्यकर्ता की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा बुधवार सुबह पाटलिपुत्रा थाना क्षेत्र के एलसीटी घाट पर उस वक्त हुआ, जब बेगूसराय निवासी अभिराज कुमार गंगा में स्नान कर रहे थे। घटना के बाद से पूरे जन सुराज कैंप में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, प्रशांत किशोर के नेतृत्व में चल रहे जन संवाद कार्यक्रम के सिलसिले में अभिराज कुमार पटना आए हुए थे। वह एलसीटी घाट के पास जन सुराज अभियान के टेंट में रुके हुए थे। बुधवार की सुबह जब वह गंगा नदी में स्नान करने गए, उसी दौरान हादसा हो गया।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी और मृतक के करीबी साथी ऋषभ कुमार ने बताया कि सुबह 7:00 बजे हम दोनों गंगा स्नान के लिए घाट पर पहुंचे थे। अभिराज जैसे ही पानी में उतरे, उनका पैर बालू में धंस गया और संतुलन बिगड़ने से वह गहरे पानी में चले गए। हमने शोर मचाकर बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह पूरी तरह डूब चुके थे।

बरसी आफत की बूंदें, वज्रपात से चार की मौत, दो की हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। दिन भर की गर्मी और उमस के बाद शाम में राजधानी पटना में भी बारिश हुई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। पटना, मुजफ्फरपुर, बक्सर, नालंदा समेत कई जिलों में तेज धूप के कारण लोग दिनभर झुलसते रहे। दिन में बेगूसराय में अचानक मौसम बदला गया।

बुधवार अहले सुबह अचानक बेगूसराय के कई इलाकों में तेज आंधी बारिश आई। झमाझम बारिश ने मौसम तो सुहाना कर दिया लेकिन वज्रपात के कारण मातम पसर गया। भगवानपुर थाना क्षेत्र, साहबेपुरकमाल मुफस्सिल थाना क्षेत्र और बलिया थाना क्षेत्र में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं दो महिला और दो लड़कियों की हालत गंभीर है। इन्हें इलाज के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर

मौसम बदलने से किसान हुए परेशान

पहुंची और जांच में जुट गई है। मरने वालों में एक बच्ची है। उसकी पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले राम कुमार सदा की पुत्री अंशु कुमारी (12) के रूप में हुई है। वह एक अन्य शख्स की मौत बलिया में हुई है।

पहली घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के मानोपुर गांव में बुधवार की सुबह हुई। संजू देवी खेत पर गेहूं काटने के लिए खेत गई थी। तीन लड़की भी खेत की ओर गई थी। इसी दौरान अचानक तेज आंधी और बारिश आ गई। सभी लोग घर की ओर जाने लगे। इसी अचानक वज्रपात हो गया। संजू देवी और तीन लड़की इसकी चपेट में आ गए। इसमें से अंशु कुमारी की मौत हो गई। वहीं आंचल और मुस्कान की हालत गंभीर है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वहीं दूसरी घटना बलिया थाना क्षेत्र के भगतपुर पंचायत में भगतपुर में वज्रपात से पति की मौत हो गई। पत्नी बुरी तरह झुलस गई है। मृतक की पहचान भगतपुर गांव वार्ड नंबर चार निवासी स्वर्गीय सुखदेव पासवान के 60 वर्षीय पुत्र विराल पासवान के रूप में हुई। जबकि पत्नी जितनी देवी गंभीर रूप से झुलस गई है। परिजनों ने बताया कि मृतक बिराल पासवान एवं उनकी पत्नी अपने घर से 200 मीटर की दूरी पर खेत में पड़े भूसे को उठा रहे थे। तभी यह घटना हुई है।

वहीं मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कोला बहियार में फसल देखकर लौट रहे एक किसान ठनका के चपेट में आकर उसकी मौत हो गई है। मृतक की पहचान सूजा निवासी स्वर्गीय कामो महतो के 45 वर्षीय पुत्र पंकज महतो के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में वज्रपात की चपेट में आने से सन्हा पश्चिम निवासी कालो पासवान की पत्नी इंदिरा देवी (55) की मौत हो गई। इंदिरा देवी आज खेत में गेहूं काटने मोहनपुर बहियार गई थी। इसी दौरान अचानक वज्रपात होने से उसकी चपेट में आने से मौत हो गई है।

बेगूसराय शहर से लेकर बलिया तक झमाझम बारिश भी हुई। मौसम के इस रूप को देखकर किसानों में सिहरन पैदा हो गई। क्योंकि किसानों का पका हुआ फसल अभी खेतों में पड़ा हुआ है। जिले के भीतर करीब 50 प्रतिशत भी गेहूं कटनी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में किसानों ने चिंता जाहिर किया है कि बारिश और पत्थर होने की स्थिति में मेहनत की फसल खेत में ही बर्बाद हो जाएगी।

हथियार के बल पर युवक से पांच लाख की लूट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय से इस वक्त एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। जहां दिनदहाड़े बेखौफ अपराधियों ने पांच लाख रुपये लूटने के दौरान एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। यह खौफनाक वारदात लाखो थाना क्षेत्र के पनसल्ला ढाला के पास उस समय घटी, जब युवक राहुल पोद्दार अपने घर जा रहा था। इस निर्मम हत्या के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और लोग भारी गुस्से में हैं।

जानकारी के मुताबिक, राहुल पोद्दार बलिया थाना क्षेत्र का रहने वाला था और पेशे से कावड़ी की दुकान चलाता था। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को वह बेगूसराय से मोटरसाइकिल पर सवार होकर पांच लाख रुपये लेकर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान पनसल्ला के पास एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने उसे घेर लिया और हथियार दिखाकर रुपयों से भरा बैग लूटने लगे। राहुल ने जब लूट का विरोध किया तो अपराधियों ने उसके सीने में गोली दाग दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनीष कुमार समेत कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची है, जो सबूत जुटाने में लगी हुई है। वहीं, घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने एनएच-31 को जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वहीं, लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि नेशनल हाईवे पर दिनदहाड़े लूट और हत्या यह साबित करता है कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पनसल्ला ढाला के आस-पास पहले भी इस तरह की आपराधिक घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस ने कभी भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है, जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

स्कूली बस की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोर की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। बिहार के गया जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर रोड स्थित केनार चट्टी में बुधवार सुबह एक स्कूली बस की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोर पंकज कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। पंकज स्थानीय निवासी रामजीत दास का इकलौता पुत्र था। वह सुबह टहलने के लिए निकला था, इसी दौरान स्कूल बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया और मुआवजे की मांग के साथ-साथ विद्यालय प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। मौके पर वजीरगंज थाना अध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर सिंह पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस काफी जर्जर हालत में थी। बताया गया कि तेज रफ्तार में चल रही बस का पिछला बोनट अचानक टूटकर सड़क किनारे गिर पड़ा, जिससे पंकज उसमें फंसकर काफी दूर तक घिसटता चला गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना में शामिल बस माउंट लिट्रा जी स्कूल, मानपुर की बताई जा रही है। हालांकि ग्रामीणों ने मौके पर ही बस को जब्त कर लिया है। लोगों को आक्रोशित देख चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के स्वजनों से संपर्क कर लिखित बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों द्वारा मुआवजे की पहल की जा रही है। वहीं, ग्रामीण गया के डीएम को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े हैं। काफी समझाने बुझाने के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम को हटाया। उसके बाद उक्त सड़कों पर वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया गया।

महिला की गोली मारकर हत्या

गया। अतरी थाना क्षेत्र के टेटुआ टाड़ पर बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पोती की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ी। जिसके बाद उसकी छोटी बहन हल्ला करने लगी।

आरोपी पति गोली मारकर फरार हो गया। मृतक सुषमा कुमारी टेटुआ पंचायत की विकास मित्र थी। उसी अवस्था में उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतरी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पूरी घटना की सूचना मिलते ही अतरी थाना की पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज गया भेजा दिया गया है।

मंत्री ने किया आवासीय बालिका उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुधवार को राजधानी रांची के जेल मोड़ स्थित राजकीय पिछड़ी जाति +2 आवासीय बालिका उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों, छात्राओं की उपस्थिति, भोजन, आवासीय सुविधा, पुस्तकालय, और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मंत्री लिंडा ने विद्यालय प्रबंधन समिति और छात्राओं से सीधा संवाद कर उन्हें प्रदेश सरकार की शैक्षणिक व कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आप सभी को अच्छे से पढ़ना है, डॉक्टर, इंजीनियर बनना है। अब वह सोच नहीं रहेगी कि लड़कियां बस शादी करके किसी और के घर चली जाएंगी। हर क्षेत्र में महिलाएं आज पुरुषों के बराबर खड़ी हैं।

मंत्री ने विद्यालय परिसर में ही नवनिर्माणाधीन बालिका छात्रावास भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्राओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक आवासीय व्यवस्था शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार छात्राओं की हर शैक्षणिक जरूरत- किताबें, ड्रेस, हॉस्टल, स्कॉलरशिप और करियर गाइडेंस की पूर्ति के लिए कटिबद्ध है। सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाओं का उद्देश्य है कि छात्राएं बेहतर प्रदर्शन कर अपने घर-समाज और राज्य का नाम रोशन करें।

मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज के पिछड़े वर्गों, विशेषकर बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए सतत प्रयासरत है।

शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे सामाजिक समानता और समावेशी विकास संभव है। आने वाले समय में ऐसे विद्यालयों और छात्रावासों की संख्या और गुणवत्ता में और सुधार लाया जाएगा।

अब अधिकारी हर रोज सुबह पहुंचेंगे स्कूल

ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करेंगे निरीक्षण रिपोर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के सरकारी विद्यालयों में शिक्षण कार्य समेत तमाम गतिविधियों की निगरानी सख्त होने जा रही है। शिक्षा विभाग के निदेशानुसार हर दिन सुबह साढ़े छह बजे से अफसर विद्यालयों के निरीक्षण करने जाएंगे। ये निरीक्षी अधिकारी हर दिन की रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव को देंगे।

निरीक्षण में शिक्षकों एवं बच्चों की उपस्थिति, पहली कक्षा में नामांकन, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई और मध्याह्न भोजन पर खास नजर होगी।निरीक्षण अभियान में प्रत्येक प्रखंड और जिला स्तर के अधिकारी जाएंगे। इनमें जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तथा बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के अपर जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी होंगे।

ये सभी अधिकारी सुबह साढ़े छह बजे से पूर्वाह्न 11 बजे दिन तक विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण रिपोर्ट तय फार्मेट में ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करेंगे। निरीक्षण करने वाले अधिकारी 11 बजे के बाद अपने-अपने कार्यालय के कार्यों का निष्पादन करेंगे। कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के प्रभारी पदाधिकारी प्रतिदिन अपराह्न में निरीक्षण करने वाली पदाधिकारी से विद्यालय निरीक्षण की अद्यतन सूचना दूरभाष से प्राप्त कर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव को अवगत कराएंगे।

बक्सर जिले के 282 शिक्षकों ने मार्च के महीने में ई शिक्षा कोष पर एक भी दिन आनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं की है। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग ने इन शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) अमरेंद्र पांडेय ने इन शिक्षकों को विभागीय आदेशों की अवहेलना करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

डीईओ ने कहा है कि शिक्षकों को 24 घंटे के भीतर अपने कार्यों का संतोषजनक जवाब देना होगा,

अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग के अनुसार, ई शिक्षा कोष पोर्टल शिक्षकों की उपस्थिति को ट्रैक करने और उनकी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई थी। इस पोर्टल के माध्यम से, शिक्षकों को प्रतिदिन अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होती है, लेकिन जिले के 282 शिक्षकों ने मार्च के महीने में इस नियम का पालन नहीं किया।

इससे विभाग को यह कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली शिक्षकों की पारदर्शिता और समयबद्धता को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। यह प्रणाली शिक्षकों को समय पर स्कूल आने और जाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे छात्रों की शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इस घटना ने जिले में शिक्षा प्रणाली की निगरानी और जवाबदेही के महत्व को उजागर किया है। डीईओ ने इसे विभागीय निर्देश की अवहेलना और स्वेच्छाचारिता का परिचायक बताया है।

उन्होंने शिक्षकों को कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। डीईओ ने कहा है कि भविष्य में भी इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वाले शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एमएसडीएसी-बीआरपीए-25-26, दिनांक: 08.04.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-एमएसडीएसी-बीआरपीए-25-26 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** बारुईपाड़ा स्टेशन पर ड्यूएल डिटेक्शन मोड में डीसी ट्रैक सर्किट के स्थान में ड्यूएल एमएसडीएसी का प्रावधान। **बोली प्रणाली :** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 6,26,88,124/-, **बयाना राशि:** रु. 4,63,500/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 09 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 08.04.2025 को 17.39 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 18.04.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 02.05.2025 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। HWH-19/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/661, दिनांक 09.04.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं : **क्रम सं. 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3438, कार्य का नाम :** 1 वर्ष के लिए टिकियापाड़ा एवं सॉर्टिंग यार्ड डिपो से शुरू होने वाले विभिन्न रेकों के पावर कारों के डी.ए. (डीजल अल्टरनेटर) सेट का अनुरक्षण, परिचालन एवं 'ए' चेक मेन्टेनेंस। **निविदा मूल्य :** रु. 2,21,10,747/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु.2,60,600/-, **क्रम सं. 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3439, कार्य का नाम :** हावड़ा मंडल के तहत 24 माह की अवधि के लिए कैरियर-प्रस्तुतकारक वीआरएफ टाइप एसी मशीनों का व्यापक रखरखाव अनुबंध । **निविदा मूल्य :** रु. 18,13,386/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु.36,300/-, **समापन अवधि:** 12 माह (क्रम सं. 1 हेतु) और 24 माह (क्रम सं. 2 हेतु)। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 25.04.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 हेतु) और दिनांक 30.04.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 2 हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। HWH-21/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 08_2025-26, दिनांक 08.04.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/ सीपीडब्ल्यूडी /एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा** के अधीन निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण :** एईएन/कटवा के अधीन आजिमगंज (01 अदद) और सालार (01 अदद) तथा एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन नबद्वीपधाम (01 अदद) और त्रिवेणी (01 अदद) में पाइप लाइन के साथ 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ.एच. टैंक की बदली एवं अन्य सहायक कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 6,69,54,320.85, **बयाना राशि:** रु. 4,84,800/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 29.04.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-17/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संघ और सरकार मिलकर तैयार करेंगे 2027 का रोडमैप

निष्क्रिय स्वयंसेवकों को फिर किया जाएगा सक्रिय

लखनऊ, एजेंसी। संघ परिवार और सरकार मिलकर विधानसभा चुनाव 2027 का रोडमैप तैयार करेंगे। इसके लिए रोजगार, रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती और किसानों-गरीबों से जुड़े मुद्दों पर खास फोकस होगा। इस संबंध में मंगलवार को संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल की मौजूदगी में संघ के आर्थिक समूह के साथ समन्वय बैठक में जनता के फीडबैक के आधार पर सरकार को काम करने का सुझाव दिया गया। निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में संघ के सभी घटक प्रमुखों और सरकार के कई मंत्रियों की मौजूदगी में बैठक हुई। इस दौरान सहकारिता समेत कई विभागों में भर्ती न होने पर चर्चा हुई। संघ ने सरकार को रोजगार की दिशा में तेजी से काम करने और सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का सुझाव दिया। किसानों को कर्ज से निजात दिलाने और उनकी समस्याएं सुलझाने पर ध्यान देने को कहा। भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, सहकार भारती, लघु उद्योग भारती समेत कई संगठनों के पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, श्रम व सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान भी मौजूद रहे।

संविदा कर्मियों का मुद्दा भी उठा: मजदूर संघ ने संविदा कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा समेत कई मुद्दे उठाए। भारतीय किसान संघ ने कहा कि किसानों के लिए पहले की तरह आगे भी कर्ज माफी पर विचार किया जाए। मंत्रियों ने समस्याओं व उनके समाधान पर चर्चा की।

निष्क्रिय स्वयंसेवकों को फिर सक्रिय करेगा संघ: लोकसभा चुनाव 2024 में स्वयंसेवकों की निष्क्रियता के असर से सचेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) उनको फिर सक्रिय करेगा। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार को राजधानी पहुंचकर प्रचारकों व अन्य पदाधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने पदाधिकारियों को ऐसे स्वयंसेवकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं, जो अब अलग-थलग हैं।

भागवत ने कहा, निष्क्रिय स्वयंसेवकों को सक्रिय करने के लिए पदाधिकारी उनके घर जाकर उनसे संवाद करें। उन्हें कार्यक्रमों में शामिल कराएं। राजधानी पहुंचे संघ प्रमुख सबसे पहले भारती भवन गए। लखीमपुर रवाना होने से पहले उन्होंने संघ के पदाधिकारियों व प्रचारकों से मुलाकात की। कहा, पहले संगठन का काम करने वाले स्वयंसेवकों से समस्या पूछकर निस्तारण कराएं।

संघ प्रमुख ने गांवों में शाखाओं के विस्तार पर भी जोर दिया। उन्होंने संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष पर पूरे साल चलने वाले अभियानों व कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा, यह संघ का शताब्दी वर्ष है। साल भर के लिए तय अभियानों को सक्रियता से चलाएं। साथ ही अवध क्षेत्र में संघ की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की।

हर कार्यकर्ता तक पहुंचें पदाधिकारी - भागवत: डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पदाधिकारी हर कार्यकर्ता तक पहुंचें। जनमानस में शताब्दी वर्ष के अभियानों के जरिये राष्ट्र के प्रति चेतना का माहौल बनाकर शाखाओं का विस्तार करें। गांवों में शाखाएं बढ़ाएं। शहरों में युवाओं और पेशवरों के अलग-अलग वर्गों को जोड़ें।

मुख्यमंत्री योगी से मिले प्रभु देवा सहित निर्माता डॉ. मोहन बाबू, शिष्टाचार भेंट की

लखनऊ , एजेंसी। फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू और प्रभु देवा सहित फिल्म व्यवसाय से जुड़े कई लोगों ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। ये एक शिष्टाचार भेंट थी। सीएम से मुलाकात करने वालों में फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू, फिल्म कलाकार विष्णु मांचू, प्रभु देवा और विनय माहेश्वरी ने शिष्टाचार भेंट की।

चोरी के रुपयों से खरीदा घर: गोरखपुर के सराफा दुकान से कर्मचारी ने की 70 लाख से अधिक की चोरी- केस दर्ज

गोरखपुर , एजेंसी। राजघाट थाना क्षेत्र के एक सराफा की दुकान (रामनिवास सराफ प्रा. लि.) में धीरे-धीरे सोना चोरी करके सेल्समैन ने 50 लाख रुपये का घर खरीद लिया। कारोबारी रायगंज के रामनिवास वर्मा ने सेल्समैन नरसिंहपुर कच्चीबाग निवासी सर्वेश वर्मा पर धोखाधड़ी कर 70 लाख रुपये से अधिक का सोना चोरी करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। राजघाट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, रामनिवास वर्मा ने सोमवार को राजघाट थाने में केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया है कि दुकान पर सर्वेश वर्मा वर्ष 2022 तक बतौर सेल्स मैन काम करता था। इधर, दुकान में सामान के मिलान में अंतर मिला। तब छानबीन में पता चला कि धीरे-धीरे करके सर्वेश ने सोना हड़प लिया है।

सराफा कारोबारी ने बताया कि कार्रवाई के लिए कहने सर्वेश ने 70 लाख रुपये की ज्वेलरी चोरी करना भी स्वीकार किया। सर्वेश ने बताया है कि 50 लाख रुपये में मां के नाम से एक दो मंजिला मकान नरसिंहपुर में रजिस्ट्री कराई है। 60 ग्राम सोने की ज्वेलरी भी उपलब्ध है।

उसने रुपये व ज्वेलरी वापस करने की बात कही थी। बाद में टरकाने लगा और धमकी दी कि दुकान में आग लगा दूंगा। इस संबंध में कोतवाली सीओ ओंकार दत्त तिवारी ने कहा कि सराफा कारोबारी की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर डबल मर्डर: खुशबू ने पुलिस पर थप्पड़ मारने का लगाया आरोप, मां-बहन की हत्या अभी भी अनसुलझी

गोरखपुर , एजेंसी। चौरीचौरा डबल मर्डर के खुलासे के करीब पुलिस का पहुंचने का दावा है। इसी बीच बुधवार को मृतक पूनम की बेटी खुशबू ने पुलिस पर थप्पड़ मारने का आरोप लगाते हुए चौरीचौरा तहसील पहुंच गई।

अपने भाई और ग्रामीणों ने साथ तहसील पहुंची खुशबू ने आरोप लगाया कि पुलिस मां और बहन के हत्यारों को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है। इसके अलावा पुलिस ने बुधवार को परिवार पर दबाव बनाने के साथ उन्हें थप्पड़ मार दिया।

दरअसल, 29 मार्च की देर रात करीब 1:30 बजे मां-बेटी पूनम (45) और उसकी बेटी अनुष्का (13) की गड़ासे से मारकर हत्या की गई थी। सूचना पर पहुंची चौरीचौरा पुलिस ने घटना स्थल पर छानबीन की थी। तब पूनम का एंड्रॉयड मोबाइल वहां नहीं मिला था। पांच दिन खेत में पूनम का मोबाइल मिला था।

वहीं, सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान पहले कमरे की दीवार के झरोखे से हत्यारोपियों के पैर देखने का दावा करने वाली मृतका की बेटी खुशबू अपने बयान से पलट गई है। वह अब कोई और कहानी पुलिस को सुना रही है।

पत्नी को पंचायत के लिए थाने लेकर पहुंचा, पति ने बेटे को ही उठाकर सड़क पर पटक दिया- गंभीर

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर एम्स इलाके के नंदानगर दरगाहिया निवासी आकाश का पत्नी से विवाद चल रहा है। बुधवार को पति पत्नी एम्स थाने में एक दूसरे की शिकायत लेकर पहुंचे थे। इस दौरान थाने के बाहर आकाश ने अपने दो साल के बेटे को उठाकर पटक दिया। गंभीर हालात में बच्चे का निजी अस्पताल में चल रहा इलाज। आरोपी पिता को पुलिस ने हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ।

जोगी नवादा गोलीकांड: बरेली में मंत्री के रिश्तेदार समेत दो आरोपियों की संपत्ति होगी कुर्क

बरेली , एजेंसी। बरेली के जोगी नवादा गोलीकांड के आरोपियों पर कार्रवाई जारी है। भाजपा नेता के भतीजे और उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री के रिश्तेदार समेत दो आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने के लिए पुलिस ने मंगलवार रात उनके घरों पर नोटिस चस्पा कर मुनादी करा दी। आरोपियों के बारे में सटीक सूचना देने वाले को 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई।

क्या है मामला: पिछले साल बारादरी थाना क्षेत्र के जोगी नवादा में महिला वकील रीना सिंह के पति और परिवार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर जानलेवा हमला किया गया था। रीना के पति का अब भी इलाज चल रहा है। इस मामले में 11 लोग नामजद कराए गए थे, जो स्थानीय भाजपा नेता के भतीजे और उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री के रिश्तेदार थे।

कुछ आरोपियों को पुलिस ने थोड़े दिनों बाद गिरफ्तार कर लिया तो कुछ कोर्ट में हाजिर हो गए थे। लंबे समय तक चार आरोपियों का सुराग नहीं मिला। इनकी तलाश में पुलिस ने उत्तराखंड तक दबिश दी। एसएसपी अनुराग आर्य ने चारों आरोपियों की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

दो आरोपी कर चुके हैं सरेंडर : हाल ही में दो इनामी आरोपियों विशाल राठौर और आकाश राठौर ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जबकि अभिषेक और टिंकू राठौर का सुराग नहीं लगा। बारादरी थाना पुलिस ने अभिषेक और टिंकू राठौर की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास किया। सफल न होने पर उनकी संपत्ति कुर्की के लिए कोर्ट में आवेदन किया था। इसी मामले में कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई है। पुलिस पहले भी कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

विवेचना में खुले चार और आरोपियों के नाम: जोगी नवादा गोलीकांड में वीडियो और साक्ष्यों के आधार पर चार और आरोपियों के नाम प्रकाश में आए हैं। इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि विवेचना में रामगोपाल मिश्रा, रजत राठौर, हिमालय राठौर व अमित राठौर के नाम प्रकाश में आए हैं। पता लगा है कि ये लोग भी फायरिंग करने वालों में शामिल थे। पुलिस ने इनकी तलाश की तो ये फरार हो गए।

भाजपा नेता के होटल पर छापा, 31 जुआरियों को दबोचा

17 लाख कैश...19 लग्जरी गाड़ी जब्त; पुलिस पर भी एक्शन

मेरठ , एजेंसी। एसएसपी के आदेश पर एसपी क्राइम और सीओ दौराला ने दादरी स्थित एक होटल पर छापा मारा। पुलिस ने भाजपा नेता अंकित मोतला के होटल पर छापा मारा था। जहां से 31 जुआरियों को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 17 लाख कैश, 19 लग्जरी गाड़ी, 40 मोबाइल बरामद किए हैं। अंकित समेत कई जुआरी भाग गए। एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा ने बताया कि इंस्पेक्टर दौराला उत्तम सिंह राठौर, दादरी चौकी इंचार्ज समेत 5 सिपाही लाइन हाजिर किए गए हैं। अंकित की मां उर्मिला देवी जिला पंचायत के वार्ड 9 से सदस्य हैं।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे, कामकाज ठप

लखनऊ , एजेंसी। पावर कारपोरेशन के पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्काम के निजीकरण के विरोध में बुधवार प्रदेश भर से आए बिजली कर्मियों ने लखनऊ में फील्ड हॉस्टल में धरना देकर प्रदर्शन किया। यह कर्मचारी फील्ड हॉस्टल से शक्ति भवन तक रैली निकालकर पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से निजीकरण को निरस्त करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के मीडिया संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि इस रैली में प्रदेश भर से अभियंता और कर्मचारी लखनऊ में निजीकरण का विरोध करके उसके प्रस्ताव को निरस्त करने आए हैं। कर्मचारियों के इस प्रदर्शन को संबोधित करने के लिए कई प्रदेशों से बिजली कर्मी नेता भी आए, जिन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की इस कार्रवाई पर बहुत नाराजगी जताते हुए पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्काउंट को कॉर्पोरेशन की अधीन रखने की आवाज उठाई। उधर दूसरी तरफ प्रशासन ने भी प्रदर्शनकारी बिजली कर्मियों को शक्ति भवन तक न पहुंचने के लिए जगह-जगह वेरीकटिंग करके काफी फोर्स को मुस्तैद किया है। इससे अंदेशा है की रैली निकलने के दौरान दोनों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

कामकाज ठप : बिजली कर्मियों की रैली के चलते बुधवार को लखनऊ समेत प्रदेश के अधिकतर कार्यालय और उपकेद्रों पर विभागीय कामकाज पूरी तरह ठप है। इसकी वजह लाइन पर काम करने वाले कर्मचारियों से लेकर कार्यालय के अभियंता सभी रैली में शिरकत करने पहुंचे हैं।

अप्रैल के अंत तक पूरा हो जाएगा राम मंदिर का निर्माण, परिसर में स्थापित होंगी 18 मूर्तियां

अयोध्या , एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राम मंदिर का निर्माण कार्य अप्रैल के अंत तक पूरा हो जाएगा। रामजन्मभूमि परिसर में काम कर रही सभी क्रेन हटा दी जाएंगी। इसके बाद परकोटा के उत्तर व पूर्व दिशा में जो काम छोड़ दिया गया है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राम दरबार की मूर्ति अक्षय तृतीया पर मंदिर में स्थापित कर दी जाएगी। परिसर में स्थापित होने वाली सभी मूर्तियां अप्रैल के अंत तक आयोध्या पहुंच जाएंगी। जून में अच्छा मुहूर्त देखकर सभी मूर्तियों की एक साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। परिसर में कुल 18 मूर्तियां स्थापित होंगी। परिसर में बन रहे चार द्वारों के नामकरण पर विचार किया जा रहा है। इसमें भारत की आध्यात्मिक एकात्मता के दर्शन होंगे।

गाजीपुर में डीएम की बड़ी कार्रवाई: सात लेखपाल सस्पेंड

पांच संविदा कर्मी पर एफआईआर; सीडीओ के स्टेनो का तबादला

गाजीपुर , एजेंसी। गाजीपुर जनपद में आय प्रमाणपत्र जारी करने के नाम पर चल रहे खेल मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। डीएम आर्यका अखौरी ने सात लेखपालों को निलंबित, जखनियां तहसील के पांच संविदा कर्मी ऑपरेटरों पर मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही पांच तहसीलदारों से स्पष्टीकरण मांगा है इसके अलावा सीडीओ के स्टेनों का तबादला जमानिया के लिए कर दिया है।

इसके अलावा संबंधित पांचो तहसीलों के तहसीलदारों से प्रकरण में स्पष्टीकरण मांगा गया है। जबकि सीडीओ संतोष कुमार वैश्य के स्टेनो राधेश्याम यादव का तबादला जमानिया तहसील के लिए कर दिया गया है। क्योंकि जांच में यह भी बात सामने आई कि सीडीओ के स्टेनो की बेटी पूजा की नियुक्ति आंगनबाड़ी पद पर मनिहारी ब्लॉक के

चौखड़ी में हो गई। सूची देखकर हर कोई हैरान हो गया, क्योंकि पूजा के पति अजीत जौनपुर में सरकारी शिक्षक पद पर तैनात हैं। ग्रामीणों ने शिकायत की तो पता चला कि उन्होंने सालाना आय 42 हजार रुपये दिखाई है। हालांकि शिकायत होते ही पूजा ने पद से त्यागपत्र दे दिया। इसी तरह जिले में चल रही आंगनबाड़ी भर्ती के दौरान 14 प्रमाणपत्र ऐसे मिल चुके हैं। इसमें सीडीओ के स्टेनो की बेटी से लेकर शिक्षक, जवान, पुलिस और प्रधान, कोटेदार आदि तक के नाम शामिल हैं। ऐसे में संबंधित की नियुक्ति को होल्ड कर जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्वांचल में छाए रहेंगे बादल, पश्चिम के 17 जिलों में लू का अलर्ट

एक झटके में छह डिग्री चढ़ा पारा

लखनऊ , एजेंसी। प्रचंड गर्मी के बीच यूपी में मौसम दो रंग दिखा रहा है। कई जिलों में बादल और बारिश की संभावना है तो कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पूर्वा हवाएं चलीं और तराई के कुछ इलाकों में बादलों की आवाजाही रही। बुधवार के लिए मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के लगभग 17 जिलों में लू की चेतावनी जारी किया है और पूर्वी-तराई हिस्सों में बूंदाबांदी के आसार जताए हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक यूपी के पूर्वी-तराई इलाकों महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती आदि में गरज-चमक संग बूंदाबांदी के संकेत हैं। कहीं-कहीं वज्रपात के भी आसार हैं।

सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले तीन से चार दिन प्रदेश के विभिन्न इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। वहीं तात्कालिक तौर पर पारे में 2 से 4 डिग्री की गिरावट की संभावना है। बीते कुछ दिनों से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के जिलों, बुंदेलखंड और यूपी के दक्षिण पूर्वी जिलों में लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

मंगलवार को आगरा, झांसी समेत कई जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। वहीं प्रयागराज, हमीरपुर, कानपुर, मुजफ्फरनगर आदि जिलों में तापमान सामान्य से अधिक रहा और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। रात के पारे में भी बढ़ोतरी आई।

इन जिलों में है हीट वेव (लू) की चेतावनी: गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

रात के पारे में 6.1 डिग्री की उछाल: राजधानी में मंगलवार को तीखी धूप के साथ उमस भरी गर्मी ने परेशान किया। इसकी वजह पूर्वा हवाएं रहीं। दिन के पारे में 1.2 डिग्री की गिरावट रही, लेकिन पुरवाई चलने से उमस भरी गर्मी रही। वहीं, रात के पारे में अप्रत्याशित रूप से 6.1 डिग्री के उछाल से हवा में गर्माहट महसूस की गई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बुधवार को बादलों की आवाजाही रहेगी और पारे में हल्की गिरावट के आसार हैं। विक्षोभ व पुरवाई के असर से बाराबंकी में बूंदाबांदी हो सकती है। मंगलवार को दिन का तापमान 1.2 डिग्री की गिरावट के साथ 38 डिग्री दर्ज हुआ। रात के पारे में 6.1 डिग्री का उछाल आया और तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

जेइ टीकाकरण पर जोर, सभी जिलों में 30 अप्रैल तक पूर्ण आच्छादन का लक्ष्य

जेइ से बचाव के लिए राज्य सरकार कर रही कार्य : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि राज्य सरकार जापानी इंसेफलायटिस (जेई) से बचाव के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि एईएस (एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम) के संभावित मामलों में जेई एक प्रमुख कारण के रूप में सामने आता है, और इससे बचाव के लिए जेई टीकाकरण को एक प्रभावी और कारगर उपाय माना गया है। मंत्री ने कहा कि राज्य में 9 माह से 2 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को दो चरणों में जेई-1 एवं जेई-2 टीके दिए जाते हैं, और वर्तमान में सभी जिलों में इस

टीकाकरण अभियान को तेज कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल 2025 तक सभी लक्षित बच्चों को जेई का टीका लगाकर शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित करने का निर्देश राज्य के सभी सिविल सर्जनों को दे दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि जापानी इंसेफलायटिस बच्चों के लिए एक गंभीर और जानलेवा संक्रमण है, जिसकी कोई विशिष्ट दवा उपलब्ध नहीं है। इसका उपचार केवल लक्षणों के आधार पर किया जाता है, इसलिए बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि यह संक्रमण मुख्य रूप से मानसून के दौरान यानी जुलाई-अगस्त और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर के महीनों में तेजी से फैलता है, इसलिए इस समय पूर्व तैयारियों की विशेष आवश्यकता है। मंगल पांडेय ने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा इस घातक बीमारी से प्रभावित न हो, और इसके लिए जागरूकता अभियान के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर वंचित बच्चों की पहचान कर रही हैं। जेई टीकाकरण को सफल बनाकर ही बच्चों को इस जानलेवा बीमारी से सुरक्षित किया जा सकता है। राज्य सरकार के इस व्यापक अभियान से उम्मीद की जा रही है कि जेई संक्रमण की रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त होगी।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 'सुविधा समागम' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सीए. निरंजन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक की अध्यक्षता में सुविधा समागम का आयोजन किया गया। इस बैठक में बिहार क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को प्रदान किये जा रहे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्योष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत से चर्चा की गयी. इस अवसर पर 06 बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के विभिन्न समस्याओं, विशेषकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से सम्बंधित मामलों के विषय में जानकारी ली गयी एवं मौके पर ही इसके निराकरण हेतु समुचित निर्णय किए गए। सुविधा समागम में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को सूचित किया गया कि आपातकालीन स्थित में निजी चिकित्सा संस्थानों में इलाज कराकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा करने पर उसे C.G.H.S. / सरकारी दर से सीमित कर दावे का भुगतान किया जाता है इसलिए बीमाकृत व्यक्तियों को यह सलाह दिया गया कि गैर आपातकालीन के मामलों में कर्मचारी राज्य बीमा निगम आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ या कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा, में पहले इलाज प्राप्त करें वहां चिकित्सा उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में ही निजी संस्थान में इलाज करायें, साथ ही, उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को यह आश्वासन भी दिया गया कि उनकी सुविधाओं में उत्तरोत्तर सुधार हेतु कर्मचारी राज्य बीमा निगम कार्यवायी कर रहा है। बैठक के अंत में सदस्य सचिव द्वारा बीमाकृत व्यक्तियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही बैठक समाप्त हुई।

एक नजर

देसी-विदेशी शराब को किया गया नष्ट

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला प्रशासन के निर्देश पर मसौढ़ी थाना के अंतर्गत विभिन्न कुल 10 कांडों में जब्त देसी विदेशी शराब को बुधवार को दंडाधिकारी के समक्ष विनष्टीकरण किया गया है, जिसमें कुल 187 लीटर देसी शराब और 605.250 लीटर विदेशी शराब के साथ 70 किलो महुआ को नष्ट किया गया है। इस मौके पर दंडाधिकारी के रूप में अंचलाधिकारी प्रभात रंजन, एक्साईज इंस्पेक्टर टुनटुन पासवान, मसौढ़ी थानाध्यक्ष अनिल कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे। एक्साईज इंस्पेक्टर टुनटुन पासवान ने बताया इस समय समय पर विभिन्न थानों में जप्त शराब का विनिष्टीकरण किया जाता है। ऐसे में बुधवार को वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर कुल 10 कांडों में जप्त शराब का थाना परिसर मे ही नष्ट किया गया है।

20 सूत्री कमेटी के अध्यक्ष बने सुनील

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विधानसभा चुनाव के पहले प्रखंड स्तर के जदयू, भाजपा, लोजपा व हम के कार्यकर्ताओं को सरकार ने सेवा करने का मौका दी है। जहां प्रखंड स्तरीय बीस सूत्री कमिटी को नामित कर अधिसूचना जारी कर दी है। जहां जदयू के प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा को अध्यक्ष और बीजेपी के आशीष देव को उपाध्यक्ष नामित किया है। इसके साथ ही 15 सदस्यों को भी नामित किया गया है। शेष को अगले आदेश तक नामित किया जाएगा। राजनीतिक कार्यकर्ताओं को अब विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर लागू कराने की शक्ति मिल जायेगी, इससे वह पार्टी का जनाधार आम जनता तक पहुंचा सकेंगे. प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री कमेटी को लेकर हर प्रखंड में मुख्यमंत्री द्वारा नामित अध्यक्ष नियुक्त किये जा रहे है। इसके सदस्य सचिव प्रखंड विकास पदाधिकारी होंगे. प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री कमेटी के पुनर्गठन में मुख्यमंत्री द्वारा नामित अध्यक्ष बनाये जायेंगे। मुख्यमंत्री की ओर से इस कमेटी में 20 अन्य सदस्यों को नामित किया जाना है। मुख्यमंत्री द्वारा नामित कमेटी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और महिला वर्ग के प्रतिनिधि है। इसमें कहा गया है कि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, कमजोर वर्गों के परिवारों को सहायता दिलाने के लिए और राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और मॉनीटरिंग के लिए इस कमेटी का गठन किया गया है।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर प्रचार वाहन रवाना

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हिंदू सेवा समिति, बिहार द्वारा पटना के कंकड़बाग टेम्पू स्टैंड चौराहा पर 12 अप्रैल को चतुर्थ हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की सफलता हेतु आज विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष बजरंगबली को 1501 किलो लड्डू का भोग अर्पित किया जाएगा। भजन संध्या में देश भर से कई प्रसिद्ध कलाकार जैसे प्रिया मलिक, यामिनी सिंह, राकेश मिश्रा, निशा उपाध्याय, आर्यन बाबू, खुशबू तिवारी, श्वेता तिवारी आदि अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा।

महादलित टोला में विशेष विकास शिविर का होगा आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मसौढ़ी। मसौढ़ी प्रखंड में 19 अप्रैल से विकास शिविर का आयोजन होगा। इस शिविर का उद्देश्य सरकार की विकास योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है। शिविर में लोगों को सरकार की संचालित विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। महादलित टोला में लगने वाले विकास शिविर के क्रियान्वयन एवं शिविर की सफलता के लिए प्रखंड कार्यालय में बुधवार को सभी प्रखंडस्तरीय पदाधिकारियों के साथ बीडीओ प्रभाकर कुमार की अध्यक्षता में समन्वय हेतु एक आवश्यक बैठक की गई। बैठक में अंचल अधिकारी प्रभात रंजन, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विरेंद्र भारती, मनरेगा पदाधिकारी राकेश नंदन, जीविका प्रबंधक ,जयप्रकाश कुमार सभी विकास मित्र,आदि उपस्थित थे। बीडीओ ने कहा कि महादलित विकास मिशन बिहार सरकार के निर्देशानुसार प्रखंड क्षेत्र के सभी चिह्नित महादलित मुहल्ले में सभी विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं का शत प्रतिशत आच्छादित किया जाना है। जिससे सभी अनुसूचित जाति/ जन जाति के परिवार को सभी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके।

धूमधाम से निकलेगी भगवान महावीर की शोभा यात्रा

सैकड़ों श्रद्धालु लेंगे भाग, गूंजेगा 'जियो और जीने दो' का संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर के जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर आज पटना में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यह रथ यात्रा प्रातः 8 बजे मीठापुर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कांग्रेस मैदान स्थित जैन मंदिर तक पहुंचेगी। शोभा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में जैन एवं अजैन श्रद्धालु, पुरुष, महिलाएं और बच्चे उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। भगवान महावीर की यह शोभा यात्रा मीठापुर जैन मंदिर से निकलकर मीठापुर पुल, बुधमार्ग पेट्रोल पंप,

इस्कॉन मंदिर, इनकम टैक्स गोलंबर, मौर्यालोक, डाकबंगला चौराहा, एक्जीबिशन रोड चौराहा, भट्टाचार्या रोड, पीरमुहनी और कदमकुआं होते हुए जैन मंदिर पहुंचेगी। पूरे मार्ग में श्रद्धालु आरती, अर्चना, गीत-संगीत और नृत्य के साथ वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। महिलाएं केसरिया परिधान में और पुरुष सफ़ेद वस्त्रों में भगवान महावीर के संदेशों – ह्लप्राणी मात्र से प्रेम करो, जियो और जीने दो, सभी धर्मों का सार – मत करो जीव संहार को जन-जन तक पहुंचाएंगे। महिलाएं स्कूटी पर भगवान महावीर के संदेशों के साथ शोभा यात्रा में विशेष आकर्षण बनेंगी। यात्रा के समापन पर कांग्रेस मैदान स्थित जैन मंदिर में 108 कलशों से भगवान महावीर का अभिषेक, पूजन एवं आरती का आयोजन होगा। इसके उपरांत सामूहिक वात्सल्य भोज भी श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किया गया है। जैन संघ के मीडिया सचिव एम. पी. जैन ने बताया कि संध्या के समय बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स में बच्चों और महिलाओं द्वारा भगवान महावीर के जीवन और उपदेशों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। यह शोभा यात्रा बिहार की पवित्र भूमि पर निकाली जा रही है, जो भगवान महावीर की जन्मभूमि, कर्मभूमि और निर्वाणभूमि रही है, इसलिए इसका विशेष धार्मिक महत्व है।

फोर्टिफाइड चावल वितरण से संबंधित मिला प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मसौढ़ी। मसौढ़ी प्रखंड मुख्यालय के शहीद संजय सिन्हा साभागार मे बुधवार को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विरेन्द्र भारती के नेतृत्व में जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को फोर्टिफाइड चावल से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। बताया गया कि बिहार सरकार के द्वारा बिहार को कुपोषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से अब फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जायेगा क्योंकि इस चावल में कई पोषक गुण है। इसमें आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन

बी 12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व एवं माइक्रोन्युट्रिएंट्स पाया जाता है इससे मनुष्य को एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी पूरा करने में मदद करता है। बैठक में सभी डीलरों को फोर्टिफाइड चावल के बारे में जानकारी दी गयी। मौके पर डीलर रामभगवान प्रसाद, विनोद कुमार, बच्चू प्रसाद, सत्यनारायण प्रसाद, सुभाष प्रसाद, धनंजय सिंह, गौतम कुमार, विजय शर्मा, सहित सभी पैक्स अध्यक्ष तथा डीलर थे।

राजद के मुसहर-भुइयां रैली पर हम पार्टी ने कसा तंज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) ने राजद पर मुसहर-भुइयां रैली को लेकर जम कर हमला बोला है। हम पार्टी के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बुधवार को तंज कसते हुए कहा कि सुना है मुसहर सम्मेलन के बाद तेजस्वी यादव राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष किसी मुसहर जाति से आने वाले नेता को बना देंगे। वहीं, पार्टी के मुख्य प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण ने राजद प्रमुख की एक तस्वीर जारी करते हुए कहा की ये हैं, सरयू मांझी और प्रभावती देवी... और ये है लोकतंत्र की ललकार पर सामंतवाद की हुंकार।

सरयू मांझी और प्रभावती देवी... मखदुमपुर के रहने वाले हैं। सरयू मांझी नौकरी करते हैं जबकि प्रभावती देवी जी राजद के कोटे से एक आयोग की सदस्य रही हैं। लेकिन इतना कुछ अर्जित करने के बाद भी लालू यादव की नजरों में इन दोनों की जगह कहां है, उसकी गवाह यह तस्वीर है। लालू प्रसाद यादव के असली चेहरे से सामंती चेहरा। वो जो हर चुनाव में 'गरीब-पिछड़ा-अति पिछड़ा' का झंडा उठाकर निकलते हैं, लेकिन जब कोई मुसहर भुइयां अपनी हैसियत से उठकर सवाल पूछे, तो वही झंडा उल्टा कर मार दिया जाता है। कोई मांझी अगर चुनाव लड़ने की हिम्मत कर लें तो वो मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं। प्रभावती देवी अगर बोल उठें तो वो किसी के इशारे पर बोल रही हैं। क्यों? क्योंकि असली लोकतंत्र में बोलने का अधिकार सिर्फ उसी को है जो किसी बड़े नेता की गोदी में बैठा हो तस्वीर को लेकर उन्होंने कहा की ये हैं लालू यादव, जो खुद को गरीबों का मसीहा कहते हैं। लेकिन मुसहरों को मसीहाई करने का हक नहीं देना चाहते। ये हैं जनता के नेता लेकिन जनता अगर नेता बनने लगे, तो जनता से ही खतरा महसूस करने लगते हैं। अरे भई, मुसहर भुइयां से यही चाहते हैं। झुके रहो, रेंगते रहो, और हर पांच साल पर ताली बजाकर वोट दो। बाकी सब राजनीति सच्चाई यह है कि जीतन राम मांझी का डर आज राजद को सता रहा है। इसलिए सम्मलेन करके झूठे वायदे कर रहे हैं।

गौरतलब है कि राजद की ओर से मंगलवार को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में मुसहर-भुइंया रैली का आयोजन किया गया था। इसमें तेजस्वी यादव ने कहा है कि वह मुख्यमंत्री बनने के दिन से ही मुसहर समाज के उत्थान के लिए काम करना शुरू कर देंगे। इसलिए आप मेरे साथ आइये। राजद को जिताइये और हमको मुख्यमंत्री बनाइये।

जेपी पथ क्षेत्र में बनेंगे पांच बड़े मैदान : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पटना में गांधी मैदान पर मानवीय गतिविधियों का दबाव कम करने के लिए जेपी पथ क्षेत्र में पांच बड़े मैदान विकसित किये जाएंगे। इसके लिए नगर विकास विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों को भूमि की सम्भावना तलाशने का निर्देश दिया गया है। सम्राट चौधरी ने बुधवार को पटना जिला मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के जिला संचालन समिति की समीक्षा बैठक में 'मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना' की प्रगति पर चर्चा के दौरान कहा कि पटना में तेज विकास के साथ नये मैदान विकसित करने की जरूरत है, ताकि लोगों को गांधी मैदान के विकल्प मिल सकें। पटना जिला के विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों की इस समीक्षा बैठक में चौधरी ने इस बात जोर दिया कि सड़क, भवन निर्माण या विकास की किसी योजना को लागू करने में दोहराव से बचा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक ही काम को दो एजेंसियों से या बार-बार कराने से संसाधन और समय की बर्बादी होती है। विभागों के बीच बेहतर तालमेल करके बहुत-कुछ बचाया जा सकता है। उपमुख्यमंत्रीने निर्देश दिया कि समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत यदि कोई सड़क मुख्य सड़क से 300 मीटर तक की छूट रही हो, तो उसमें विस्तार किया जाएगा, ताकि सड़क सम्पर्क पूरा हो। उन्होंने कहा कि समग्र शहरी विकास योजना में सड़क के साथ नाला भी बनना चाहिए। जब सड़क-नाला निर्माण की योजनाएँ पूरी तरह स्पष्ट (चिन्हित) हों, तभी इस महीने में योजना का शिलान्यास कार्यक्रम रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि दोहराव से बचने के लिए नगर निकाय उस योजना को अपनी योजना में शामिल नहीं करे, जिसकी अनुशंसा कोई माननीय विधायक पहले कर चुके हैं। समीक्षा बैठक में नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्र और विधान सभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने भी अपने विचार रखे।

नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के कारण 92 से 94 फीसदी शिक्षक समय पर आ रहे स्कूल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि बीपीएससी टीआरई 3.0 के सप्लीमेंट्री रिजल्ट को लेकर जो भी निर्णय लेना है वह बिहार लोक सेवा आयोग को लेना है। हमलोगों को जितना शिक्षक-शिक्षिका चाहिए, अधियाचना बीपीएससी को भेजते हैं, उस अनुरूप एजेंसी रिजल्ट देती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर नई टेक्नोलॉजी लाई गई है। इससे काफी सुधार हुआ है। कहा कि हम लोगों ने जो टेक्नोलॉजी इस्तेमाल किया है, उसमें 92 से 94 फीसदी शिक्षक समय पर स्कूल आ रहे हैं। जो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, उसमें जीपीएस भी है। इससे 90 फीसदी से अधिक सुधार हुआ है। जो शिक्षक-शिक्षिका टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, उनको फिजिकली रूप से भी हम लोग उपस्थिति बनाने की सुविधा दे रहे हैं। जो गायब रहते हैं उनके खिलाफ हम लोग कार्रवाई करते हैं। शिक्षक नियुक्ति को लेकर सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी करने के सवाल पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमने एसीएस साहब को कहा था। यह निर्णय बीपीएससी को लेना है। जितनी भी नियुक्तियां हैं जल्द से जल्द करेंगे। अगले दो-तीन महीनों में नियुक्तियां होंगी। इसबीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें शिक्षा मंत्री सुनील कुमार के पास अर्जी लेकर कुछ लोग पहुंचते हैं। वीडियो जदयू कार्यालय के गेट का लग रहा है। मंत्री कार में बैठते हैं। एक महिला अपनी अर्जी सुनाने के लिए मंत्री से गुहार लगाती है। मंत्री कार का शीशा उतारकर महिला की बात भी सुनते हैं। कार आगे बढ़ती है।

रसोई गैस की बढ़ी कीमतों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने जताई नाराजगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा एनडीए सरकार गरीबों की आमदनी में कोई इजाफा नहीं कर रही है लेकिन उनके दैनिक खर्चों में महंगाई बढ़ाकर वृद्धि कर रही हो। रसोई गैस की कीमतों में 50 रुपए के इजाफ़े पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार ने गहरी आपत्ति जताते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना और आम रसोई गैस धारकों के ऊपर यह अतिरिक्त खर्च बढ़ाना केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को उजागर करती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि इस बढ़ोतरी पर बिहार के डबल इंजन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार चुप्पी क्यों साध रखें हैं। यही भाजपा प्रत्येक राज्यों में चुनाव के समय 500 रुपये में रसोई गैस देने का घोषणा करके चुनाव लड़ती है और अभी बेतहाशा वृद्धि कर देती है। बढ़ी रसोई गैस की कीमतों से आम परिवारों पर विपरीत असर करेगा और उनके दैनिक खर्च और जीवन यापन में समस्याएं बढ़ेंगी। आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर यह तगड़ा झटका है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री जनता के बजाय तेल कंपनियों के प्रवक्ता बनकर वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का एलान करते हैं।

सीएसपी संचालक से लूट मामले का मुख्य आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। पटना-गया स्टेट हाईवे पर धनरूआ थाना क्षेत्र के राढा मोड़ के पास सुबह लगभग 10:45 बजे एक सीएसपी संचालक से हथियार के बल पर बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने 3 लाख रूपये, लैपटॉप और बायोमेट्रिक मशीन को लूट लिए थे। इस मामले में गठित पुलिस टीम ने बुधवार को कादरीगंज थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव से मुख्य आरोपी बबलू उर्फ बोतल कुमार पिता टुनटुन प्रसाद को गिरफ्तार करने में सफल हुए हैं। जबकि इसके दो साथी भोलू.और हिमांशु की भी पहचान लिया गया है, जिसके गिरफ्तारी के लिए लगातार ताबातोड़ छापेमारी की जा रही है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कन्हैया कुमार ने बताया कि बीते 28 मार्च को संतोष कुमार विद्यार्थी पिता श्याम बाबू प्रसाद महतो अपने घर हजरत साई से एटीएम से 20 बीस हजार निकाल कर धनरूआ बाजार स्थित सीएसपी खोलने जा रहे थे उसके बैग में पहले से भी पैसे थे कुल मिलाकर 3 लाख थे, घात लगाए अपराधी ने राढा मोड़ के पास हथियार के बल पर लूट लिए, वहीं थानाध्यक्ष शुभेंदु कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी बब्लू कुमार उर्फ बोतल पहले मोटर और बाइक चोरी किया करता था, उसके बाद इधर-उधर लूट की घटना को अंजाम देने लगा। कई मामले मे यह जेल भी जा चुका है। बैंक और एटीएम के आसपास एक गिरोह के रूप में घूमते हैं उसके बाद वहां से पैसा लेकर निकलने वाले को मौका देकर हथियार के बल पर लूट लेता हैं। बहरहाल फरार दो अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।

बी. डी. कॉलेज के नये पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बी. डी. कॉलेज, पटना में बुधवार को 'शिक्षक संघ चुनाव 2025' के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सभागार कक्ष में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों की उपस्थिति ने आयोजन को उत्साह और प्रेरणा से भर दिया।

कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार (हिन्दी विभाग), उपाध्यक्ष डॉ. गरिमा पाठक (वनस्पतिशास्त्र विभाग), सचिव डॉ. राहुल अमृतराज (पालि विभाग), उपसचिव डॉ. अपराजिता (राजनीतिशास्त्र विभाग) और कोषाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार (प्राकृत विभाग) को औपचारिक रूप से प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता तिवारी ने साहित्यिक अंदाज़ और ओजपूर्ण शायरियों के माध्यम से किया। उनकी प्रस्तुतियाँ पूरे माहौल को सजीव और प्रेरक बना गईं। समारोह की शुरुआत एक प्रेरणादायक शायरी से हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विवेकानंद सिंह ने नवनिर्वाचित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक संघ का यह नेतृत्व महज पद नहीं, बल्कि एक प्रेरणास्त्रोत है जो संस्था को नई दिशा देता है। उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को शिक्षकों के सामूहिक प्रयास और प्रगति का आधार बताया। चुनाव अधिकारी श्री परिमल सिन्हा एवं श्री रवि रंजन ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता की सराहना की और

बालू के अवैध खनन को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सरकार की प्रभावी नीतियों और कुशल प्रशासन के चलते खान एवं भूतत्व विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग ने राजस्व वसूली, अवैध खनन नियंत्रण, ओवरलोडिंग की समाप्ति, पुलिस प्रशासन में सुधार और नागरिक सुविधाओं में वृद्धि जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। उप-मुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बालू के अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोडिंग को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभागीय अधिकारी पुलिस और जिला प्रशासन के साथ तालमेल बैठाकर प्रभावी कार्रवाई को अंजाम देंगे। आने वाले समय में विभाग की तस्वीर और भी अधिक बदलेगी। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2024 में खनन नियमावली में किए गए सख्त प्रावधानों के कारण राज्यभर में बालू के अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। इससे ओवरलोडिंग लगभग समाप्त हो गई है, जिससे दंड मद में अपेक्षाकृत कम राशि की वसूली हुई है। खान एवं भूतत्व विभाग ने पिछले दिनों समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है। विभाग ने 3500 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 3569 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली की है, जो अबतक की सर्वाधिक वसूली है। उल्लेखनीय है कि लगभग 40 बालूघाटों के प्रत्यार्पण के बावजूद इस लक्ष्य को प्राप्त किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 114 प्रतिशत अधिक है।

मसौढ़ी के पांच पंचायतों में रिक्त पदों पर उपचुनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। मसौढ़ी अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों में रिक्त पंचायत पदों के लिए उपचुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। वार्डवार मतदाता सूची के विखंडन के बाद मंगलवार को प्रपत्र 'क' के अनुसार डाटाबेस तैयार किया गया। प्रारूप मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी भी बना ली गई है। मिली जानकारी के अनुसार 9 से 15 अप्रैल तक प्रारूप मतदाता सूची का पीडीएफ तैयार होगा। 16 अप्रैल को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 16 से 29 अप्रैल तक दावा-आपत्ति ली जाएगी। 21 अप्रैल से 8 मई तक दावा-आपत्ति का निष्पादन होगा। वहीं 14 मई को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। बहरहाल मसौढी प्रखंड के नदौल और दौलतपुर पंचायत में पंच पद के लिए, धनरूआ प्रखंड के गोविंदपुर बौरही पंचायत में वार्ड सदस्य और पंच पद के लिए जहाँ दोनो पदो पर त्याग पत्र दे दिया गया था, वहीं पुनपुन प्रखंड के बेहरावां पंचायत मे दो पंच और लखनपार पंचायत मे एक पंच पद जहाँ तीनो पंच मृत्यु हो जाने के लिए पद रिक्त पडे थे। बहरहाल मतदाता सूची का विखंडन अंतिम दौर में है। कुछ पदों पर पहले नामांकन हुआ था, लेकिन प्रतिनिधियों की मृत्यु हो गई।

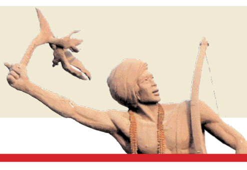

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, गुरुवार 10 अप्रैल 2025

संपादकीय

ट्रंप की आर्थिक दादागिरी

ट्रंप की आर्थिक दादागिरी और मनमाने टैरिफ की वजह से अमेरिका सहित पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आखिर चाहते क्या हैं, जिस तरह वो आएं बाएं शांय तरीके दूसरे देशों पर टैरिफ थोपते जा रहे हैं, उसे लगता है कि दुनिया में अब अमेरिका का कोई मित्र बचा नहीं है और अगर कोई बचा भी होगा तो चंद दिनों बाद वो भी ट्रंप टैरिफ की मार में होगा। कई देश ट्रंप की इस सनक भरी दादागिरी से निपटने के लिए अपनी अपनी रणनीति पर काम कर रहे हैं। भारत इस मामले में संयम और संजीदगी से काम ले रहा है। हालांकि ट्रंप की सुनामी के झटके उसे भी लग रहे हैं। लेकिन चीन, जो कि ट्रंप ने अव्वल निशाने पर है, ने ट्रंप की धमकियों के आगे झुकने से इंकार कर दिया है। बल्कि उसने तो यह भी कह दिया है कि वह अमेरिका से हर तरह से मुकाबले के लिए तैयार है। चीन ने अमेरिका पर अतिरिक्त 34 फीसदी टैरिफ आयद कर दिया है, जिससे राष्ट्रपति ट्रंप बुरी तरह बौखला गए हैं। उन्होंने चीन को चेतावनी दी है कि अगर 10 अप्रैल तक उसने यह अतिरिक्त टैरिफ वापस नहीं लिया तो अंजाम बुरा होगा। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वास्तव में क्या होगा। इस बीच शेयर बाजार में सोमवार के 'ब्लैक मंडे' के बाद मंगलवार को एशिया के बाजार संभले हैं और सेंसेक्स चढ़ा है। यह सभी के लिए राहत की बात है। उधर चीन ने घरेलू बाजार को दुरूस्त करने तथा मित्र देशों के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया है। रणनीति यही है कि अगर अमेरिका को निर्यात करने की जगह मित्र देश आपस में वस्तुओं का आयात निर्यात करें तो अमेरिका भो भारी झटका दिया जा सकता है। हालांकि इस रणनीति के परिणाम भी दिखने लगे हैं। इसी दौरान दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्थाओं चीन और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है। जवाब में चीन ने कहा है कि अगर अमेरिका ने चीनी सामान पर और 50 प्रतिशत टैक्स लगाया, तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे आने वाले दिनों में ट्रेड वॉर और गहरा सकता है। चीनी मंत्रालय ने कहा कि चीन ने जो जवाबी कार्रवाई की है, उसका उद्देश्य अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा करना है। साथ ही, सामान्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को बनाए रखना है। ये पूरी तरह से जायज हैं। अमेरिका का चीन पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी एक गलती पर दूसरी गलती है। यह एक बार फिर अमेरिका की ब्लैकमेलिंग की प्रकृति को उजागर करता है। चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। अगर अमेरिका अपनी मनमानी करता है, तो चीन अंत तक लड़ेगा। दरअसल ट्रंप आए दिन जो मनमानी कर रहे हैं, उससे उनकी उनकी वैश्विक अर्थव्यवस्था को फिर से संतुलित करने की कोशिश एक विनाशकारी व्यापार युद्ध को और बढ़ा सकती है। टैरिफ युद्ध के कारण टोक्यो से लेकर न्यूयॉर्क तक के शेयर बाजार अस्थिर हो गए हैं। अगर ट्रंप चीनी उत्पादों पर नए टैरिफ लगाते हैं, तो चीनी सामानों पर अमेरिकी टैरिफ कुल मिलाकर 104 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। चीन अमेरिका के टॉप ट्रेडिंग पार्टनर्स में से एक है।

महावीर जयन्ती पर विशेष

भगवान महावीर के पांचों कल्याणक की पवित्र भूमि है बिहार

विजय कुमार जैन
मंत्री-भगवान महावीर
जन्मभूमि कुण्डलपुर समिति

भगवान महावीर का नाम लेते ही जैनधर्म की स्मृति मन मस्तिक में ताजा हो जाती है। वर्तमान समय में सारा विश्व जैनधर्म के अस्तित्व को भगवान महावीर से स्वीकार करता है। जबकि वास्तविकता यह है कि भगवान महावीर जैनधर्म के 24वें तीर्थंकर हैं, भगवान महावीर से पूर्व 23 तीर्थंकर और हो चुके हैं। आज भगवान महावीर के संदेशों की अत्यधिक आवश्यकता है। यदि सारा विश्व जीओ और जीने दो के मार्ग पर चले तो सम्पूर्ण विश्व में शांति की स्थापना की जा सकती है। अहिंसा परमो धर्मः सुनने में आज पुराना लगता है लेकिन इस पंक्ति का अर्थ बहुत गहरा और तात्विक है। अभी कुछ समय पूर्व वर्तमान प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी फेसबुक के ऑफिस में लंदन गये थे, तो उनसे वहां के अधिकारियों ने बोर्ड पर एक मैसेज लिखने को कहा, उन्होंने मैसेज में अहिंसा परमो धर्म ही लिखा। महात्मा गांधी जैसे महापुरुष ने इसका मनन और चिंतन किया और अपने जीवन में उतारा, जिससे देश में आजादी की स्थापना की गयी। आइये जाने भगवान महावीर के बारे में-

प्राचीन मान्यतानुसार भगवान महावीर का गर्भ एवं जन्मकल्याणक-जैन मान्यतानुसार भगवान की जीवन चरित्र को पांच कल्याणकों में विभक्त किया है-गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान एवं मोक्षकल्याणक। सर्वप्रथम भगवान गर्भ में आते हैं। भरतक्षेत्र के विदेह नामक देश संबंधी कुण्डलपुर नगर के राजा सिद्धार्थ के आंगन में प्रतिदिन साढ़े सात करोड़ रत्नों की धारा होने लगी। आषाढ़ शुक्ला षष्ठी के दिन उत्तराषाढ़ नक्षत्र में राजा सिद्धार्थ की महारानी प्रियकारिणी (त्रिशला) ने सात खण्ड के नंद्यावर्त महल में पिछली रात्रि के अंतिम प्रहर में सुंदर-सुंदर सोलह स्वप्न देखें, जिससे उसके मन में प्रसन्नता हुई। सोलह स्वप्नों के पश्चात् देखा कि मुख में हाथी प्रवेश कर रहा है, जिसका अर्थ महारानी त्रिशला प्रातः उठकर अपने प्राणप्रिय महाराज से पूछती हैं और महाराजा बताते हैं कि महारानी इन स्वप्नों को देखने से इस युग के महापुरुष व तीनों लोकों में जगत पूज्य पुत्र को जन्म देंगी और वह बालक का जीव तुम्हारे गर्भ में प्रवेश कर चुका है। तत्काल जम्बूद्वीप के मध्यलोक से देवियां महारानी की सेवा को आती हैं और निरंतर 9 महीने तक आंठों देवियां श्री, ह्रीं, धृति, कीर्ति, बुद्धि, लक्ष्मी, शांति, पुष्टि माता की सेवा में तत्पर रहती है। महारानी त्रिशला खूब प्रसन्नमना आंदित होती हैं एवं देवियों के नाना प्रकार के गूढ़ (कठिन) प्रश्नों के उत्तर देती हैं। धीरे-धीरे वह दिन भी आ जाता है, जिसका तीनों लोकों में प्राणी मात्र को इंतजार था। तीर्थंकर बालक के जन्म के विषय में आगम (शास्त्र) में लिखा है-

जनम चैत्र सित तेरस के दिन कुण्डलपुर कन वरना।
सुर गिरि, सुर गुरु पूज, रचायो मै पूजो भव हरना।।

चैत्र शुक्ला त्रयोदशी के दिन आर्यमा नाम के शुभ योग में माता त्रिशला ने पूर्व दिशा के सदृश तीर्थंकर बालक को सूर्यरूप में जन्म दिया। उस समय तीनों लोकों में बाजे बिना बजाये बज उठते हैं। शास्त्रों में उल्लेख है कि भगवान के जन्म के समय साढे बारह करोड़ प्रकार के बाजे बिना बजाये बज उठते हैं। सौधर्म इन्द्र का आसन कम्पायमान हो जाता है एवं नरकों में भी क्षणभर को शांति हो जाती है। कल्पवृक्षों से पुष्प बरसने लगते हैं। सभी स्थानों पर आनंदमयी वातावरण हो जाता है। भगवान के जन्मकल्याणक मनाने हेतु स्वर्ग से सौधर्म इन्द्र कुण्डलपुर नगरी आ जाता है। पिता की आज्ञा से नवजात तीर्थंकर शिशु को सुमेरु पर्वत की पाण्डुक शिला पर ले जाकर 1008 कलशों से महाभिषेक करता है एवं स्वर्गों से लाये हुए सुंदर वस्त्राभूषण से प्रभू को सुसज्जित करता है। भगवान की अनेकों प्रकार से स्तुति करता हुआ 'वीर' और 'वर्द्धमान' नाम रखता है। असंख्यात देव-देवियां प्रभु का जन्मकल्याणक मनाने स्वर्गों से आते हैं। एक बार संजय और विजय नामक दो महामुनियों को किसी पदार्थ में संदेह हुआ और वे भगवान महावीर के समीप दर्शन करने पहुंचे। भगवान के दर्शन मात्र से उनका संदेह दूर हो गया। खूब भक्तिपूर्वक उन्होंने बालक को 'सन्मति' नाम प्रदान किया। किसी समय स्वर्ग में वीर प्रभु के गुणों की चर्चा इन्द्र सभा में हो रही थी। एक संगम नामक देव ने भगवान की परीक्षा लेने की सोची। भगवान अनेक राजकुमारों के साथ बालक्रीड़ा कर रहे थे, तब वह देव भयंकर सर्प बनकर वृक्ष से लिपट गया। सभी बालक भयभीत हो गये, लेकिन महावीर तीर्थंकर बालक सांप के फन पर चढ़कर खेलने लग गये। जैसे माता की गोद में बालक खेलते हैं। उस समय उस निर्भीकता के कारण भगवान का नाम संगम देव ने 'महावीर' रखा।

तपकल्याणक- धीरे-धीरे कुमार काल बीत गया यौवन में प्रवेश हुआ और माता-पिता बेटे को लेकर सुंदर स्वप्न सजाने लगे कि एक सुंदर सी बहु घर लेकर आयेंगे। घर में बहु के साथ-साथ खुशहाली आयेगी। लेकिन होनी को कुछ और मंजूर था। विवाह का प्रस्ताव युवराज ने ठुकरा दिया। माता-पिता के सपने बिखर गये। बहुत समझाया कि अपने महलों में क्या कमी है, किसी प्रकार की कमी हो, तो हमें बताओ, लेकिन युवराज महावीर नही माने। उन्होंने ब्रह्मचर्य व्रत अंगीकार किया। तत्क्षण ही भगवान को पूर्व भव का स्मरण हो गया और सोचने लगे संसार क्षणभंगुर है एक दिन सबको जाना है। वैराग्य भावना का चिंतन करते हुए मगसिर वदी दशमी के दिन प्रभु ने दीक्षा ग्रहण कर ली। सभी वस्त्राभूषण उतारकर फेंक दिया। दिगम्बर दीक्षा ग्रहण कर ली। नग्न हो गये और अपनी आत्मा में लीन होकर तप में खड़े हो गये। कुछ दिन पश्चात्

प्रभु आहार के लिए निकले।

पारणा के दिन भगवान कूलग्र्राम में आये। कूल ग्राम के राजा कूल ने भक्तिपूर्वक पड़गाहन किया एवं नवधा भक्तिपूर्वक भगवान महावीर को प्रथम आहार दिया। फलस्वरूप राजा कूल के घर पंचाश्चर्य (रत्नों) की वृष्टि हुई। पुनः भगवान महावीर वन जाकर ध्यान में लीन हो गये।

भगवान महावीर पर उपसर्ग- भगवान महावीर पर उज्जयिनी के अतिमुक्त वन में उपसर्ग हुआ। लेकिन भगवान प्रतिमायोग में विराजमान थे। रुद्र अपनी दुष्ट विद्याओं से भगवान पर उपसर्ग कर रहा था एवं पाप कर्म को संचित कर रहा था। अंत में जब उपसर्ग करके हार गया, तब भगवान को 'महति महावीर' नाम से संबोधन किया। भगवान ने सती चंदना के उपसर्ग का निवारण किया। सती चंदना बेड़ियों में जकड़ी थी। भगवान महावीर को देखते ही बेड़ियां टूट गई व सती चंदना ने भगवान का पड़गाहन करके नवधाभक्तिपूर्वक आहार दिया। पुनः चंदना ने भी आगे चलकर दीक्षा ग्रहण कर ली।

केवलज्ञानकल्याणक- भगवान महावीर ने बारह वर्ष तक तप किया। बिहार के जृंभिका ग्राम के समीप ऋजुकूला नदी के तट पर भगवान मनोहर नाम के वन में रत्नमयी एक बड़ी शिला पर शाल वृक्ष के नीचे बेला का नियम लेकर प्रतिमायोग से विराजमान हुए। वैशाख शुक्ला दशमी के दिन भगवान को केवलज्ञान प्राप्त हो गया। आत्मा ने परमात्मा का रूप ले लिया। स्वर्ग से सौधर्म इन्द्र व धनकुबेर एवं अन्य इन्द्रों ने भगवान महावीर के केवलज्ञान कल्याणक की पूजा की। धनकुबेर ने भगवान के लिए समवसरण की रचना की। जिसमें तीनों लोकों की निधियॉ लगाकर समवसरण का निर्माण किया। सुंदर सभा का नाम समवसरण है एवं सभी प्राणी मात्र को जहां समान रूप से सरण प्राप्त हो वह स्थान समवसरण है। भगवान की दिव्यध्वनि (प्रवचन) राजगृही के विपुलाचल पर्वत पर हुई, जो आज भी प्रथम देशना स्मारक के नाम से प्रथम पहाड़ पर स्थित है।

भगवान महावीर के मुख्य उपदेश- जैनधर्म के शाश्वत नियमानुसार तीर्थंकर महावीर ने प्राणीमात्र के कल्याण हेतु अनेक अमूल्य सिद्धान्त बताएं, उनमें से कुछ मुख्य है।

पांच अणुव्रत का उपदेश दिया-हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रह। इन पांचों पापों के अणु अर्थात् एक देश त्याग को अणुव्रत कहते हैं एवं इनके नाम अहिंसाणुव्र, सत्याणुव्रत, अचौर्याणुव्रत, ब्रह्मचर्याणुव्रत, परिग्रहपरिमाण अणुव्रत ये मुख्य हैं।

-भगवान महावीर ने मुख्यरूप से जिओ और जीने दो को अति महत्व दिया।

-अहिंसा परमोधर्मः भगवान का मुख्य उपदेश था, प्राणी मात्र के ऊपर दया का भाव रखो एवं सात व्यसनों का पूर्णरूप से त्याग करो।

मोक्षकल्याणक- अंत में विहार (चलते) हुए भगवान महावीर बिहार प्रदेश के पावापुरी नगर में पहुंचे। वहां मनोहर नाम के वन के भीतर अनेक सरोवरों के बीच मणिमयी शिला पर विराजमान हो गये। कार्तिक कृष्णा अमावस्या को भगवान ने मोक्ष प्राप्त कर अघातिया कर्मों का नाश कर दिया। भगवान महावीर 72 वर्ष की आयु में मोक्ष चले गये। सारे संसार में भगवान के मोक्ष जाने पर निर्वाणलाडू चढ़ाया गया एवं सभी जगह दीप मालिका करके दीपावली मनायी गयी। जैनधर्मानुसार तभी से दीपावली का पर्व प्रारंभ हुआ एवं आज तक पावापुरी जल मंदिर में दीपावली की प्रत्युष बेला में निर्वाणलाडू चढ़ाकर दीपावली मनाते हैं।

महावीर जयंती कैसे मनाते हैं- इस दिन प्रायः जैन समाज में सभी धर्मावलम्बी प्रातः प्रभातभेरी (शोभा यात्रा) में सारे नगर में भगवान की जय-जयकार व हाथों में पंचरगी एवं केशरिया ध्वज लेकर भगवान के प्रतिपादित सिद्धान्तों के नारे लगाते हैं। मध्यान्ह काल में भव्य शोभायात्रा निकालते हैं, जिसमें भगवान की प्रतिमा लेकर रथ पर बैठते हैं एवं बैण्ड बाजे के साथ शहर के मुख्य मार्गो से रथयात्रा निकालते हैं। सभी जैन समाज अपने प्रतिष्ठान बंद रखते हैं। जगह-जगह प्याऊ से पानी एवं शर्बत पिलाते हैं एवं फल बांटते हैं।

जैन समाज के पुरुष लोग केशरिया धोती-दुपट्टा व स्त्रियां केशरिया साड़ी पहनकर प्रभु का नारियल जल, मौसमी रस, संतरारस, दूध, दही, घी, सर्वोषधि, हरिद्रा आदि से भगवान का महाभिषेक करते हैं। सारे विश्व में शांति हो इस भावना से भगवान के मस्तक पर महाशांतिधारा करते हैं। मेवा, मिष्ठान का वितरण करते हैं तथा महाप्रसाद का आयोजन करते हैं। भगवान के जन्मकल्याणक के अवसर पर प्रभु वीर का पालना भी झुलाते हैं। जिसमें महिला मंडल, बालिका मंडल द्वारा भगवान के जीवन से संबंधित नाटक का मंचन करते हैं एवं सुन्दर नृत्य-नाटिकाओं का भी आयोजन करते हैं।

जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने देखा कि कुण्डलपुर तीर्थ पर आज काल के प्रभाव से जीर्ण-क्षीर्ण हो गया है। कुण्डलपुर नगरी भी समय के साथ-साथ वैभव हीन हो गयी। गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से तीर्थ का विकास हुआ। तीर्थ पर नंद्यावर्त महल व भगवान महावीर की श्वेतवर्णी अवगाहना प्रमाण प्रतिमा का विश्व शांति महावीर मंदिर, भगवान ऋषभदेव मंदिर व त्रिकाल चौबीसी के 72 भगवान का मंदिर बनाया गया एवं गृह शांति के लिए नवग्रह शांति जिनालय का भी निर्माण किया गया, जिससे बिहार पर्यटन को बढ़ावा मिला। आधुनिक सुविधा युक्त कमरों की धर्मशाला बनवायी गयी, जिसके लिए गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर दिगम्बर जैन समिति का गठन हुआ, जिसने दिन-दूनी रात चौगुनी की गति से तीर्थ का विकास किया।

नंद्यावर्त महल कुण्डलपुर तीर्थ के मंत्री श्री विजय कुमार जैन बताया कि वर्तमान में बिहार सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा 'कुण्डलपुर महोत्सव' राजकीय स्तर पर प्रतिवर्ष हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाता है। जिसमें राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन नालंदा के तत्त्वावधान में बहुत सुन्दर दो दिवसीय सांस्कृतिक संध्या भी सजती है, जिसमें सारे देश के सुप्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाती है, जिसमें बिहार के राज्यपाल एवं गणमान्य नेता उपस्थित होकर समारोह का उद्घाटन करते हैं।

इस वर्ष हम भगवान महावीर स्वामी की 2623 वीं जन्म जयंती मना रहे है। भगवान महावीर जयंती सबके लिए मंगलकारी हो एवं पूरे विश्व में भगवान महावीर के संदेशों के द्वारा अहिंसा, शांति की स्थापना हो। यही मंगल संदेश है भगवान महावीर जयंती का। बिहार की धरती का पुण्य एवं गौरव है कि भगवान महावीर के पॉचों कल्याणक से पवित्र है यह भूमि। इसी लिए कहा है-

सोने का नंद्यावर्त महल सिद्धार्थ जी का था।
मणियों के पलंग पर त्रिशला ने सपनों को देखा था।।
उन सपनों को सच्चा करके फिर से दिखाया है।
कुण्डपुर के महावीरा तेरा महल बनाया है।।

(लेखक भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर दि. जैन समिति के मंत्री हैं)

जैन धर्म के अंतिम 24 वें तीर्थंकर अहिंसा प्रवर्तक भगवान महावीर

एम पी जैन

प्रभु महावीर स्वामी का वो उपदेश जिस पथ पर चलकर देश विजयी बना और संसार में आज भी वह प्रासंगिक है जो मानवजाति के जीवन में प्रेरणास्त्रोत है जिसने उनके बताये मार्ग को अपना लिया उसका जीवन सरल और आसान हो जाएगा। महावीर सिर्फ जैनियों के ही नही अपितु जन-जन के भगवान है।

वर्तमान शासन नायक संपूर्ण विश्व को जियो और जीने दो , अहिंसा परमो-धर्म- का संदेश देने वाले जैन धर्म के अंतिम 24 वे तीर्थंकर विश्व पूज्नीय श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महामहोत्सव (महावीर जयंती) पूरा देश व विश्व गुरुवार 10 अप्रिलको मनायेगा.

वर्द्धमान प्रभु महावीर स्वामी के मुख्य पंचशील सिद्धांत सत्य , अहिंसा , अस्तेय , अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य है जिसमें मानव जाति के संयमित जीवन जीने की सम्पूर्ण कला का सार है। स्वामी महावीर ने यह भी कहा था कि दया , करुणा , क्षमा , मैत्री और शांति का मार्ग जिंदगी के लिए अतिमहत्वपूर्ण है।

दुनियां में महावीर स्वामी के प्रमुख संदेश जियो और जीने दो , अहिंसा परमो-धर्म- आज भी आकाश में गूंज रहा है। वर्द्धमान महावीर ने ऐसे ही नही निर्वाण (मोक्ष) को प्राप्त कर लिया , उन्होंने कठोर तप , त्याग , तपस्या का परिचय दिया है जिसके वो प्रतिमूर्ति आदर्श है। उन्होंने सम्यक दर्शन , सम्यक ज्ञान , सम्यक चारित्र के उपलब्धि के साथ समस्त इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर निर्वाण को प्राप्त किया था।

भगवान महावीर ने चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को कुण्डलपुर वैशालीनगर में कुण्डलग्राम के राजा सिद्धार्थ और माता त्रिशला के घर राजघराने में जन्म लिया था। जिनका गर्भ , जन्म , तप , कैवल्य ज्ञान और मोक्ष पंच कल्याणक भारत के बिहार राज्य की पावन पवित्र धरती पर हुई हैं। एक राज परिवार में जन्म लेने वाले वर्द्धमान महावीर ने राज - पाठ , परिवार , धन - संपदा , राजशाही जीवन छोड़कर मात्र 30 वर्ष की आयु युवावस्था में ही संसार को सत्य , अहिंसा , करुणा और प्रेम का मार्ग दिखाने निकल गए। अपने संसारिक सुख त्याग कर एक संयमित जीवन में सत्य , अहिंसा , करुणा और मैत्री की शक्ति को महसूस किया। महावीर में सभी को क्षमा करने का एक अद्भुत गुण था इसपर उन्होंने यही कहा था कि क्षमा वीरस्य भूषणम यानि क्षमा ही वीरों का आभूषण है।

तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अपने सिद्धांतों को जनमानस के बीच रखा , उन्होंने ढोंग , पाखण्ड , अत्याचार , अनाचारत व हिंसा को नकारते हुए दृढ़तापूर्वक अहिंसक धर्म या अहिंसा प्रधान जैन धर्म का प्रचार प्रसार कर संसार को दिव्य उपदेश देशना संदेश दिया।

कम शब्दों में अगर महावीर के बारे में कहा जाए तो ÷उन्होंने जंग एक भी लड़ा नही , फिर भी जग तो जीत लिया। सत्य , अहिंसा , अस्तेय , अपरिग्रह , ब्रह्मचर्य , अनेकांतवाद का हमको मंत्र दिया। उस जगत के तारक प्रभु महावीर की राह पर चलकर हम सभी तरह के भौतिक बंधन को तोड़ सकते है।÷

अगर अहिंसा के बारे में कहा जाय तो जीव हत्या ना करे , किसी को ठेस ना पहुंचायें , सभी जीवों के प्रति सम्मान रखें , प्रत्येक आत्मा स्वयं में सर्वयग और आनंदपूर्ण है अनांद कहीं बाहर से नही बल्कि स्वयं के आत्मा से ही आता है। शांति और आत्म नियंत्रण अहिंसा है। इंसान के लिए अहिंसा ही सबसे महान धर्म है। तभी तो भगवान महावीर ने कहा था ÷स्वयं से लड़ो बाहरी दुश्मनों से क्या लड़ना , जो स्वयं पर विजयी प्राप्त कर लिया वो पूरे विश्व पर विजयी प्राप्त कर सकता है।÷ महावीर स्वामी ने हमेशा मानव कल्याण के बारे में सोचा है। उनकी शिक्षा दीक्षा उच्च कोटि की थी तभी उनके सिद्धांत देश विदेश तक पहुंच गूंज रहा। उनके विचारों में जो पवित्रता और सकारात्मकता है वो मानव के लिए प्रेरणास्त्रोत है। जिसे हर किसी को अवश्य अपनाना चाहिए।

(लेखक प्रख्यात समाजसेवी हैं)

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

ललित गर्ग

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचर्चाओं एवं आदर्श राष्ट-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है।

न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा।

अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा। न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खरा उतरता देखना चाहती है।

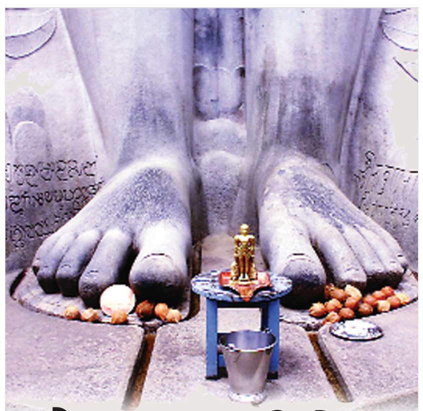

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। उनके सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय आदि उपदेश एक खुली किताब की तरह हैं। जो सत्य परंतु आम आदमी को कठिन प्रतीत होते हैं। कहने को तो वे एक राजा के परिवार में पैदा हुए थे। उनके घर-परिवार में ऐश्वर्य, धन-संपदा की कोई कमी नहीं थी, जिसका कि वे मनचाहा उपभोग भी कर सकते थे, परंतु युवावस्था में कदम रखते ही उन्होंने संसार की माया-मोह, सुख-ऐश्वर्य और राज्य को छोड़कर दिल दहला देने वाली यातनाओं को सहन किया और सारी सुविधाओं को त्यागकर वे नंगे पैर पैदल यात्रा करते रहे।

पिता ने दिया वर्द्धमान का नाम

जन्मोत्सव के बाद ज्योतिषों द्वारा चक्रवर्ती राजा बनने की घोषणा करने के बाद उनके कई किस्से इस बात को सच साबित करते पाए गए। उनके जन्म से पूर्व ही कुंडलपुर के वैभव और संपन्नता की ख्याति दिन दूनी और रात चौगुनी बढ़ती गई। अतः महाराजा सिद्धार्थ ने उनका जन्म नाम 'वर्द्धमान' रख दिया। चौबीसों घंटे लगने वाली दर्शनार्थियों की भीड़ ने राजपाट की सारी मयार्दाएं ढहा दीं। इस प्रकार वर्द्धमान ने लोगों में यह संदेश प्रेरित किया कि उनके घर के द्वार सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे। वर्द्धमान ने यह सिद्ध कर दिखाया।

वीर नाम की प्राप्ति

जैसे-जैसे महावीर बड़े होते जा रहे थे, वैसे-वैसे उनके गुणों में बढ़ोतरी हो रही थी। एक बार जब सुमेरू पर्वत पर देवराज इन्द्र उनका जलाभिषेक कर रहे थे। तब कहीं बालक बह न जाए इस बात से भयभीत होकर इन्द्रदेव ने उनका अभिषेक रुकवा दिया। इन्द्र के मन की बात भांपकर उन्होंने अपने अंगूठे के द्वारा सुमेरू पर्वत को दबाकर कंपायमान कर दिया। यह देखकर देवराज इन्द्र ने उनकी शक्ति का अनुमान लगाकर उन्हें 'वीर' के नाम से संबोधित करना शुरू कर दिया।

दो मुनियों ने दिया भेंट सन्मति का नाम

बाल्यकाल में महावीर महल के आंगन में खेल रहे थे तभी आकाश मार्ग से संजय मुनि और विजय मुनि का निकलना हुआ। दोनों इस बात की तोड़ निकालने में लगे थे कि सत्य और असत्य क्या है? उन्होंने जमीन की ओर देखा तो नीचे महल के प्रांगण में खेल रहे दिव्य शक्तियुक्त अद्‌भुत बालक को देखकर वे नीचे आए और सत्य के साक्षात दर्शन करके उनके मन की शंकाओं का समाधान हो गया है। इन दो मुनियों ने उन्हें 'सन्मति' का नाम दिया और खुद भी उन्हें उसी नाम से पुकारने लगे।

पराक्रम की चर्चा ने बनाया अतिवीर

युवावस्था में लुका-छिपी के खेल के दौरान कुछ साथियों को एक बड़ा फनधारी सांप दिखाई दिया जिसे देखकर सभी साथी डर से कांपने लगे, कुछ वहां से भाग गए लेकिन वर्द्धमान महावीर वहां से हिले तक नहीं। उनकी शूरवीरता देखकर सांप उनके पास आया तो महावीर तुरंत सांप के फन पर जा बैठे। उनके वजन से घबराकर सांप बने संगमदेव ने तत्काल एक सुंदर देव का रूप धारण किया और उनके सामने उपस्थित हो गए। उन्होंने वर्द्धमान से कहा- स्वर्गलोक में आपके पराक्रम की चर्चा सुनकर ही मैं आपकी परीक्षा लेने आया था। आप मुझे क्षमा करें। आप तो वीरों के भी वीर 'अतिवीर' है।
इन चारों नामों को सुशोभित करने वाले महावीर स्वामी ने संसार में बढ़ती हिंसक सोच, अमानवीयता को शांत करने के लिए अहिंसा के उपदेश प्रसारित किए। उनके उपदेशों को जानने-समझने के लिए कोई विशेष प्रयास की जरूरत नहीं। उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।
ऐसे महान चौबीस तीर्थंकरों के अंतिम तीर्थंकर महावीर के जन्मदिवस प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्मावलंबी प्रातःकाल प्रभातफेरी निकालते हैं। उसके बाद भव्य जुलूस के साथ पालकी यात्रा निकालने के तत्पश्चात स्वर्ण एवं रजत कलशों से महावीर स्वामी का अभिषेक किया जाता है तथा शिखरों पर ध्वजा चढ़ाई जाती है। जैन समाज द्वारा दिनभर अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। संपूर्ण विश्व में 'जियो और जीने दो' का महान संदेश फैलाने वाले ऐसे भगवान महावीर स्वामी को शत-शत नमन, महावीर स्वामी की जय हो!

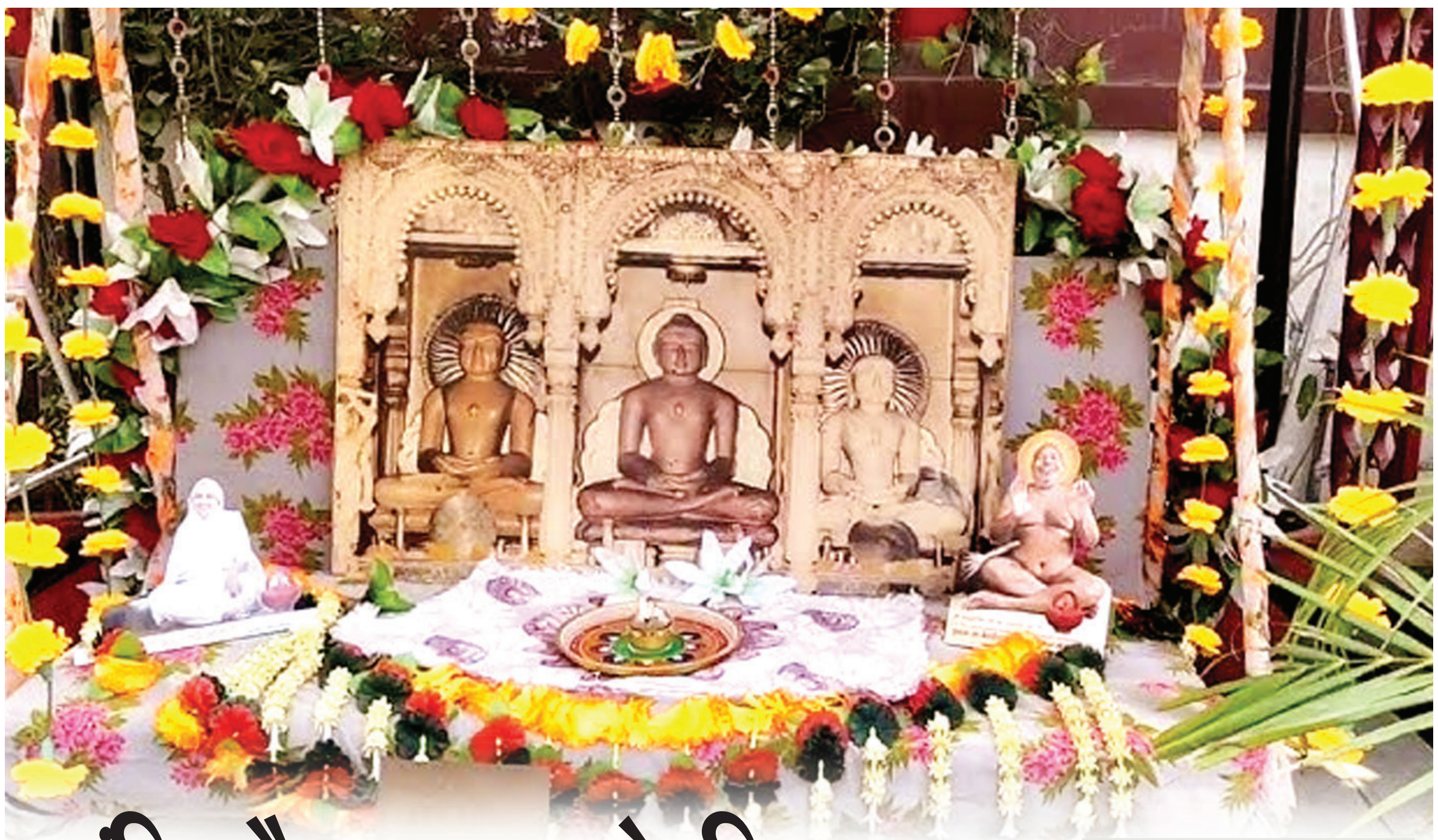

शांति और सद्‌भाव के लिए मनाया जाता है भगवान महावीर का त्यौहार

महावीर जयंती जैन समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और इसे भारत और दुनिया भर में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्यौहार भगवान महावीर के जन्म का जश्न मनाता है । जैन पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं। महावीर जयंती 10 अप्रैल, गुरुवार को मनाई जाएगी ।

महावीर जयंती का संक्षिप्त इतिहास

जैन ग्रंथों और धार्मिक लिपियों के अनुसार, भगवान महावीर का जन्म चैत्र माह (हिंदू कैलेंडर) के शुक्ल पक्ष के 13वें दिन पटना से कुछ किलोमीटर दूर बिहार के कुंडलग्राम (अब कुंडलपुर) में हुआ था। उस समय वैशाली राज्य की राजधानी मानी जाती थी।उनके माता-पिता - राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला ने उनका नाम वर्धमान रखा था। श्वेतांबर समुदाय की मान्यताओं के अनुसार, महावीर की मां ने 14 सपने देखे थे, जिनकी बाद में ज्योतिषियों ने व्याख्या की, जिनमें से सभी ने कहा कि महावीर या तो सम्राट बनेंगे या ऋषि (तीर्थंकर)। जब महावीर 30 वर्ष के हुए, तो उन्होंने सत्य की खोज में अपना सिंहासन और परिवार छोड़ दिया। वह एक तपस्वी के रूप में 12 वर्षों तक निर्वासन में रहे। इस दौरान उन्होंने अहिंसा का प्रचार करते हुए सभी के प्रति श्रद्धा का व्यवहार किया। इंद्रियों को नियंत्रित करने में असाधारण कौशल दिखाने के बाद उन्हें महावीर नाम मिला। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि जब महावीर 72 वर्ष के थे, तब उन्हें ज्ञान (निर्वाण) प्राप्त हुआ।

महावीर जयंती के दौरान सार्वजनिक जीवन

भारत में, महावीर जयंती एक राजपत्रित अवकाश है । राज्य, स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के सरकारी कार्यस्थल बंद रहेंगे। जैन समुदाय के स्वामित्व वाली दुकानें और वाणिज्यिक आउटलेट भी बंद रहेंगे। यदि नहीं, तो हो सकता है कि उन्होंने कामकाज के घंटे कम कर दिये हों।

महावीर जयंती का उत्सव

जैन समुदाय कई उत्सवों में भाग लेता है, जो उन्हें परिवारों और दोस्तों के साथ प्रतिज्ञा करने की अनुमति देता है। इस समुदाय द्वारा भगवान महावीर का सम्मान और पूजा की जाती है। भगवान महावीर की मूर्ति का प्रदर्शन इस त्योहार का सबसे महत्वपूर्ण उत्सव है। महावीर के पुतले को लोगों द्वारा सुगंधित तेल से धोया जाता है और यह भगवान की पवित्रता को दर्शाता है। भारत और दुनिया भर से श्रद्धालु देश में जैन मंदिरों के दर्शन करेंगे। प्राचीन प्राचीन स्थान, जो जैन धर्म के समुदाय से जुड़े हुए हैं, लोगों द्वारा देखे जाते हैं। त्योहार के दौरान घूमने के लिए प्रसिद्ध स्थलों में से एक गोमतेश्वर है। यह देखना काफी दिलचस्प है कि कई जैन मंदिरों को धन या भोजन दान करते हैं। उत्सव तो वैसे ही रहेंगे.

महावीर जयंती कैसे मनाई जाती है?

यह त्यौहार शांति और सद्भाव के लिए मनाया जाता है, और भगवान महावीर की शिक्षाओं का प्रसार भी करता है। एक जुलूस रथयात्रा के रूप में निकाला जाता है, जिसके शीर्ष पर भगवान महावीर की मूर्ति को बड़े करीने से रखा जाता है। जैन मंदिरों को झंडों से सजाया जाता है जबकि जैन जरूरतमंदों को भोजन और कपड़े देते हैं। जैन धर्म पशुवध का कड़ा विरोध करता है और इसलिए पशुहत्या रोकने के लिए दान दिया जाता है। धर्मार्थ कार्यों के अलावा, भगवान महावीर को समर्पित मंदिरों में प्रार्थनाएँ की जाती हैं। कुछ अन्य भक्त अक्सर ध्यान में संलग्न रहते हैं - यह अभ्यास महावीर द्वारा समर्थित है। पुराने और प्रसिद्ध जैन मंदिरों में इस दिन भक्तों की भारी भीड़ देखी जाती है। महावीर और जैन धर्म की शिक्षाओं का पाठ भिक्षुओं और भिक्षुणियों द्वारा किया जाता है। महावीर जयंती मुख्य रूप से एक जैन त्योहार है और इसका वास्तविक सार जानने के लिए, आप किसी भी जैन मंदिर में जा सकते हैं।

महावीर जयंती के दौरान यात्रा करने के लिए 5 आध्यात्मिक स्थल

- **मधुबन** - झारखंड में स्थित मधुबन जैनियों के लिए सबसे दिव्य स्थल है।
- **गिरनारजी** - गिरनारजी भारत के गुजरात राज्य में स्थित एक स्थान है।
- **गोमतेश्वर** - हर साल इस त्योहार के दौरान घूमने के लिए गोमतेश्वर कर्नाटक का सबसे आकर्षक स्थान है।
- **मंगी तुंगी** - मुंगी तुंगी महाराष्ट्र में जैनियों के लिए एक और प्रसिद्ध भारतीय स्थान है।
- **गजपंथा** - यह भी महाराष्ट्र की सबसे अच्छी जगह है। इसमें एक सुंदर मंदिर है. भक्तों को पहुंचने के लिए कम से कम 460 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।

सिद्धार्थ कैसे बने महावीर

भगवान राम से कैसा है नाता

महावीर जयंती पर 24वें जैन तीर्थांकर वर्धमान महावीर का जन्म जन्मोत्सव मनाया जाता है। दरअसल चैत्र शुक्ल त्रयोदशी तिथि के दिन बिहार के वैशाली जिले में कुंडग्राम में हुआ था। इनके जन्मोत्सव को ही महावीर जयंती के नाम से जाना जाता है।

ऐसे बने वर्धमान से महावीर

भगवान महावीर के बचपन का नाम वर्धमान था। इन्होंने ज्ञान की प्राप्ति के लिए कठोर तप किया। 30 वर्ष की आयु में राजसी सुखों का त्याग करके तप का आचरण किया। 12 साल 6 महीने और 5 दिनों के कठोर तप से इन्होंने अपनी इच्छाओं और विकारों पर नियंत्रण पा लिया और कैवल्य की प्राप्ति। इस कठोर तप को करने के कारण वर्धमान महावीर कहलाए।

इसलिए महावीर कहलाते हैं तीर्थांकर

महावीर स्वामी ने कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति के बाद चार तीर्थों की स्थापना की साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। यह सभी तीर्थ लौकिक तीर्थ न होकर एक सिद्धांत हैं। इसमें जैन धर्म के सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपिग्रह, अस्तेय ब्रह्मचर्य का पालन करते हए अपनी आत्मा को ही तीर्थ बानने की बात महावीर स्वामी ने बतायी है। महावीर जयंती पर जैन धर्म के अनुयायी महावीर जैन की श्रद्धा भाव से पूजा और अभिषेक करते हैं। और महावीर के सिद्धांतों को याद करते हुए उन सिद्धांतों पर चलने का प्रण करते हैं।

भगवान महावीर ने दुनिया को बताए पंचशील के सिद्धांत

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी भगवान का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन हुआ था. इस साल 10 अप्रैल, गुरुवार के दिन देशभर में महावीर जयंती का पर्व मनाया जाएगा. आज महावीर भगवान की जन्म दिवस के अवसर पर हम जानेंगे कैसे मनाई जाती है महावीर जयंती और भगवान के पांच सिद्धांतों के बारे में. देशभर में जैन समुदाय के लोग बड़े धूम-धाम के साथ महावीर जयंती का पर्व मनाते हैं. इस दिन भगवान की मूर्ति को रथ में रखकर जूलुस निकाले जाते हैं और जगह- जगह भंडारे किए जाते हैं.

अंहिसा का भाव

महावीर भगवान अहिंसा के पुजारी थे. उनका मानना था कि धरती पर सभी को समान जीने का अधिकार है. एक, दो, तीन, चार और पांच इंद्रिय वाले जीवों की हिंसा नहीं करनी चाहिए. उन् कहीं जाने से नहीं रोकना चाहिए.

सत्य

भगवान महावीर का दूसरा सिद्धांत सत्य का पालन करना है. व्यक्ति को सत्य का मार्ग जरूर अपनाना चाहिए. झूठ का सहारा नहीं लेना चाहिए.

अपरिग्रह

तीसरा सिद्धांत है अपरिग्रह. इस सिद्धांत को लेकर भगवान महावीर का कहना है कि जो व्यक्ति निर्जीव चीजों या फिर जरूरत से ज्यादा संग्रह करता है, ऐसे व्यक्ति को दुखों से छुटकारा कभी हीं मिल सकता. सुख और शांति भरा जीवन जीने के लिए व्यक्ति को जितनी जरूरत है उतना ही संग्रह करना चाहिए.

अस्तेय

अस्तेय का पालन करने वाले लोग हमेशा जीवन में संयम रखते हैं. और सिर्फ वही वस्तु लेते हैं, जो उन्हें दी जाती है. अस्तेय का मतलब है चोरी न करना. चोरी का अर्थ सिर्फ भौतिक चीजों की चोरी ही हीं है, बल्कि नियत खराब भी न करें. अगर आप दूसरी की सफलताओं से विचलित होकर गलत रास्ता अपनाने लगें, तो इसे भी एक प्रकार की चोरी कहा जाता है.

ब्रह्मचर्य

ब्रह्मचर्य संदेश को लेकर भगवान महावीर ने बहुत ही अमूल्य संदेश दिए हैं. ब्रह्मचर्य का अर्थ है अपनी आत्मा में लीन हो जाना या अपने अंदर छिपे ब्रह्म को पहचानना. बाहर के लोग आपको परेशान करते हैं. लेकिन इन सब को छोड़कर अगर आप अपने मन की सुनेंगे और शांति की दिशा में काम करेंगे,तो ये भी एक ब्रह्मचर्य है.

भगवान महावीर को इस तरह प्राप्त हुआ कैवल्य ज्ञान, संसार को दिया ये संदेश

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर व अंतिम, सत्य और अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर के अनुयायी दुनियाभर में हैं। भगवान महावीर का जन्म लगभग 2600 वर्ष पूर्व राजा सिद्धार्थ व महारानी त्रिशला के यहां चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के पावन दिन हुआ था। इसलिए हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महावीर जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 10 अप्रैल को मनाया जाएगा। मान्यता है कि भगवान महावीर बिहार के कुंडलपुर के राजघराने में पैदा हुए थे। इनका जन्म होते ही राजा सिद्धार्थ के राज्य, मान-प्रतिष्ठा, धन-धान्य में वृद्धि होने लगी थी। इसलिए इनका नाम वर्धमान रखा गया। वर्धमान बचपन से ही बड़े साहसी व निर्भीक थे। इनके पराक्रम के कारण आगे चलकर वे महावीर के नाम से प्रसिद्ध हुए।

तीर्थंकर से क्या है तात्पर्य?

जैन धर्म में तीर्थंकर उन 24 दिव्य महापुरुषों को कहा गया है, जिन्होंने अपनी तपस्या से आत्मज्ञान की प्राप्ति की और अपनी इंद्रियों और भावनाओं पर पूरी तरह से विजय प्राप्त कर लिया था। भगवान महावीर ने दिगंबर स्वीकार कर लिया था, इसलिए वह कोई वस्त्र धारण नहीं करते थे। दरअसल, दिगंबर मुनि आकाश को ही अपना वस्त्र मानते हैं।

जियो और जीने दो का संदेश

भगवान महावीर शुरू के 30 वर्षों तक राजसी वैभव और विलास के दलदल में कमल के समान रहे। इसके बाद वह 12 वर्ष घनघोर जंगल में मंगल साधना और आत्म जागृति की आराधना में इतने लीन हो गए कि इस दौरान उनके शरीर के कपड़े भी गिरकर अलग होते गए। 12 वर्ष की मौन तपस्या के बाद भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान प्राप्त हुआ। यह मोक्ष या समाधि की एक अवस्था होती है। इसे मोक्ष कहा जाता है। इसी मोक्ष को जैन धर्म में कैवल्य ज्ञान और बौद्ध धर्म में संबोधी एवं निर्वाण कहा गया है। कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति के बाद महावीर जी ने 30 वर्षों तक जनकल्याण हेतु चार तीर्थों साधु -साध्वी, श्रावक-श्राविका की रचना में लगे रहे। खास बात ये है कि इन सर्वोदय तीर्थों में क्षेत्र, काल, समय या जाति की कोई सीमाएं नहीं थीं। भगवान महावीर का आत्म धर्म पूरे जगत की हर एक आत्मा के लिए समान था। वह कहते थे कि हमें दूसरों के प्रति भी वही व्यवहार व विचार रखना चाहिए जो हमें स्वयं के लिए पसंद हो।
यही भगवान महावीर का जियो और जीने दो का सिद्धांत है। उन्होंने लोगों को न केवल मुक्ति का संदेश दिया, बल्कि मुक्ति की सरल और सही राह भी दिखाई। उन्होंने आत्मिक और शाश्वत सुख की प्राप्ति के लिए सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य जैसे पांच मूलभूत सिद्धांतों के बारे में भी बताया। इन सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारकर महावीर जिन कहलाए। जिन शब्द से ही जैन बना है, जिसका अर्थ है जो काम, तृष्णा, इन्द्रिय व भेद जयी है वह जैन है।

प्रभावित नहीं होगा भारत का आर्थिक विकास: निर्मला

लंदन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 26 फीसदी टैरिफ के असर को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के बाद तेजी से बदल रहे वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बाद भी भारत का आर्थिक विकास प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था का लचीलापन और घरेलू मांग की

मजबूती भारत को विकास का इंजन बनाती रहेगी। लंदन में भारतीय उच्चायोग में 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के भारत के प्रयास के लिए अवसर और चुनौतियां विषय पर बातचीत में निर्मला सीतारमण ने कहा कि अर्थव्यवस्था घरेलू दक्षता और प्रतिस्पर्धा को भुनाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यही चीजें वैश्विक चुनौतियों से निपटती हैं। सीतारमण ने कहा कि दुनिया ने कई वर्षों से निराशाजनक विकास देखा है। पहले यह लंबे समय तक कम दिलचस्प था और अब यह लंबे समय तक कम विकास होने जा रहा है, और यह किसी के लिए भी अच्छी खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले पांच सालों से लगातार सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रखा है और हमें अभी भी लगता है कि यह गति कुछ धीमी पड़ सकती है, लेकिन फिर भी भारत ही इस वृद्धि को बनाए रखेगा। हमारी वृद्धि घरेलू स्तर पर मौजूद खपत के कारण संतुलित होती है। इसे वैश्विक मानक वाले सामानों की मांग का समर्थन प्राप्त है और यही कारण है कि 1990 के दशक से वैश्वीकरण ने भारत को कई अवसर दिए हैं।

वोडा-आइडिया ने अलॉट किए 3690 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने स्पेक्ट्रम नीलामी बकाया को इक्विटी में बदलने के सरकार के हालिया फैसले के बाद निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) को 36,950 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर जारी और आवंटित कर दिए हैं। दीपम विभाग को 3,690 करोड़ शेयर

आवंटित किए जाने के बाद वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की विस्तारित चुकता पूंजी आधार में सरकार की हिस्सेदारी 48.99 प्रतिशत हो गई है।

क्या कहा कंपनी ने

वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल की पूंजी जुटाने वाली समिति ने आठ अप्रैल, 2025 को अपनी बैठक में 10 रुपये अंकित मूल्य के 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर दीपम को जारी और आवंटित किए। इन शेयरों का कुल मूल्य 36,950 करोड़ रुपये है। वोडाफोन आइडिया के मुताबिक उसके प्रवर्तकों के पास कंपनी का परिचालन नियंत्रण बना रहेगा। बता दें कि दूरसंचार कंपनी स्पेक्ट्रम नीलामी की राशि का सरकार को भुगतान नहीं कर पाई थी।

शेयर में बड़ी गिरावट

सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को वोडाफोन आइडिया के शेयर 2.58 प्रतिशत टूटकर 7.18 रुपये पर बंद हुए। ट्रेडिंग के दौरान शेयर ने 7.60 रुपये से 7.14 रुपये के निचले स्तर तक पर कारोबार किया।

अमेरिका और चीन की लड़ाई से तेल में हो गया बड़ा खेल

भारत की आने वाली है मौज!

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में आज भारी गिरावट आई है और यह चार साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देशों अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर गहराने से क्रूड की यह दुर्गति हुई है। इसकी एक वजह यह भी है कि सप्लाई बढ़ने से कीमत गिर रही है। पिछले पांच दिनों से तेल के दाम लगातार गिर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर बहुत ज्यादा टैक्स लगा दिया है। इससे डर है कि दुनिया में ट्रेड कम हो जाएगा और तेल की मांग भी कमी आएगी। अमेरिका चीन का

सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि चीन अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। इससे समझा जा सकता है कि इन दोनों देशों के लिए एकदूसरे की क्या अहमियत है। दोपहर 12 बजे ब्रेंट क्रूड 2.07 यानी 3.30 फीसदी की गिरावट के साथ 60.75 प्रति बैरल रह गया। इसी तरह .स. वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल का दाम 2.17 गिरकर 57.41 हो गया। यह 3.64 प्रतिशत की गिरावट है। ब्रेंट का दाम मार्च 2021 के बाद सबसे कम है और दाम फरवरी 2021 के बाद सबसे कम है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका चीन से आने वाले सामान पर 104 प्रतिशत टैक्स लगाएगा। ट्रंप ने कहा था कि अगर चीन अमेरिकी सामान पर लगाए गए टैक्स को नहीं हटाता है तो वह और ज्यादा टैक्स लगाएंगे।

चीन-अमेरिका की लड़ाई

चीन ने कहा है कि वह अमेरिकी धमकियों के आगे नहीं झुकेगा। ट्रंप ने कहा था कि अगर चीन अमेरिकी सामान पर लगाए गए 34 प्रतिशत टैक्स को नहीं हटाता है तो वह चीन के सामान पर 50 प्रतिशत और टैक्स लगाएंगे। ट्रंप ने हाल में करीब 60 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया था जो पहले लगाए गए 20 फीसदी टैरिफ के अतिरिक्त था। इस तरह चीन पर कुल टैक्स 54 फीसदी हो गया। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 34 फीसदी टैरिफ लगा दिया था। जानकारों का कहना है कि चीन का आक्रामक रुख दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच जल्दी समझौता होने की संभावना को कम करता है, जिससे दुनिया भर में आर्थिक मंदी का डर बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच लड़ाई से दुनिया में आर्थिक मंदी आ सकती है। इससे दुनिया में तेल की खपत कम हो सकती है। तेल के दाम गिरने का एक और कारण है। ओपेक+ देशों ने मई में 411,000 बैरल प्रति दिन उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे तेल की सप्लाई बढ़ जाएगी और दाम गिर जाएंगे।

14 की उम्र में शादी, 34 में तलाक... आज 13 बसों की मालकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। नीता की कहानी एक ऐसी साहसी महिला की है, जिन्होंने भाग्य के आगे हार मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपनी तकदीर खुद लिखने का फैसला किया। 14 साल की उम्र में शादी, 15 साल की उम्र में मां, फिर 34 साल की उम्र में तलाक के बाद नीता आज 13 बसों वाली कंपनी श्री नीता ट्रैवल्स की मालकिन हैं। उन्होंने समाज के तानों और मुश्किलों का सामना करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। आइए, यहां नीता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अक्सर समाज में शादी को महिलाओं का अंतिम लक्ष्य माना जाता है। लेकिन, कई महिलाओं के लिए यह बंधन बन जाता है। वे चुपचाप दुख सहती हैं। हिंसा झेलती हैं।

नीता ने दिखाई हिम्मत

नीता की कहानी ऐसी ही एक महिला की है। वह महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। उनकी शादी सिर्फ 14 साल की उम्र में हो गई थी। 15 साल की उम्र तक वह मां बन गई थीं। उनकी जिंदगी संघर्षों से भरी थी। अपने तीन बच्चों के लिए उन्होंने सालों तक एक हिंसक रिश्ता सहा। हर बार जब उनके पति ताना मारते थे तो नीता के अंदर एक आग जल उठती थी। यह आग उन्हें खुद को साबित करने की प्रेरणा देती थी। इसी प्रेरणा ने उन्हें अपना रास्ता चुनने के लिए प्रोत्साहित किया।

दुबई भारतीय कंपनियों के लिए पसंदीदा निवेश स्थान

मुंबई में बोले दुबई चैंबर्स के अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। टैरिफ युद्ध के बीच भारत और दुबई के बीच कारोबारी और रणनीतिक अवसरों को बढ़ाने के लिए 200 अधिकारियों और निवेशकों ने मुंबई में दुबई चैंबर की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान दुबई-भारत व्यापार मंच ने रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी बढ़ाने, सीमा पार व्यापार बढ़ाने और स्थानीय व वैश्विक स्तर पर निवेश के नए अवसरों का निर्माण करने पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन 18 फरवरी 2022 को यूएई और भारत के बीच कॉम्प्रेहेंसिव इकोनॉमी पार्टनशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करने के तीन साल बाद आयोजित हुआ।

कार्क्रम के दौरान दुबई चैंबर के अध्यक्ष व सीईओ मोहम्मद अली रशीद लुटाह ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि दुबई में अपने प्रतिस्पर्धी लाभों की वजह से दुबई भारतीय कंपनियों के लिए पसंदीदा स्थान है। भारतीय निवेशक दुबई के व्यापार परिदृश्य के महत्वपूर्ण अंग हैं। मार्च 2025 के अंत तक 72,651 सक्रिय कंपनियों ने दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2025 की पहली

तीमाही के दौरान 4,563 नई भारतीय कंपनियां चैंबर में शामिल हुई हैं, जो साल दर साल 16.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियां अब दुबई में विदेशियों की ओर से चलाए जा रहे कारोबार में पहले नंबर हैं। ये दुबई चैंबर में रजिस्टर हैं। उन्होंने टैरिफ पर बोलते हुए कहा कि फिलहाल हम सभी के साथ मिलकर कारोबार कर रहे हैं। भारत और अमेरिका दोनों ही हमारे प्रमुख बाजार हैं। इन चुनौतियों के बीच नए रास्तों की तलाश जारी है।

मोहम्मद अली राशिद लूटाह ने दुबई-भारत बिजनेस फोरम में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दुबई, तेजी से बढ़ते उभरते बाजारों और अफ्रीका में प्रवेश करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है।

दुबई में भारतीय कारोबारियों कौन से लाभ मिल रहे हैं?

दुबई चैंबर के उपाध्यक्ष अहमद बिन बयात ने कहा कि भारत की दुबई में भारतीय कारोबार में 90 प्रतिशत लघु और मध्यम उद्योग हैं, जिसमें फेमली कारोबार अधिक है। कारोबारियों को सुरक्षित कारोबारी माहोल, इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ बेहतरीन लॉजिस्टक सुविधा दुबई में प्रदान की जा रही है। भारतीय कारोबारियों के लिए 30 कारोबारी फ्री जोन है, जहां कारोबार करने के लिए सभी सुविधाएं हैं। दुबई के लिए भारत व्यापारिक भागीदार के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा, हमारे बाजारों के बीच गैर तेल व्यापार मूल्य 2024 के पहले नौ महीनों के दौरान 142 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया, जिसने साल दर साल 19 प्रतिशत वृद्धि हासिल की है। दुबई में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में भी भारत 21.5 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर और दूसरे स्थान पर अमेरिका 13.17 प्रतिशत निवेश के साथ है। उन्होंने कहा कि भारत में दुबई के कारोबारियों की ओर से निवेश किया जा रहा है।

होटल और दुकान में नहीं देनी होगी आधार की फोटो कॉपी, नया ऐप करेगा हेल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) आधार के नए ऐप का परीक्षण कर रहा। इससे चेहरे के जरिए सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आधार संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐप के आने के बाद होटल और दुकान में आधार की फोटो कॉपी नहीं देनी होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आधार संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐप के आने के बाद होटल और दुकान में आधार की फोटो कॉपी नहीं देनी होगी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण आधार के नए ऐप का परीक्षण कर रहा। इससे चेहरे के जरिए सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस ऐप के जरिए आधार सत्यापन की प्रक्रिया को यूपीआई भुगतान की तरह आसान बनाया गया है। सिर्फ क्यूआर कोड के जरिए आधार का

पल भर में डिजिटल सत्यापन कर सकेंगे। आधार कई पहलों का आधार है। ऐसे में नया ऐप काफी कुछ आसान बना देगा।

नया आधार ऐप कैसा होगा– नया आधार ऐप पूरी तरह से सुरक्षित होगा, जो यह सुनिश्चित करता है कि आधार से जुड़ा डाटा कहीं पर लिक नहीं होगा। इस ऐप के जरिए फेस ऑथेंटिकेशन किया जा सकेगा। किसी भी व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी पर पूरा नियंत्रण होगा। आधार से जुड़ी सिर्फ उतनी ही जानकारी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा की जाएगी, जितनी आवश्यक है।

अभी क्या होता है

अभी तक आधार सत्यापन के नाम पर किसी भी व्यक्ति का नाम, पता, मोबाइल नंबर से लेकर अन्य व्यक्तिगत जानकारी भी मांग ली जाती है। जबकि उतनी जानकारी की किसी को आवश्यकता नहीं होती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नीति निर्माता, विशेषज्ञ, टेक्नोक्रेट और पेशेवर समेत करीब 750 लोगों ने हिस्सा लिया। **आधार आर्थिक विकास में सहायक–** मंत्री ने हितधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम विकास को आगे बढ़ाने के लिए एआई को डीपीआई के साथ कैसे एकीकृत कर सकते हैं। इस पर भी गहनता से काम हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने कहा कि आधार समावेशन को गति दे रहा है।

कमजोर बाजार में रॉकेट बने सेंको गोल्ड के शेयर, 2 टुकड़ों में शेयर बांट चुकी है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में गिरावट के बावजूद सेंको गोल्ड के शेयरों में रॉकेट सी तेजी देखने को मिल रही है। जेम्स एंड ज्वैलरी इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर बुधवार को बीएसई में 5 पर्सेंट उछलकर 317.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। मार्च तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2025 के बिजनेस अपडेट के बाद सेंको गोल्ड के शेयरों में यह उछाल आया है। सेंको गोल्ड अपने शेयरों का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने अपने शेयरों को 2 टुकड़ों में बांटा है।

1300 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा रेवेन्यू– ज्वैलरी कंपनी सेंको गोल्ड ने बताया है कि मार्च 2025 तिमाही में मजबूत वेडिंग सीजन डिमांड देखने को मिली है। एक साल पहले की मार्च तिमाही के मुकाबले रिटेल ग्रोथ 23 पर्सेंट और सेम स्टोर सेल्स गोल्ड 18.4 पर्सेंट रही है। सेंको गोल्ड ने अब तक का सबसे ज्यादा चौथी तिमाही का रेवेन्यू हासिल किया है। मार्च 2025 तिमाही में ज्वैलरी कंपनी का रेवेन्यू 1300 करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कंपनी ने बताया है कि तिमाही आधार पर गोल्ड प्राइसेज 11 पर्सेंट और पिछले साल के मुकाबले 33 पर्सेंट बढ़ गए हैं। पिछले छह महीने में गोल्ड प्राइसेज में 19 पर्सेंट का उछाल आया है।

2 महीने में 32 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं सेंको गोल्ड के शेयर– सेंको गोल्ड के शेयर पिछले दो महीने में 32 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। जेम्स एंड ज्वैलरी इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी के शेयर 10 फरवरी 2025 को 472.40 रुपये पर थे। सेंको गोल्ड के शेयर 9 अप्रैल 2025 को 317.90 रुपये पर पहुंच गए हैं।

एक मई से 15 आरआरबी का विलय

हर राज्य में होगा सिर्फ एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक मई, 2025 से एक राज्य-एक आरआरबी का प्रस्ताव लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि हर राज्य में अब सिर्फ एक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) मौजूद होगा। वित्त मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर अमल के लिए उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण से जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है।

आरआरबी के एकीकरण का यह चौथा चरण होगा। इसके पूरा होते ही ऐसे बैंकों की संख्या वर्तमान के 43 से घटकर 28 रह जाएगी। दरअसल, केंद्र ने वित्त वर्ष 2004-05 में आरआरबी के संरचनात्मक एकीकरण की पहल की थी। इसके तहत अब तक तीन चरणों में आरआरबी की संख्या 2020-21 तक 196 से घटकर 43 रह गई थी।

साकार होगा 'एक राज्य एक आरआरबी' का लक्ष्य– वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम-1976 की धारा 23ए(1) के तहत 11 राज्यों उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में मौजूद आरआरबी का एक इकाई में विलय होगा। इस तरह एक राज्य-एक आरआरबी के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा।

राज्यों में ऐसे होगा इन बैंकों का विलय

यूपी में तीन का विलय

बड़ौदा यूपी बैंक, आर्यावर्त बैंक और प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में मिला दिया गया है। इसका मुख्यालय बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रायोजन के तहत लखनऊ में होगा।

पश्चिम बंगाल में बंगीय ग्रामीण विकास, पश्चिम बंग ग्रामीण बैंक और उत्तरबंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक में मिला दिया जाएगा।

चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरि ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक का आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक में विलय होगा। अन्य आठ राज्यों बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में दो-दो आरआरबी को एक में मिलाया जाएगा।

51 फीसदी से कम नहीं होगी हिस्सेदारी

केंद्र के पास आरआरबी में 50 फीसदी हिस्सेदारी है। प्रायोजक सरकारी बैंकों का 35 फीसदी और राज्यों का 15 प्रतिशत हिस्सा है। संशोधित अधिनियम के मुताबिक, हिस्सेदारी कम करने के बाद भी केंद्र व प्रायोजक बैंकों की 51 फीसदी से कम नहीं हो सकती।

बैंकों के पास होगी 2,000 करोड़ की पूंजी अधिसूचना के मुताबिक, सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पास 2,000 करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी होगी। एकीकरण के पहले इन बैंकों में सरकार ने पूंजी भी डाली है।

तीन कंपनियों को हिस्सेदारी बेचते ही हल्दीराम में हो गया बड़ा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। हल्दीराम की नागपुर और दिल्ली शाखाओं को मिलाकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड बनाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। एचएसएफपीएल में दिल्ली इकाई की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है तथा शेष 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है। भारत की सबसे बड़ी पैक्ड स्नैक एवं मिठाई कंपनी और रेस्तरां संचालक ने करीब एक सप्ताह पहले तीन रणनीतिक निवेशकों सिंगापुर मुख्यालय वाली वैश्विक निवेश कंपनी टेमासेक, अल्फा वेव ग्लोबल और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी के साथ साझेदारी की घोषणा की थी। गंगा बिशन अग्रवाल द्वारा 1937 में राजस्थान के बीकानेर में खुदरा मिठाई और नमकीन की दुकान के रूप में स्थापित हल्दीराम के उत्पाद अब 80 से अधिक देशों में बेचे जाते हैं। हल्दीराम के सीईओ कृष्ण कुमार चुटानी ने प्रोफेशनल प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर सोमवार को जानकारी दी और लिखा कि हल्दीराम के सफर का नया अध्याय शुरू और यह एक महत्वपूर्ण अध्याय है।हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड (दिल्ली) और हल्दीराम फूड्स

इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (नागपुर) के एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं) कारोबार एक साथ मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड (एचएसएफपीएल) बन गए हैं। चुटानी ने कहा, यह केवल एक विलय नहीं है। यह एक नई शुरुआत है। विरासत, जुनून और भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण का एक सार्थक मिलन है। जहां स्वाद साहसिक विचारों से मिलते हैं तथा यहां से यात्रा और भी रोमांचक हो जाती है। विलय को पहले ही निष्पक्ष व्यापार नियामक भारतीय उद्योग परिसंघ (सीसीआई) तथा राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) की संबंधित पीठों से 2023 में विनियामक मंजूरी मिल चुकी है। एचएसएफपीएल में दिल्ली इकाई की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है तथा शेष 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है।

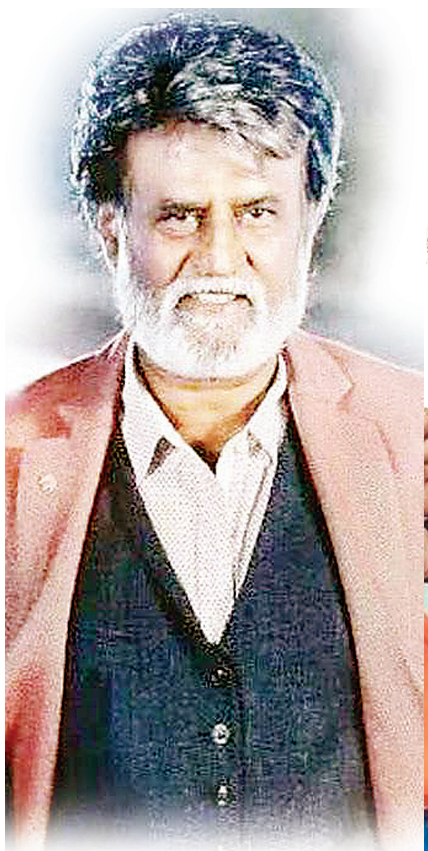

रजनीकांत की कुली को लेकर आया अपडेट, वार 2 के निर्माताओं की बढ़ी चिंताएं

साउथ के सुपर स्टार रजनीकांत की फिल्म कुली को लेकर एक अपडेट सामने आया है। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली की रिलीज की तारीख का एलान कर दिया गया है। फिल्म 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दुनिया भर के सिनेमा घरों में रिलीज होगी।

इस तारीख को रिलीज होगी कुली

ट्वीट में लिखा है कि कुली 14 अगस्त में दुनिया भर में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ निर्माताओं ने एक पोस्टर भी जारी किया है। इसमें रजनीकांत सीटी बजाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कुली का वार 2 से होगा टकराव

कुली की रिलीज के एलान से वार 2 के फिल्म निर्माताओं की चिंता बढ़ गई है। इसी तारीख यानी 14 अगस्त को फिल्म वार 2 दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वार 2 में ऋतिक रोशन और साउथ के सुपर स्टार जूनियर एनटीआर भी हैं। ऐसे में ट्रेड एनालिस्ट अंदाजा लगा रहे हैं कि साउथ में फिल्म वार 2 का कुली के साथ टकराव हो सकता है। ऐसे में साउथ में फिल्म वार 2 का स्कोप खत्म हो गया है। अब देखना ये होगा कि वार 2 के फिल्म निर्माता अपनी फिल्म की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाते हैं या फिर तय तारीख पर रिलीज करते हैं।

कुली के बारे में

रजनीकांत की अदाकारी से सजी फिल्म कुली में बॉलीवुड स्टार आमिर खान, टॉलीवुड स्टार नागार्जुन, उपेंद्र, श्रुति हासन, मलयालम अभिनेता सौबिन शाहिर, रेबा मोनिका जॉन और सत्यराज अदाकारी करेंगे। कुली फिल्म को एक एक्शन थ्रिलर माना जा रहा है। इसे लोकेश कनगराज ने लिखा और निर्देशित किया है।

वार के बारे में

फिल्म वॉर 2 2019 में आई ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर स्टारर वॉर की अगली कड़ी है। इस बार भी फिल्म में ऋतिक रोशन अहम भूमिका में होंगे। उनके साथ जूनियर एनटीआर इस बार दो-दो हाथ करते दिखेंगे। इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन और एडवेंचर देखने को मिल सकता है।

तलाक के बाद अब खतरों से खेलती नजर आएंगी धनश्री वर्मा, खतरों के खिलाड़ी 15 का बनेंगी हिस्सा

धनश्री वर्मा का नाम इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद अब खबरें आ रही हैं कि वह रोहित शेट्टी के रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में हिस्सा ले सकती हैं। आइडब्ल्यूएम बज की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो के मेकर्स ने धनश्री से संपर्क किया है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह इस शो की प्रतियोगी बन सकती हैं।

पहले भी रियलिटी शो में आ चुकी हैं नजर

हालांकि, धनश्री की ओर से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। धनश्री पहले भी रियलिटी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। साल 2023 में उन्होंने झलक दिखला जा 11 में अपने डांस का हुनर दिखाया था। उस दौरान युजवेंद्र चहल भी शो पर पहुंचे थे और उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया था, लेकिन अब दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं।

अलग हो चुकी है धनश्री-चहल की राहें

धनश्री और चहल की शादी 2020 में हुई थी। 18 महीने तक अलग रहने के बाद 20 मार्च 2025 को दोनों का तलाक हो गया। चहल के वकील नितिन कुमार गुप्ता ने एएनआई को जानकारी दी कि कोर्ट ने तलाक की मंजूरी दे दी है। अब वे दोनों पति-पत्नी नहीं रहे। तलाक के बाद एक और खबर सामने आई। बताया जा रहा है कि चहल ने धनश्री को चार करोड़ 75 लाख रुपये का स्थायी गुजारा भत्ता देने की सहमति दी थी। इसमें से दो करोड़ 37 लाख रुपये धनश्री को मिल चुके हैं, लेकिन बाकी रकम का भुगतान न होने की वजह से फैमिली कोर्ट ने इसे नियमों का उल्लंघन माना है।

जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं दोनों

धनश्री की बात करें तो वह तलाक के बाद अपने काम में व्यस्त हैं। जिस दिन उनका तलाक हुआ, उसी दिन उनका नया म्यूजिक वीडियो देखा जी देखा मैंने रिलीज हुआ। यह गाना बेवफाई की कहानी बयान करता है। दूसरी ओर, युजवेंद्र चहल भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते दिख रहे हैं। तलाक के बाद उन्हें अपनी दोस्त आरजे महवाश के साथ क्रिकेट स्टेडियम में देखा गया। दोनों साथ में मैच का लुत्फ उठाते नजर आए।

लव एंड वार में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण, रणबीर संग करेंगी रोमांस

निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर बहूप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल अहम भूमिकाओं में होंगे। अब, कथित तौर पर दीपिका पादुकोण भी इस फिल्म में शामिल हो सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेत्री को संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में एक भूमिका के लिए चुना जा रहा है। फिल्म में दीपिका पादुकोण की रणबीर कपूर के साथ 40 मिनट की भूमिका होगी।

दीपिका रणबीर कर सकते हैं रोमांस

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रणबीर और दीपिका के बीच रोमांटिक सीन भी होंगे। इसलिए फिल्म को सीबीएफसी से ए सर्टिफिकेट मिल सकता है। खबरें ये भी हैं कि फिल्म में भंसाली कैटरीना को भी ले सकते हैं। शायद, एक खास डांस नंबर के लिए!

फिल्म की कहानी के बारे में नहीं है पता

लव एंड वॉर ने रिलीज से पहले ही शानदार चर्चा बटोरी है क्योंकि इसमें कमाल की कास्टिंग है। फिल्म देखने वाले हमेशा संजय लीला भंसाली की फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। हालांकि फिल्म की कहानी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन कहा जा रहा है कि लव एंड वॉर राज कपूर की फिल्म संगम से प्रेरित है जो एक लव ट्राइएंगल थी।

अगले साल मार्च में रिलीज होगी फिल्म

हम सभी जानते हैं कि रणबीर और दीपिका एक दूसरे को डेट कर रहे थे। बाद में, रणबीर कैटरीना कैफ के साथ रिलेशनशिप में थे, जो अब विक्की कौशल से शादी कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले से ही रणबीर की रियल लाइफ पत्नी आलिया भट्ट हैं। लव एंड वार अगले साल मार्च में रिलीज हो सकती है। उम्मीद है फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काई अच्छा कमाल करेगी।

क्या हॉलीवुड जाने की तैयारी में हैं ऋतिक? क्रिस्टोफर नोलन संग काम करने की जताई इच्छा

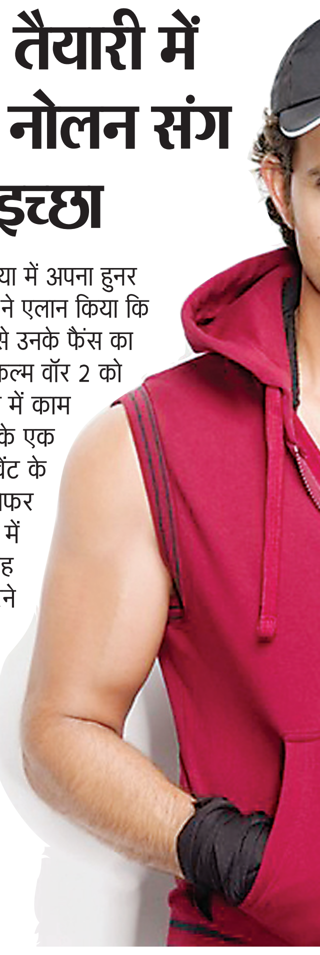

एक्टर ऋतिक रोशन अभिनय के बाद अब निर्देशन की दुनिया में अपना हुनर दिखाएंगे। हाल ही में उनके पिता व निर्देशक राकेश रोशन ने एलान किया कि कृष 4 के निर्देशन की कमान ऋतिक रोशन संभालेंगे। इससे उनके फैंस का उत्साह चरम पर है। दूसरी तरफ, ऋतिक अपनी आगामी फिल्म वॉर 2 को लेकर भी खूब चर्चा बटोर रहे हैं। इस बीच उनके हॉलीवुड में काम करने की चर्चा शुरू हो गई है। इसकी शुरुआत एक्टर के एक बयान के बाद शुरू हुई है। दरअसल, हाल ही में एक इवेंट के दौरान ऋतिक रोशन ने ब्रिटिश अमेरिकी निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की है। ऐसे में ऋतिक के फैंस भी चाहते हैं कि पसंदीदा अभिनेता की यह मुराद जल्द पूरी हो। भारतीय इंडस्ट्री में 25 वर्ष पूरे करने पर अटलांटा में अपने यूएसए टूर के दौरान, ऋतिक रोशन ने ब्रिटिश-अमेरिकी निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन के साथ काम करने जताई है। अकादमी पुरस्कार विजेता निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की तारीफ करते हुए ऋतिक ने कहा कि वे उनके फेवरेट निर्देशक हैं। बता दें कि क्रिस्टोफर नोलन मोमेंटो (2000), द डार्क नाइट ट्रिलॉजी (2005-2012), इनसेप्शन (2010), इंटरस्टेलर (2014) जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। उनकी पिछली चर्चित फिल्म ओपेनहाइमर (2023) है, जिसके लिए उन्हें अकादमी पुरस्कार मिला।

छावा के बाद अक्षय खन्ना के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबका हैरान कर देने के बाद अब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। अक्षय ने प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली साइन की है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी कड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं।

महाकाली में दिखेंगे अक्षय खन्ना

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना महाकाली में एक अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। हनु-मान की शानदार सफलता के बाद अब महाकाली इस यूनिवर्स की अगली सुपरहीरो फिल्म होगी। यह एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है जो देशभर के दर्शकों तक पहुंचेगा।

बंगाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर होगी फिल्म

महाकाली खास इसलिए है, क्योंकि यह भारत की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म होगी। फिल्म की कहानी बंगाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। लीड रोल में एक सांवली अभिनेत्री नजर आएगी। यह फिल्म सामाजिक संदेश के साथ भारतीय सिनेमा में सौंदर्य मानकों को फिर से परिभाषित करने की कोशिश करेगी।

2024 में हुआ था एलान

फिल्म का बैकग्राउंड बंगाल का है, जहां मां काली की पूजा गहरी आस्था के साथ होती है। 2024 में इसकी घोषणा हुई थी। महाकाली में बंगाल की परंपराओं और वहां की मिट्टी की खुशबू दिखेगी। फिल्म के निर्माता शानदार विजुअल्स और भावनात्मक कहानी के जरिए लोगों का दिल जीतने की कोशिश में हैं।

मैं अपनी शादी को असफल नहीं मानता, बरखा बिष्ट से तलाक पर इंद्रनील ने बात की

इंद्रनील सेनगुप्ता और बरखा बिष्ट अब शादीशुदा जिंदगी में नहीं हैं। साल 2022 में दोनों ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को खत्म कर तलाक ले लिया। बीते दिनों बरखा ने एक इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई बातें शेयर कीं। इस दौरान उन्होंने इंद्रनील के साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी का भी जिक्र किया। उन्होंने इंद्रनील पर चीटिंग करने का आरोप लगाया। वहीं, इंद्रनील का मानते हैं कि बरखा के साथ उनकी शादी असफल नहीं रही।

तलाक ने सकारात्मक रूप से बदला

बरखा बिष्ट के चीटिंग के आरोपों के बीच हाल ही में इंद्रनील सेनगुप्ता ने बरखा के साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी पर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि अलगाव के बावजूद वे अपनी शादीशुदा जिंदगी को असफल क्यों नहीं मानते हैं? एक पॉडकास्ट में इंद्रनील ने अपनी शादी को लेकर बात की और कहा कि तलाक ने उन्हें सकारात्मक तरीके से बदला है।

शादी में कई खूबसूरत पल आए

इंद्रनील सेनगुप्ता ने संघमित्रा हितैषी के पॉडकास्ट पर बताया कि बरखा बिष्ट से तलाक का उनके जीवन पर क्या पॉजिटिव प्रभाव पड़ा? उन्होंने अपने अलगाव के बाद अपनी पर्सनल ग्रोथ पर बात की। इंद्रनील ने कहा कि कुछ लोग बरखा के साथ उनकी शादी को असफलता मान सकते हैं। हालांकि, उनका मानना है कि यह शादी 13 वर्षों तक सफल रही। उन्होंने इस बारे में कहा कि दोनों की शादीशुदा जिंदगी में कई अच्छे पल आए, कुछ बहुत अच्छे पल आए और कुछ चुनौतीपूर्ण पल भी रहे।

2008 में हुई कपल की शादी

इंद्रनील ने आगे कहा कि वे अपनी शादी को असफल नहीं कहना चाहेंगे। उन्होंने बताया कि उनकी और बरखा की यात्रा किस तरह व्यक्तिगत रही। और किस तरह बदलाव आए। उन्होंने कहा, कभी-कभी व्यक्तित्व बदल जाते हैं। हम पहले दिन से ही अलग लोग थे। जैसे-जैसे साल बीतते गए, हम खुद से ज्यादा अलग होते गए। मैं असफलता शब्द से सहमत नहीं हूं। कोई भी चीज असफल नहीं होती। बता दें कि बरखा और इंद्रनील की शादी साल 2008 में हुई। 2011 में कपल ने बेटी का स्वागत किया। तलाक के बाद बेटी बरखा के साथ रहती है।

इस खास दिन पर रिलीज होगी चिरंजीवी की विश्वंभरा!

विश्वंभरा चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित फिल्म है, जिसकी रिलीज डेट के एलान का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। इस फिल्म के जरिए चिरंजीवी और निर्देशक वशिष्ठ मल्लिदी पहली बार साथ काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विश्वंभरा 24 जुलाई, 2025 को रिलीज हो सकती है यह तारीख मेगा प्रशंसकों के लिए विशेष महत्व रखती है, जिसके पीछे की वजह चिरंजीवी ही है। दरअसल, यह चिरंजीवी की हिट फिल्म इंद्र (2002) की रिलीज की सालगिरह है। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट पर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है। फिल्म में तृषा, आशिका रंगनाथ, कुणाल कपूर, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला और आश्रिता वेमुगंती नंदूरी भी हैं।

तलाक के बाद इन क्रिकेटर्स को फिर हुआ प्यार!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में क्रिकेट बहुत लोकप्रिय खेल हैं। यही कारण है कि खिलाड़ियों की निजी जिंदगी भी चर्चा में रहती हैं। पिछले कुछ समय में कई क्रिकेटर्स की शादी टूटी है। वहीं कई जिंदगी में मूव ऑन कर चुके हैं। इस समय कई क्रिकेटर्स अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड्स को लेकर चर्चा में हैं।

शिखर धवन

भारत के पूर्व बल्लेबाज शिखर धवन का 2022 में आयशा मुर्खजी से तलाक हो गया। इन दोनों का एक बेटा है जिसका नाम जोरावर है। शिखर धवन का नाम इन दिनों सोफी शाइन से जोड़ा जाता है। दोनों के अफेयर की अफवाहें काफी समय से चल रही हैं। सोफी कई मौकों पर शिखर के साथ नजर आई हैं। साथ ही शिखर ने भी यह माना है कि वह इन दिनों किसी को डेट कर रहे हैं। सोफी आयरलैंड की रहने वाली हैं। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी-2025 में धवन के साथ देखा गया था और तभी से वह चर्चा में हैं। वह पेशे से एक बड़ी फर्म में प्रोडक्ट कंसलटंट हैं।

हार्दिक पंड्या

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पत्नी नताशा से अलग हो चुके हैं। उनकी डेटिंग लाइफ भी इन दिनों चर्चा में हैं। अफवाह है कि वह जैस्मिन वालिया को डेट कर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के भारत-पाकिस्तान मैच में जैस्मीन भारतीय टीम को सपोर्ट करती दिखी। वह आईपीएल में भी मुंबई इंडियंस को चीयर करती नजर आती है और उसी बस से ट्रैवल करती हैं जिससे टीम के खिलाड़ियों का परिवार ट्रैवल करता है।

जैस्मीन वालिया ब्रिटिश सिंगर, एक्ट्रेस और टीवी पर्सनालिटी हैं। जैस्मीन को ब्रिटिश रियलिटी शो से काफी लोकप्रियता मिली। उनके सॉन्ग को कार्तिक आर्यन की फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी में भी शामिल किया गया था।

युजवेंद्र चहल

भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल भी धनश्री वर्मा से अलग हो चुके हैं। दोनों ने साल 2020 में शादी की और महज 5 साल में ही उनका रिश्ता खत्म हो गया। कानूनी तौर पर अलग होने से पहले ही चहल का नाम आरजे महवश के साथ जोड़ा जाने लगा। इसके बाद महवश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी डालकर इन बातों को अफवाह बताया। हालांकि तब से वह हर इवेंट में चहल के साथ नजर आती हैं। वह चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के दौरान भी स्टैंड्स में चहल के साथ ही दिखाई दी थीं।

शूटिंग वर्ल्ड कप

18 साल की महिला निशानेबाज सुरुची ने जीता स्वर्ण पदक, चीन के प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। भारत की 18 साल की प्रतिभाशाली सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 244.6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चीन की किवान वेई (241.9) और दोहरा ओलंपिक पदक विजेता जियांग रैनजिन (221.0) को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया।

मनु फाइनल में नहीं बना पाई थीं जगह

इससे पहले सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। सुरुचि ने नई दिल्ली में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के यूथ, जूनियर और सीनियर वर्ग में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए थे। ट्रायल्स में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई थी।

आईपीएल 2025

बल्ले और गेंद से नहीं कर पाए कमाल अब बीसीसीआई ने दी सजा, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को हुआ बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स को मात देकर सीजन में तीसरी जीत दर्ज की। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में यह टीम अब तक केवल एक ही मैच हारी है। टीम भले ही मैच जीती लेकिन ग्लेन मैक्सवेल ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। वह केवल एक ही रन बना पाए और एक ही विकेट लिया। इस मैच के बाद ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को बीसीसीआई की ओर से सजा मिली है।मैक्सवेल को यह सजा उनके प्रदर्शन के लिए नहीं बल्कि नियम तोड़ने के लिए मिली है। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, ग्लेन मैक्सवेल ने आर्टिकल 2.2 (मैच के दौरान फिक्सचर और फिटिंग का दुरुपयोग) के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार किया। आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

मैक्सवेल को इसके लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत हिस्सा जुर्माने के तौर पर देना होगा। वहीं उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी शामिल हो गया है। खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बीसीसीआई की आचार संहिता का अनुच्छेद 2.2 मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्सचर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है।

प्रियांश आर्य ने ठोका आईपीएल 2025 का सबसे तेज शतक, 82 रन तो बाउंड्री से ही बना डाले

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में प्रियांश आर्य ने शतक ठोक डाला है. उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए मात्र 39 गेंद में सेंचुरी पूरी की. वो इसी के साथ आईपीएल इतिहास में पंजाब के लिए दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. 24 वर्षीय प्रियांश ने अपनी शतकीय पारी में 7 चौके और 9 छक्के लगाए. मजे की बात यह है कि शतक पूरा करते हुए प्रियांश ने 82 रन तो चौके-छक्कों से ही बना डाले.

प्रियांश आर्य इतिहास में दूसरा सबसे तेज आईपीएल शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं. अभी तक सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज युसुफ पठान हैं, जिन्होंने साल 2010 में 37 गेंदों में सेंचुरी पूरी की थी, वहीं प्रियांश ने 39 गेंदों में शतक पूरा किया है. वो साथ-साथ पंजाब किंग्स के लिए भी दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं. पंजाब के लिए सबसे तेज सेंचुरी 2013 में डेविड मिलर ने लगाई थी. उन्होंने आईपीएल के खिलाफ मैच में 38 गेंदों में शतक पूरा किया था. प्रियांश आर्य ने सीएसके के गेंदबाजों का जमकर भूत बनाया. रवींद्र जडेजा को छोड़ चेन्नई के सारे गेंदबाजों ने 10 से ज्यादा के इकॉनमी रेट से रन लुटाए. प्रियांश इसके अलावा इंडियन प्रीमियर लीग में 40 से कम गेंदों में शतक पूरा करने वाले केवल दूसरे और दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बने हैं.

प्रियांश आर्य का जन्म जनवरी 2001 में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में हुआ था. वो भारतीय डोमेस्टिक क्रिकेट में दिल्ली टीम के लिए खेलते हैं. उन्हें सबसे पहली पहचान तब मिली जब डोमेस्टिक क्रिकेट में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते हुए उन्होंने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ एक ओवर में 6 छक्के जड़ दिए थे. उस मैच में उन्होंने मात्र 40 गेंद में शतक पूरा कर लिया था. सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2023-24 में दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. आपको याद दिला दें कि प्रियांश ने आईपीएल 2024 ऑक्शन में भी अपना नाम रजिस्टर करवाया था, लेकिन वो उस समय अनसोल्ड रहे थे.

एशियन चैम्पियनशिप

कपिला-क्रास्टो की जोड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची, मलेशियाई जोड़ी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और निकोल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। भारत की मिश्रित जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मलयेशिया के हू पेंग रोन और सू यिन चेंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने 51 मिनट चले मुकाबले में 15-21, 21-12, 21-11 से जीत दर्ज की। ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और निकोल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियथ को तीसरी वरीयता की मलयेशियाई जोड़ी सून हुआत गोह और शेवन जेमी लेई ने हराया। असीथ सूर्या और अमरुथा भी मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी से 9-21, 11-21 हार गए। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-18, 17-21, 17-21 से मिली हार के पहले कड़ी टक्कर दी।

आईपीएल 2025: क्या धोनी पर ही है सीएसके की सारी जिम्मेदारी? केवल 2 गेंदबाज चल रहे, बल्लेबाजों ने भी लुटिया डुबोई

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स ने इस सीजन में अपने पिछले 4 मैच लगातार हारे हैं. 23 मार्च को जब चेन्नई ने मुंबई को अपनी होम वेन्यू पर हराया तो लगा कि इस बार कुछ अलग ही तरह से खेलेगी. लेकिन उसके बाद तो चेन्नई की टीम पर ऐसा ब्रेक लगा है कि उसने चार मैच गंवा दिए. पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 अप्रैल को हुए मुकाबले में भी चेन्नई की टीम को 18 रनों से हार मिली. इस हार के बाद अब यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इस टीम को अचानक ऐसा क्या हो गया है कि वह ठीक-ठाक शुरुआत के बाद भी चूक जा रही है. 28 मार्च को (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के खिलाफ मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी नंबर 9 पर खेलने आए तो फैन्स ने उनको ट्रोल करना शुरू कर दिया. उसके बाद हुए मुकाबलों में धोनी ऊपरी क्रम पर भी खेलने आए. इसी बीच स्टीफन फ्लेमिंग का भी बयान आया जहां कहा गया कि धोनी के घुटनों की स्थिति पहले जैसी नहीं रही है, इस वजह से वह लास्ट ओवर्स में खुद चयन करते हैं.

लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या 43 साल के धोनी पर ही चेन्नई सुपर किंग्स पूरी तरह से निर्भर है. क्योंकि शुरुआती 5 मैचों के जब हमने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाडियों के आंकड़े देखे तो कई चीजें चौंकाने वाली नजर आई. पंजाब के खिलाफ धोनी ने 12 गेंदों पर 27 रन बनाए.

विकेट टेकर गेंदबाज नहीं चल रहे

चेन्नई सुपर किंग्स की गेंदबाजी यूनिट की बात की जाए तो केवल नूर अहमद और खलील अहमद शानदार रहे हैं. नूर अहमद ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं, इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 8.33 और एवरेज 13.63 रहा है. वहीं खलील अहमद ने 4 मैचों में 10 विकेट लिए हैं. वहीं बेबी मिलिंगा के नाम से फेमस मथीशा पथिराना 4 मैचों में महज 5 विकेट झटक पाए हैं. वहीं अश्विन भी 5 मैचों में महज 5 विकेट ले सके हैं. जडेजा ने 5 मुकाबलों में केवल 2 विकेट लिए हैं. यानी एक बात साफ है कि पथिराना, अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाज उस लेवल पर विकेट नहीं ले पाए हैं,.

आईपीएल के पांच मैचों के बाद सीएसकेके बल्लेबाजी भी चिंताजनक है. खास बात यह है कि अब तक हुए (8 अप्रैल तक) आईपीएल 2025 के कुल 22 मैचों के बाद चेन्नई का कोई भी बल्लेबाज रन बनाने के मामले में टॉप 10 में नहीं हैं.

आईपीएल में रिटायर्ड आउट, 2021 तक एक भी बल्लेबाज ने ऐसा नहीं किया, इसके बाद पांच

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में रिटायर्ड आउट दुर्लभ कदम है, जिसे टीमों ने खेल को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए समय समय पर अपनाया है। लेकिन हैरानी की बात है कि 2008 से शुरू हुए आईपीएल में 2021 सीजन तक एक भी बल्लेबाज ऐसा नहीं था जिसने खुद का रिटायर्ड आऊट करवाया है। 2022 से लेकर अब तक पांच बल्लेबाज ऐसे हैं जोकि रन बनाने में सक्षम न होने के कारण खुद ही मैदान छोड़कर चले गए। पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स मुकाबले में कुछ ऐसी ही उदाहरण देखने को मिली। आईपीएल इतिहास मे अब तक पांच ही बल्लेबाज ने खुद ही मैदान छोड़ा है।

आर अश्विन बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, वानखेड़े, 2022

भारतीय स्पिनर आर अश्विन आईपीएल इतिहास में पहले बल्लेबाज बने, जिन्हें रिटायर्ड आउट किया गया। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए, अश्विन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 23 गेंदों पर 28 रन बनाए। पारी के अंतिम ओवरों में तेजी लाने के लिए, उन्होंने रियान पराग को मौका देने के लिए खुद को रिटायर्ड आउट कर लिया। इस रणनीति ने राजस्थान को तीन रनों से रोमांचक जीत दिलाई।

अथर्व ताइडे बनाम दिल्ली कैपिटल्स, धर्मशाला, 2023

पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 42 गेंदों पर 55 रन बनाए। लेकिन तेजी से रन बनाने की जरूरत को देखते हुए, पंजाब ने उन्हें रिटायर्ड आउट कर जितेश शर्मा को मैदान पर भेजा। हालांकि, यह रणनीति काम नहीं आई और टीम 15 रनों से हार गई।

साई सुदर्शन बनाम मुंबई इंडियंस, अहमदाबाद, 2023

गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालिफायर 2 में 31 गेंदों पर 43 रन बनाए। शुभमन गिल के 129 रनों की शानदार पारी के बाद, पारी को और तेज करने के लिए सुदर्शन को 19वें ओवर में रिटायर्ड आउट किया गया। उनकी जगह आए राशिद खान ने आते ही चौका जड़ा, जिससे गुजरात 233/3 तक पहुंचा और फाइनल में जगह बनाई।

तिलक वर्मा बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, लखनऊ, 2025

मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 23 गेंदों पर 25 रन बनाए। आखिरी ओवरों में तेजी लाने के लिए उन्हें रिटायर्ड आउट कर मिचेल सैंटनर को भेजा गया, लेकिन मुंबई 12 रनों से हार गई। यह कदम चर्चा का विषय बना।

डेवोन कॉनवे बनाम पंजाब किंग्स, मुल्लांपुर, 2025

चेन्नई सुपर किंग्स स्टार डेवोन कॉनवे पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए मैच में रिटायर्ड आउट होने वाले नवीनतम बल्लेबाज रहे। पंजाब ने पहले खेलते हुए प्रियांश आर्य के 103 रन की बदौलत 219 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई की टीम 201 रन ही बना पाई। कॉनवे 18वें ओवर में रिटायर्ड आऊट हुए जब टीम को 49 रन जीत के लिए चाहिए थे। लेकिन चेन्नई 201 रन ही बना पाई और 18 रन से मुकाबला गंवा दिया।

संक्षिप्त समाचार

यीडा ने गौतमबुद्ध नगर समेत 6 जिलों में अधिग्रहित जमीन की एनओसी पर लगाई रोक

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने गौतमबुद्ध नगर सहित छह जिलों में अधिग्रहित जमीन को लेकर किसी भी तरह की एनओसी जारी किए जाने पर रोक लगा दी है। वहीं, पूर्व में जारी एनओसी के प्रकरणों का संबंधित जिलों में ही निस्तारण किया जाएगा। इस संबंध में यीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी छह जिलों को पत्र भेजा है। अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र में यीडा अधिग्रहित जमीन पर कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आने हैं। यहां लॉजिस्टिक पार्क व अन्य प्रोजेक्ट बनेंगे। इसको लेकर यीडा द्वारा कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। अलीगढ़ के अलावा गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, हाथरस, मथुरा, अलीगढ़, आगरा में भी यीडा द्वारा प्रोजेक्ट लाए जाने हैं। इन जिलों में यीडा द्वारा अधिग्रहित जमीन का लैंडयूज स्थानीय स्तर पर परिवर्तन करने के मामले सामने आए। इसको लेकर अब यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कपिल सिंह की ओर से निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार यीडा अधिसूचित क्षेत्रान्तर्गत औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम 1978 के अंतर्गत हुआ है। शासन द्वारा विभिन्न अधिसूचनाओं के माध्यम से जनपद गौतमबुद्धनगर बुलंदशहर, हाथरस, अलीगढ़, मथुरा व आगरा के ग्रामों को यमुना एक्सप्रेसवे औकि प्राधिकरण में अधिसूचित किया गया है। प्राधिकरण का मूल उद्देश्य अपने अधिसूचित क्षेत्र में सुनियोजित विकास कराया जाना है। इसके लिए प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित क्षेत्र में भूमि का विभिन्न तरीको से अधिग्रहण और क्रय कर, अधिसूचित क्षेत्र की महायोजना तैयार कर विभिन्न भू-उपयोगों एवं क्रियाओं के लिए भूखण्डों का आवेदन किया जाता है साथ ही प्राधिकरण क्षेत्र में आवंटित भूखण्डों पर शासन द्वारा अधिसूचित भवन विनियमावली के अनुसार निर्माण के लिए अनुमति प्रदान करने की कार्यवाही प्राधिकरण द्वारा की जाती है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कपिल सिंह के अनुसार प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आवंटित भूमि महायोजना और भवन विनियमावली के प्रावधानों की अनदेखी कर विभिन्न निर्माणों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किए जाने की बात सामने आई है। भूमि को अकृषक घोषित करने से संबंधी पत्र प्राधिकरण में एसडीएम के स्तर से प्राप्त होते हैं और ये जारी कर दिए गए। जबकि ऐसा केवल उस भूमि के लिए हो सकता है जो भूमि किसी महायोजना में प्रस्तावित न हो।

अपनी दुकान हटाओ, यहां नहीं बेच सकते मांस-मछली

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के चित्तरंजन पार्क मार्केट के आसपास मछली बेचने वालों और दुकानदारों को कथित तौर पर अज्ञात लोगों के एक समूह ने अपनी दुकानें हटाने की धमकी दी है। मंदिर के पास मांस और मछली बेचने की वजह से उन्हें धमकी दी गई है। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो पुराना है और वे इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि घटना घटी। वीडियो में भगवा कुर्ता पहने लोग कथित तौर पर मछली बेचने वालों को धमकाते हुए दिख रहे हैं। वहीं मामले पर आप का कहना है कि भाजपा केवल गरीब लोगों को अपनी ताकत दिखाती है। ग्रुप ने इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो पोस्ट किया है। सोशल मीडिया पर ग्रुप के 30,000 फॉलोअर्स हैं। उन्होंने दिल्ली में अकबर रोड के साइन बोर्ड को खराब करने वाले अपने सदस्यों के वीडियो भी पोस्ट किए हैं। वीडियो में, एक सदस्य दुकानदार से कहता है, क्या आपको मंदिर के पास मीट बेचने में कोई आपत्ति नहीं है? हम सनातनी हैं...भक्तों पर इसका असर पड़ेगा। आपको शायद अपनी दुकानें दूर ले जानी चाहिए...आप यहां मांस-मछली नहीं बेच सकते।

एमएस पार्क इलाके में युवक की जान लेने वाले चार गिरफ्तार

नईदिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली के शाहदरा इलाके में एमएस पार्क के पास एक युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के जुर्म में फरार 4 आरोपियों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शाहदरा पुलिस ने लोकेशन के हिसाब से चारों को उत्तराखंड के हरिद्वार से गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए यह काम स्पेशल टीम को सौंपा गया था। सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों के आने-जाने के रास्ते को ट्रैक किया। आरोपी बार-बार लोकेशन भी बदल रहे थे, जिसके बाद आखिरकार उन्हें हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि घटना लूटपाट से संबंधित है,उसी दौरान पीड़ित की आरोपियों ने बेरहमी से पिटाई की जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

शाहदरा जिले के डिप्टी कमिश्नर आईपीएस प्रशांत गौतम ने पूरी घटना और आरोपियों की गिरफ्तारी पर भी बात की। प्रशांत गौतम ने बताया कि 7 मार्च को पीएस एम.एस.पार्क में डीडी नंबर 17ए के माध्यम से एक पीसीआर कॉल आई। इसमें बताया गया कि

मंडोली रोड,शाहदरा में मकान नंबर ए-8 के सामने, कुछ लड़के एक आदमी को मार रहे थे जो बेहोश हो गया और कोई जवाब नहीं दे रहा था। पीड़ित को तुरंत पीसीआर वैन से जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस स्टेशन एम.एस. पार्क में एफआईआर नंबर 183/25 के तहत मामला दर्ज किया गया,जिसमें बीएनएस, 2023 की धारा 103(1) लगाई गई। आरोपी व्यक्तियों से पूछताछ के बाद पता चला कि यह घटना रात में हुई थी। मृतक पीली कोठी खारी बावली पहुंचा,तो उनके साथ दो व्यक्तियों नितिन और उसके चचेरे भाई शांतनु ने उन्हें लूटने की कोशिश की। इसके बाद नितिन,शांतनु व्यक्ति को हरदेव पुरी,शाहदरा में एक पानी सप्लायर की दुकान पर ले गए, जहां अर्जुन और सोनू काम करते हैं। वहां आरोपी व्यक्तियों ने पीड़ित के साथ मारपीट की। शुरुआती मारपीट के बाद,वे उसे घसीटकर बाहर ले गए और जैन साड़ी शॉप के सामने सार्वजनिक रूप से उसे पीटना जारी रखा। जब पीड़ित ने भागने की कोशिश की और पीएस एम.एस.पार्क के इलाके में मंडोली रोड पर दौड़ा,तो हमलावरों ने उसका पीछा किया और फिर से हमला किया। इस बर्बर हमले के दौरान,पीड़ित बेहोश हो गया।

स्थिति की गंभीरता को समझते हुए और यह देखकर कि पीड़ित कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। एक आरोपी ऑटो-रिक्शा पर मौके से भाग गया,जबकि बाकी आरोपी शांतनु,अर्जुन और सोनू एक मोटरसाइकिल पर भाग निकले। ऑटो-रिक्शा पार्क करने के बाद,नितिन बाद में उनसे जुड़ गया। फिर चारों आरोपी गंग नहर रोड के रास्ते मेरठ के अलग-अलग स्थानों पर गए। वहां से वे बागपत के बरवाला गांव चले गए। बरवाला पहुंचने पर उन्होंने शांतनु के घर पर मोटरसाइकिल छिपा दी। इसके बाद,उन्होंने बावली स्टेशन से सहारनपुर के लिए ट्रेन पकड़ी और वहां से उन्होंने हरिद्वार निकल गए। कुछ ही देर बाद,उन्हें पता चला कि जिस पीड़ित पर उन्होंने हमला किया था, उसकी मौत हो गई है।

दहेज हत्या के लिए उकसाने का स्थान कोई भी हो सकता है... हाईकोर्ट से दहेज हत्या के आरोपी पति को झटका

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट अपने एक फैसले में कहा है कि मायके में आत्महत्या करने का यह मतलब कतई नहीं है कि यह दहेज हत्या नहीं है। बेंच ने कहा कि दहेज हत्या के लिए स्थान मायने नहीं रखता। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार करते हुए की।

आरोपी का कहना था कि उसकी पत्नी ने अपने मायके में आत्महत्या की थी, इसलिए उसके खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा नहीं बनता। जस्टिस गिरीश कथपालिया की बेंच ने कहा कि दहेज हत्या के लिए उकसाने का स्थान कोई भी हो सकता है। वह ससुराल भी हो सकता है और मायका भी हो सकता है। दहेज हत्या में सीधे तौर पर शारीरिक प्रहार शामिल नहीं है। कानूनी प्रावधान के तहत घटना के पीछे के उद्देश्यपूर्ण को ध्यान में रखना अनिवार्य होता है।

बेंच ने कहा कि इस तरह के मामलों में परिस्थितियां मायने रखती हैं। यह भी हो सकता है कि आत्महत्या से पहले महिला अपने मायके आ गई हो और उसे इतना मजबूर किया गया कि उसने मायके में ही आत्महत्या कर ली। बेंच ने कहा कि दहेज हत्या के लिए स्थान मायने नहीं रखता। हालांकि, बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अंतिम निर्णय ही मुख्य होगा।

दरअसल अपनी पत्नी की आत्महत्या के बाद अपने ससुराल वालों की शिकायत पर दहेज हत्या के मामले में अभियोजन का सामना कर रहे व्यक्ति ने दावा किया कि उसके खिलाफ दहेज हत्या का अपराध नहीं बनता क्योंकि उसकी पत्नी की मौत उसके मायके में हुई है न कि उसके ससुराल में। लेकिन बेंच ने आरोपी के इस तर्क से सहमति से इनकार कर दिया। ये मामला जाफरपुर कलां थाने में दर्ज हुआ था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मृतका और आरोपी की शादी 22 फरवरी 2023 को हुई थी। उसके बाद से ही आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों ने दहेज को लेकर महिला को परेशान करना शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक, शादी के कुछ दिनों बाद महिला अपने मायके लौट आई और फोन कॉल के जरिये अलग हुए पति के संपर्क में रही। दोनों के बीच आखिरी कॉल 23 अप्रैल 2023 को हुई थी।

दिल्ली के मंत्रियों और आतिशी को मिल गए बंगले, 'शीशमहल' ठुकरा चुकीं सीएम का पता फाइनल नहीं

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार के मंत्रियों के लिए बंगलों की तलाश पूरी हो गई है। नेता विपक्ष आतिशी मार्लेना का पता भी बदलने जा रहा है। उन्हें भी नया बंगला मिलने जा रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता किस बंगले में रहेंगी यह अभी फाइनल नहीं हुआ है। दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद और स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह मालचा रोड चाणक्यपुरी में रहेंगे। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा विंडसर रोड वाले मौजूदा बंगले में रहेंगे। उन्हें बतौर सांसद यह बंगला मिला था। 2024 में वह लोकसभा का चुनाव नहीं लड़े थे, लेकिन नियमों के मुताबिक किराया चुकाकर वह अभी भी उसी बंगले में रह रहे थे। एक बार फिर यह बंगला उनके नाम आवंटित हो गया है। कानून मंत्री कपिल मिश्रा और सामाजिक कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्रराज सिविल लाइंस में बंगला आवंटित किया गया है। मोहन सिंह बिष्ट को आप सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय वाला बंगला दिया गया है। यह सिविल लाइंस में राजनिवास मार्ग पर है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी का पद की तरह अब पता भी बदल गया है। अब उन्हें 115 अंसारी रोड दरियागंज का सरकारी आवास मिला है। नेता विपक्ष के तौर पर उन्हें यह बंगला आवंटित किया गया है। मंत्री के तौर पर उन्हें मथुरा रोड पर बंगला दिया गया था। बाद में उन्हें वह बंगला भी आवंटित किया गया, जहां अरविंद केजरीवाल रहते थे। हालांकि, वह वहां शिफ्ट नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहां रहेंगी, यह सवाल अभी तक कायम है।

दिल्ली में बसों की कमी होगी दूर, इस हफ्ते सड़क पर दौड़ेंगी 670 मोहल्ला बस; सरकार ने दी मंजूरी

नईदिल्ली , एजेंसी।
राजधानी की सड़कों पर इस सप्ताह 670 नई बसें उतारने की तैयारी शुरू हो गई है। स्वदेशी अनुपालन प्रमाण पत्र पेश करने की शर्त से फौरी राहत देते हुए सरकार ने डिपो में खड़ी इन बसों को सड़कों पर उतारने की मंजूरी दे दी है। सरकार के इस फैसले के बाद दिल्ली में पहली बार नौ मीटर वाली मिनी बसें (मोहल्ला बस) सड़क पर उतरेगी। यह बसें बीते आठ महीने से भी अधिक समय से डिपो में खड़ी है। सरकार के इस फैसले से मार्च तक सड़कों से हटी 790 डीटीसी बसों की कमी भी पूरी होगी।

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने मिनी बसों को सड़कों पर उतारने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि 390 इलेक्ट्रिक बस सामान्य बस होगी। जबकि 280 मिनी बसें होगी। उन्होंने कहा कि कंपनियों के शर्त के अनुसार स्वदेशी अनुपालन प्रमाण पत्र लाना था। मगर उसे नहीं दे पाने के कारण इनका परिचालन रूका हुआ था। अब कुछ बसों का प्रमाण पत्र आ गया है बाकी के लिए कंपनियों ने शपथ पत्र देकर एक निश्चित समय में लाने का वादा किया है। उन्हें छह महीने का समय दिया गया है। बताते चलें कि परिवहन विभाग ने दिल्ली में बसों की संख्या बढ़ाने के लिए

राष्ट्रीय ई-बस योजना के तहत 12 मीटर वाली 1900 बसों का निविदा जारी की थी। उसके अलावा लास्ट माइल कनेक्टविटी के लिए नौ मीटर वाली 1040 बसों की निविदा जारी की थी। बड़ी बसों का अधिकांश बेड़ा सड़कों पर आ चुका है। उसकी करीब चार सौ बसें बची हुई थी, जिसमें 390 अब सड़कों पर उतारी जाएगी, जबकि नौ मीटर वाली 1040 बसों में से महज 280 बसें पिछले साल से आई है लेकिन स्वदेशी अनुपालन प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण सड़कों पर नहीं उतरी है।

बीते जनवरी से मार्च के बीच ही 790 बसें सड़कों से उम्र पूरी होने के कारण हटाई जा चुकी है। अप्रैल मई में भी 476 बसें सड़कों से हट जाएगी। डीटीसी में बसों की संख्या घटकर 3200 के करीब तक पहुंच जाएगी, जिसके चलते सरकार ने सड़कों पर बसों की संख्या बढ़ाने के लिए अब स्वदेशी अनुपालन प्रमाण पत्र लाने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। इस दौरान बसों को सड़कों पर उतारने का फैसला किया है। यानि अप्रैल में ही दिल्ली की सड़कों पर 670 बसें बढ़ जाएगी।

दरअसल बसों की खरीद के समय जारी निविदा में स्वदेशीकरण की शर्त रखी गई थी। उसके मुताबिक बस निर्माता कंपनी को बस निर्माण के दौरान यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्होंने उसमें स्वदेशी भागीदारी (मेक इन इंजिया) सामानों का प्रयोग किया हो। एआरएआई, आईसीएटी जैसी नोडल एजेंसी सीएमवीआर के नियम 12 के तहत वाहन (बस) स्तर पर 50 फीसदी से अधिक घरेलू मूल्य संवर्धन सुनिश्चित करने के मानदंडों के साथ-साथ स्वदेशीकरण के अनुपालन को प्रमाणित करने वाला प्रमाणपत्र देना था। मगर कंपनियां यह प्रमाण पत्र नहीं ला पा रही थी जिसके चलते बसें आने के बाद भी आठ महीने से अधिक समय से डिपो में खड़ी थी।

अमेरिका ने चीन को बताया पनामा नहर के लिए खतरा

न्यूयार्क, एजेंसी।
अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को कहा कि पनामा नहर को चीन से खतरा है, लेकिन अमेरिका और पनामा मिलकर नहर को सुरक्षित रखेंगे। चीन सरकार ने हेगसेथ के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, नहर के लिए वास्तविक खतरा कौन है? लोग खुद यह तय कर सकते हैं। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो से मुलाकात के बाद बेलबोआ नौसैन्य अड्डे पर आयोजित एक कार्यक्रम में हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका चीन या किसी अन्य देश को नहर के संचालन को खतरे में नहीं डालने देगा। हफ्तों में अपने रक्षा व सुरक्षा सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में काफी ज्यादा काम किया है। उन्होंने कहा, चीनी कंपनियां नहर क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर अपना नियंत्रण बनाए हुए हैं। इसकी वजह से चीन को पनामा में निगरानी गतिविधियां करने का अवसर मिला है। इस कारण

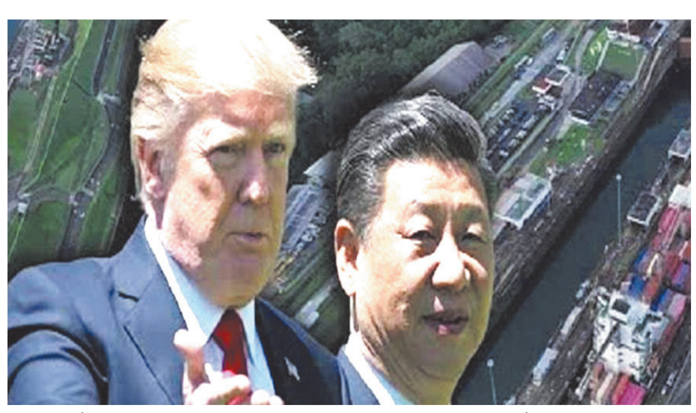

पनामा और अमेरिका की सुरक्षा खतरे में पड़ने की आशंका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस ओर ध्यान दिलाया है। यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। हेगसेथ और मुलिनो की मुलाकात के बाद पनामा में स्थित चीनी दूतावास ने अमेरिकी सरकार पर निशाना साधते हुए 'एक्स पर एक बयान में कहा कि अमेरिका ने अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए ब्लैकमेलिंग का इस्तेमाल किया है। दूतावास ने कहा, पनामा किसके साथ व्यापार करता है, यह पनामा का संप्रभु निर्णय है ... और इसमें हस्तक्षेप करने का अमेरिका को अधिकार नहीं है। दूतावास ने कहा, अमेरिका ने चीनी-पनामा सहयोग को नुकसान पहुंचाने के प्रयास के तहत सैद्धांतिक चीनी खतरे के बारे में सनसनीखेज अभियान चलाया है।

यमन में अमेरिकी हवाई हमलों में 6 लोगों की मौत, 15 घायल

सना , एजेंसी।
हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को यमन में कई अमेरिकी हवाई हमले हुए, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदाह में छह लोगों की मौत हुई है और 13 घायल हुए हैं। हमला, अमीन मुकबिल इलाके के एक रिहायशी इलाके पर हुआ। वहीं, धमार प्रांत में दो अन्य लोग घायल हुए, जहां एक खेत पर हमला हुआ था। हूती टेलीविजन और स्थानीय निवासियों के अनुसार, पश्चिमी-मध्य प्रांत अमरान और मध्य प्रांत इब्ब के दूरसंचार बुनियादी ढांचे पर जबरदस्त बमबारी हुई।

हूती टेलीविजन ने कहा कि नागरिक सुरक्षा दल लक्षित सुविधाओं में आग बुझाने के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिका ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के ठिकानों के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया। उन्होंने कुल 50 हवाई

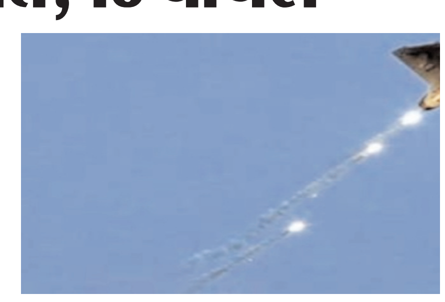

हमले किए। इन हमलों को लेकर अमेरिकी सेना ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसने पहले बयानों में कहा था कि वह तब तक प्रतिदिन हवाई हमले करना जारी रखेगा, जब तक कि हूती लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी युद्धपोतों पर हमला करना बंद नहीं कर देता।

अमेरिका के लगातार हवाई हमलों का असर हूती समूह पर पड़ता नहीं दिख रहा है, जो इस क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायल की शिप्स पर हमले जारी रखे हुए है।

कोयला उद्योग को लेकर ट्रंप के आपातकालीन आदेश जारी

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्षरत कोयला उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को कई शासकीय आदेशों पर हस्ताक्षर किए। कोयले को विश्वसनीय लेकिन प्रदूषण फैलाने वाला ऊर्जा स्रोत माना जाता है। ट्रंप ने इन आदेशों के तहत अपने आपातकालीन अधिकार का उपयोग करके, बंद होने की कगार पर पहुंच गए कुछ पुराने कोयला बिजली संयंत्रों को अमेरिका में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बिजली उत्पादन जारी रखने की अनुमति दी है। रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप ने काफी पहले वादा किया था कि वह बिजली संयंत्रों और अन्य उपयोगों के लिए कोयले को बढ़ावा देंगे। हालांकि बीते कुछ दशकों से इस उद्योग का पतन हो रहा है। आदेश में संघीय एजेंसियों को संघीय भूमि पर कोयला संसाधनों की पहचान करने, कोयला खनन में होने वाली बाधाएं दूर करने और अमेरिका में कोयला पट्टे को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित एक समारोह में कहा, मैं इसे सुंदर, स्वच्छ कोयला कहता हूं। मैंने अपने लोगों से कहा है कि कोयला शब्द का प्रयोग तब तक न करें जब तक कि आप इसके पहले सुंदर स्वच्छ न लगा लें। ट्रंप ने कहा, कोयला ऊर्जा का सबसे विश्वसनीय, टिकाऊ, सुरक्षित व शक्तिशाली स्रोत है। यह सस्ता है, अविश्वसनीय रूप से उपयोगी है।

कनाडा के चुनावी मैदान में पहली बार उतरे गुजराती

पहले राजनीति में पंजाबियों का था बोलबाला

टोरंटो, एजेंसी।
कनाडा में इस महीने होने वाले 45वें संघीय चुनाव में भारतीय मूल के चार गुजराती उम्मीदवार पहली बार चुनावी मैदान में हैं। इससे पहले तक कनाडाई राजनीति में पंजाबी समुदाय का ही बोलबाला था, लेकिन अब गुजराती भी राजनीति में अपनी पहचान बना रहे हैं। गुजराती समुदाय से जयेश ब्रह्मभट्ट, सुंजीव रावल, अशोक पटेल और मिनेश पटेल इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से दो उम्मीदवार पार्टी टिकट पर और दो निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरे हैं।

कनाडा में भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में है, जिसमें पंजाबी और गुजराती सबसे ज्यादा हैं। जहां पंजाबी समुदाय लंबे समय से राजनीति में सक्रिय है, वहीं गुजराती अब अपने सामाजिक योगदान और व्यापारिक समाज के दम पर राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गुजराती आमतौर पर व्यापार से जुड़े होते हैं और कनाडा में अच्छी आर्थिक स्थिति बनाने के बाद अब समाजसेवा और राजनीति में उतर रहे हैं। वहीं पंजाबी समुदाय की बात करें तो वे पहले से ही संसद, मंत्री पद और बड़े राजनीतिक पदों पर काबिज रहे हैं।

जयेश ब्रह्मभट्ट (ब्रैम्पटन चिंगुएकौसी पार्क) - जयेश साल 2001 में भारत से कनाडा आए थे। पेशे से सिविल इंजीनियर हैं और अब एक सफल रियल एस्टेट कारोबारी हैं। अब पीपल्स पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका कहना है, हम स्वतंत्रता, जिम्मेदारी, और सभी के लिए सम्मान की बात करते हैं। मुझे लोगों से अच्छा समर्थन मिल रहा है। बदलाव की उम्मीद है।

सुंजीव रावल (कैलगरी मिदनापुर) - सुंजीव रावल पिछले 20 साल से कनाडा में हैं और खुद का बिजनेस चलाते हैं। वह कई भारतीय संगठनों से जुड़े हुए हैं और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनका कहना है, हम मध्यम वर्ग के मुद्दों - जैसे महंगाई, मकान, और रोजगार - पर लड़ रहे हैं। इमिग्रेशन को भी संतुलित करने की जरूरत है।

अशोक पटेल कारोबारी हैं और पहली बार राजनीति में आए हैं। उनका उद्देश्य है कि वे लोगों की सेवा संसद में जाकर करें। मिनेश पटेल (कैलगरी स्काईव्यू) - स्वतंत्र उम्मीदवार - मिनेश भी व्यापारी हैं और अपने इलाके के लोगों की समस्याओं को लेकर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मानना है कि जमीनी स्तर पर बदलाव जरूरी है।

कनाडा की कंजरवेटिव पार्टी ने एक और गुजराती उम्मीदवार डॉन पटेल को टिकट देने पर विचार किया था। डॉन पटेल मूल रूप से गुजरात के आणंद जिले से हैं और कनाडा में रियल एस्टेट में सफल कारोबारी हैं। लेकिन आखिर में उन्हें पार्टी का टिकट नहीं मिला।

गुजरातियों की भागीदारी में बड़ा बदलाव: हेमंत शाह, जो ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ इंडिया कनाडा (ओएफआईसी) में इंटरनेशनल ट्रेड डायरेक्टर हैं, उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं है। उन्होंने कहा, कनाडा में एक लाख से ज़्यादा गुजराती रहते हैं। खासतौर पर टोरंटो, ओटावा, मॉन्ट्रियल, वैंकूवर और कैलगरी में। ये चुनाव ऐतिहासिक है क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में पहली बार गुजराती उम्मीदवार उतर रहे हैं।

डुमरी विधायक ने बोकारो विधायक के खिलाफ किया मुकदमा

गाड़ी पर हमला और नम्बर प्लेट उखाड़कर फेंकने का लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। डुमरी के विधायक जयराम महतो ने बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह उनके समर्थक मनीष कुमार सिंह और राजीव कुमार गुप्ता के ऊपर बीएस सिटी थाना में मामला दर्ज कराया है।

जयराम महतो के द्वारा दी गई लिखित शिकायत में बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य गेट के सामने आंदोलन के दौरान पहुंचने पर विधायक और उनके समर्थकों ने उनकी गाड़ी और उन पर हमला किया। इस दौरान गाड़ी का नंबर प्लेट और बोर्ड उखाड़ कर फेंक दिया गया।

विगत 3 अप्रैल को विस्थापित अप्रेंटिस संघ के द्वारा किए जा रहे आंदोलन में हुए बवाल के बाद एक विस्थापित की मौत हो गई थी। इसके बाद बोकारो विधायक प्लांट के मुख्य गेट के समक्ष धरने पर बैठ गई थी। इसी दौरान जब जयराम महतो पहुंचे तो उन पर और उनकी गाड़ी पर हमला किया गया।

मामला दर्ज करने के बाद बोकारो पहुंचे विधायक जयराम महतो ने कहा कि जो घटना घटी है वह किसी से छुपा हुआ नहीं है, सभी प्लेटफार्म पर वीडियो मौजूद है। जब बोकारो की विधायक पर आता है तो वह विधानसभा में खड़ी होकर अवमानना की बात कहती है। और जब कोई विधायक आंदोलन में समर्थन देने आता है तो उनके साथ इस तरह की हरकत की जाती है। जयराम महतो कहा कि बोकारो विधायक और उनके समर्थकों ने जिस प्रकार से हमला किया गाड़ी का नंबर प्लेट और बोर्ड को तोड़ कर जमीन पर फेंका यह पूरी डुमरी की जनता का अपमान है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ साजिश रचित जा रही है। वही मामला दर्ज होने पर बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि मीडिया के माध्यम से मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जिस प्रकार की हरकत वे कर रहे हैं उनके जीवन को खतरा है यही कारण है कि वह जेड प्लस सुरक्षा मांग रहे हैं।

सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने मामला दर्ज होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि डुमरी विधायक के द्वारा बोकारो विधायक और उनके दो समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

तालाब से युवती का शव बरामद

बोकारो। पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बंधगोड़ा साइड के चार कोनिया तालाब से 19 वर्षीय खुशी कुमारी युवती का शव मिला है। जानकारी के मुताबिक खुशी कुमारी रात को घर से निकल गई थी, जिसकी सुबह में तालाब में तैरता हुआ शव मिला।

जानकारी के मुताबिक रात को परिवार के सभी सदस्य हर रोज की तरह खाना पीना खाकर सो गए थे। सुबह जब खुशी कुमारी के पिता ने देखा कि बेटी घर में नहीं है तो वह खोजबीन करने लगे। घर के पीछे एक तालाब में काफी भीड़ देख जब वहां गए तो पाया की खुशी कुमारी का शव पानी में तैर रहा है।

ग्रामीणों ने उसके शव को बाहर निकाला पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लिया खुशी कुमारी को यह कदम आखिर क्यों उठाना पड़ा इसकी अभी तक कोई जानकारी निकल कर नहीं आई है। पुलिस ने बताया कि मुंह से झाग निकल रहा था। पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा कि मृत्यु का कारण क्या है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर हुई गोद भराई एवं अन्नप्राशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बच्चे, युवा एवं महिलाओं का स्वास्थ्य अच्छा होना अति आवश्यक है ताकि भविष्य में वही बच्चे, युवा बेहतर मानव संसाधन के रूप में परिणत हो सके और देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी योग्यतानुसार सेवा दे सकें। इसी क्रम में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं को गोद भराई एवं छोटे छोटे बच्चों को अन्नपाषण किया गया तथा पोषण प्रदर्शनी के साथ पोषण शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं एवं लाभार्थियों को पोषण के बारे में विस्तार से बताया गया एवं विभिन्न केंद्रों पर प्रदर्शनी भी किया गया।

ज्ञातव्य हो कि पोषण पखवाड़ा के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियां विभिन्न विभागों के सहयोग से संचालित किये जाएंगे। इसमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, सूचना जनसंपर्क विभाग, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जेएसएलपीएस शामिल हैं, सभी समन्वय के साथ गतिविधि/कार्यक्रम आयोजित करेंगें।

पोषण पखवाड़ा के तहत जिला स्तर से लेकर प्रखंड, पंचायत एवं गांव स्तर पर विभिन्न गतिविधि/कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा का मुख्य थीम जीवन के पहले हजार दिवस का महत्व, लाभार्थी माड्यूल को लोकप्रिय बनाना, सामुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन राज्य भर में राल आउट एवं बच्चों में मोटापे को नियंत्रण करने हेतु स्वास्थ्य जीवन शैली अपनाना है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश को दी गयी भावभीनी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो के अपर एवं सत्र न्यायधीश प्रथम पवन कुमार को उनके स्थानांतरण के अवसर पर एक भावपूर्ण बिदाई बिदाई दिया गया। इस अवसर पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने श्री कुमार को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी । श्री गिरि ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि पवन कुमार के मार्गदर्शन और कर्तव्य निष्ठा ने बोकारो की न्यायिक व्यवस्था को सशक्त किया है, और डाल्टेनगंज में भी वे इसी तरह का उत्कृष्ट कार्य करेंगे। ज्ञात हो कि उनका स्थानांतरण बोकारो से डाल्टेनगंज में हुआ है, जहां वे अपनी नई जिम्मेदारियों को संभालेंगे। वहां उपस्थित समारोह में अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश तृतीय देवेश कुमार त्रिपाठी ने पवन कुमार के बोकारो में उनके योगदान और निष्पक्ष न्याय के लिए उनकी प्रशंसा की। बिदाई समारोह में अधिवक्ता विजय कुमार, मिथलेश कुमार, ओम प्रकाश लाल, दीपिका सिंह समेत दर्जनों अधिवक्ता शामिल थे।

सीएमईजीपी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

बोकारो। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना (सीएमईजीपी) के तहत जिन पात्रताधारी अभ्यर्थियों ने अपना आवेदन समर्पित नहीं किया है, वो 15 से 17 अप्रैल तक उपायुक्त कार्यालय, बोकारो के जिला कल्याण शाखा में अपना आवेदन समर्पित करेंगे। साथ ही, वैसे अभ्यर्थी, जो मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत लाभान्वित होने के लिए अपना आवेदन पूर्व में किये हैं, परन्तु आवेदन में त्रुटि रहने के कारण उनके आवेदन अस्वीकृत हो गये हैं, वैसे अभ्यर्थियों का भी त्रुटि निराकरण 15 से 17 अप्रैल तक उपायुक्त कार्यालय, बोकारो के जिला कल्याण शाखा, बोकारो में किया जाएगा। इस बाबत उपायुक्त विजया जाधव ने संबंधित पदाधिकारियों को आदेश जारी कर दिया है। सीएमईजीपी आवेदनों की स्वीकृति अपर समाहर्ता, बोकारो-सह-वरीय पदाधिकारी, जिला कल्याणा शाखा, बोकारो द्वारा समाहरणालय, बोकारो के प्रथम तल्ला पर अवस्थित उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में की जायेगी।

पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

सही पोषण से देश को रोशन करने की दिलाई गई शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने बुधवार को समाहरणालय से पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान पोषण रथ जिले के सुदूरवर्ती इलाकों का भ्रमण करेगा और बच्चों के जीवन के प्रथम सुनहरे 1000 दिवस पर विशेष ध्यान देने, पोषण ट्रैक्टर में लाभार्थी मॉड्यूल का प्रचार प्रसार करने, समुदाय स्तर पर कुपोषण प्रबंधन, बच्चों में मोटापे के समाधान के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने सहित ग्रामीणों को खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, फल, अंडा व अन्य पौष्टिक चीज शामिल करने के लिए जागरूक करेगा।

उन्होंने बताया कि यह पखवाड़ा 22 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से कई कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

इसके बाद उपायुक्त ने विभिन्न प्रखंड की आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, पर्यवेक्षिका द्वारा लगाए गए पोषण स्टॉल का निरीक्षण किया। तत्पश्चात उन्होंने सभी को भारत के बच्चों, किशोरों और महिलाओं को कुपोषण मुक्त स्वास्थ्य प्रदान करने, राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हर घर पर सही पोषण का संदेश पहुंचाने, इस अभियान को देशव्यापी जन आंदोलन बनाने तथा सही पोषण से देश रोशन करने की शपथ दिलाई। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद के अलावा सभी प्रखंड की सीडीपीओ सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, पर्यवेक्षिका मौजूद थे।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कैंप का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना अन्तर्गत नाई ट्रेड में आवेदनों की संख्या बढ़ाने हेतु विशेष अभियान के तहत आज बोकारो जिला उद्योग केंद्र द्वारा खैराचातर पंचायत भवन में कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान 87 नाई कारीगरों का आवेदन प्राप्त हुआ है जिसे ऑनलाइन के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना में नामांकन कराया जाएगा।

इस दौरान पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने बताया कि ग्रामीण कारीगरों को पीएम विश्वकर्मा योजना से आच्छादित करने से शिल्पकारों को काफी फायदा होगा।

सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड झारखंड सरकार द्वारा नाई ट्रेड के शिल्पकारों को योजनाबद्ध तरीके से पीएम विश्वकर्मा योजना से लिंकेज कराने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड बोकारो के डीईसी किशोर रजक ने बताया कि योजना के इस योजना से लाभुकों को स्किल अपग्रेडेशन हेतु 5 से 7 दिन की बेसिक ट्रेनिंग के साथ 500 रु. प्रति दिन का ट्रेनिंग स्टाइपेंड दिया जाएगा। साथ ही टूलकिट इंसेंटिव के तहत 15,000 रु. औद्योगिक उपकरण खरीदने के लिए, योग्य आवेदकों को कोलैटर नन-फ्री लोन, उत्पादों और सेवाओं का ऑनलाइन मार्केटिंग एवं ट्रेड फेयर में भाग लेने का अवसर मिल पाएगा। इस दौरान जिला उद्योग केंद्र के प्रखंड समन्वयक नरेंद्र शेखर, सहयोगिनी की प्रतिमा सिंह, रवि कुमार राय, विवेक जायसवाल, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

जैन मिलन में हुआ णमोकार महामंत्र का सामूहिक अनुष्ठान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। जैन धर्मावलंबियों ने विश्व शांति और सद्भावना के विकास हेतु नमस्कार महामंत्र का सामूहिक अनुष्ठान जैन मिलन सेक्टर 2 स्थित तेरापंथ भवन में किया। इस विश्वव्यापी अनुष्ठान का आयोजन भारत सहित दुनिया के लगभग 108 देश में एक साथ किया गया।

जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि इस मंत्र के उच्चारण से व्यक्ति अपनी अंतर्चेतना को जागृत कर सकता है। संजय बैद ने कहा कि इस अनुष्ठान के माध्यम से विश्व शांति, सहयोग, सद्भावना, एकता एवं परस्पर बंधुत्व का संदेश मुखर होगा। नवकार महामंत्र जैन धर्म का प्राण तत्व है। महामंत्र की वैज्ञानिकता इसकी शब्द संरचना में और प्रभाव शीलता इसके जप से स्वस्थ होने वाले शारीरिक और मानसिक बीमारियों में इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। जैन मिलन के पूर्व सचिव श्याम जैन ने कहा कि आवश्यकता है नवकार महामंत्र की आराधना में जप, भक्ति और ज्ञान का सामंजस्य हो।

जैन मिलन के सचिव आलोक जैन ने बताया कि पंथ संप्रदाय से ऊपर उठकर जैन श्रद्धालुओं ने इस अनुष्ठान में उपस्थित होकर अपनी आत्म शक्ति को जागृत किया। आलोक जैन ने बताया की हर जैन धर्मावलंबी नवकार महामंत्र में गहरी आस्था रखता है। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि नवकार महामंत्र पूर्णत शुद्ध एवं सात्विक मंत्र है। चोपड़ा ने कहा की आध्यात्मिक दृष्टि से मंत्र की साधना करने का अर्थ है चेतना का विकास। प्रातः नवकार महामंत्र का अनुष्ठान चला ।इस अवसर पर डॉ महेंद्र जैन, सुभाष जैन,सुशील बैद, चंदन बांठिया,अंकित जैन, विमल जैन विपुल मेहता, सतीश जैन, कमल जैन, विमल सेठ, काकू भाई, दीपक जैन, जयचंद बांठिया, राजेश कोठारी, अजय लूंकड, निर्मल रामपुरिया, शांतिलाल लोढ़ा, कमलकांत जैन, विकास जैन, अनिमेष जैन, प्रदीप बैसाखियां, केतन मेहता, तेजस ध्रुव, मानिक छल्लानी, सुरेंद्र जैन सहित जैन समाज के गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

समय से शस्त्र अनुज्ञप्ति सत्यापन कराने का निर्देश

बोकारो। सरकार के संयुक्त सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बोकारो जिलान्तर्गत शस्त्र अनुज्ञप्ति नाडल एलिस पोर्टल पर ऑन लाइन दर्ज नहीं होने से संबंधित सूची उपलब्ध कराया गया है। वर्णित सूची में धारित शस्त्र अनुज्ञप्ति कुल 71 हैं, जो बोकारो जिले से निर्गत शामिल है। पत्र के आलोक में शस्त्र नियमावली, 2016 के नियम-15 के अन्तर्गत वर्णित सभी शस्त्र अनुज्ञप्ति को नाडल एलिस पोर्टल पर ऑन लाइन दर्ज कराना आवश्यक है।

उपायुक्त सह जिला शस्त्र दंडाधिकारी विजया जाधव ने कहा कि सूची अनुसार बोकारो जिलान्तर्गत 71 शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी द्वारा नियमित अपने शस्त्र अनुज्ञप्ति का निरीक्षण/नवीकरण नहीं कराया जा रहा है, जो शस्त्र नियमावली, 2016 का उल्लंघन है।

ऐसे सभी 71 शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को निदेश दिया जाता है कि आप अपने धारित शस्त्र अनुज्ञप्ति का निरीक्षण/नवीकरण 12 अप्रैल तक निश्चित रूप से कराना सुनिश्चित करेंगें अन्यथा आर्म्स रूल्स के तहत शस्त्र अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

सीटीसी म्युचुअल स्थानांतरण में हो रही मनमानी : बीएकेएस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने अधिशासी निदेशक एच आर को पत्र लिखकर, अनुकंपा अधारित म्युचुअल स्थानांतरण (सीटीसी) आवेदन पर विभिन्न विभागो के विभागाध्यक्ष तथा ओडी के अधिकारियों की मनमानी के विरुद्ध कारवाई करने की मांग की है । खबर है कि 11 अप्रैल को सीटीसी मीटिंग आयोजित होने की सूचना एचआरएमएस पोर्टल पर दी जा रही है। परंतु बोकारो इस्पात संयंत्र से दूसरे इकाई में परास्परिक (म्युचुअल) स्थानांतरण को कई कार्मिको के आवेदन को अभी तक प्रबंधकीय सहमति के लिए अग्रसारित नही किया गया है। साथ ही कई विभाग ऐसे हैं जहां की सीटीसी नियमों के अस्पष्टता के कारण संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा सीमित संख्या से अधिक लोगों के आवेदन को अग्रसारित नही करने का मौखिक आदेश भी एक बड़ा रोड़ा बना हुआ है। जिसके कारण इच्छुक कार्मिकों के आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। साथ ही जिनका विभाग से अग्रसारित हो चुका है उनके लिए मानव संसाधन विभाग के ओडी सेक्शन द्वारा प्रबंधकीय सहमति के लिए कार्रवाई को लंबित रखे जाने या विलंब से प्रारंभ किए जाने की के कारण भी बोकारो के कर्मियों का स्थानांतरण नहीं हों पाने की संभावना है । मानव संसाधन विभाग के इस सेक्शन के संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई लापरवाही के कारण कई कर्मियों के आवेदन पर मंजूरी नही मिल पाई है। जिसके ओडी सेक्शन का कार्यप्रणाली प्रश्नों के घेरे में है। जिससे कि संबंधित कर्मचारियों तथा दूसरे यूनिट के म्युचूअल सहयोगियों का स्थानांतरण की प्रक्रिया भी नही हो पायेगा।

एक तरफ सीटीसी मीटिंग समय पर आयोजित नहीं होती,ऊपर से अब जब आयोजित हो रही है तो मानव संसाधन विभाग द्वारा जान बुझ कर विलंब करना अनुचित है जो कि एक तरह से सीटीसी नियमों का उल्लंघन है ।

उसी के आलोक में यूनियन ने मांग की है कि सभी आवेदित कार्मिको के आवेदन की मंजुरी दे कर सीटीसी मीटिंग आयोजित किया जाए । यह जानकारी बीएकेएस के अध्यक्ष हरिओम ने दी है।

प्रथम कला प्रदर्शनी 12 अप्रैल से

धनबाद। कोयलांचल के कला प्रेमियों के लिए एक सुखद समाचार है। शिल्पराज एकेडमी ऑफ फाईन आर्ट्स द्वारा आयोजित प्रथम एकल कला प्रदर्शनी कोयलांकन का आगाज आगामी 12 अप्रैल को कला भवन, लुबी सर्कुलर रोड में होगा। इस अवसर पर बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगें। प्रदर्शनी में शिल्प राज अकादमी के संस्थापक राजीव अग्रवाल के द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों प्रदर्शित की जाएगी। जिनमें कोयला क्षेत्र और स्थानीय जनजीवन की झलक देखने को मिलेगी। यह प्रदर्शनी 12 एवं 13 अप्रैल को आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

शतरंज प्रतियोगिता में यशराज अव्वल, पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में जे.सी.आई.जज्बा बोकारो के तत्वाधान में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा सप्तम के यशराज ने प्रथम एवं अष्टम के प्रिंस राज द्वितीय रहे। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने बताया कि पिछले 4 दिनों से कक्षा षष्ठ से द्वादश तक से चयनित कुल 38 भैया - बहनों के बीच यह प्रतियोगिता चली। जिससे चयनित आठ प्रतिभागियों के बीच प्रमुख प्रतियोगिता हुई जिसमें फाइनल राउंड में यशराज और प्रिंस कुमार के बीच में मुकाबला हुआ। प्राचार्य महोदय ने बताया कि शतरंज की प्रतियोगिता के माध्यम से बालकों के मस्तिष्क का विकास होता है। जिससे पढ़ाई ने भी उन्हें मदद मिलती है।

जेसीआई की अध्यक्ष मंजीत सलूजा एवं सचिव विनीता कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि हमारी संस्था विद्यालयों में जाकर बालकों के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कराकर उनके अंदर सर्वांगीण विकास का कार्य करती है। जिसके तहत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में है हम सबों का यह दूसरा कार्यक्रम है इस विद्यालय में आकर यहां के बच्चों से मिलकर हम बहुत प्रभावित हुए हैं ।यहां के बालक बड़े ही होनहार और प्रतिभाशाली हैं ।प्रतिभागी बालकों के बीच भी इस प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह नजर आया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य कुलदीप पांडे आचार्य शालिनी कुमारी भी उपस्थिति रही।

मानस महाअधिवेशन 11 अप्रैल से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जगजीवन नगर स्थित मानस प्रचार समिति, मानस मंदिर ने 53 वें मानस महाधिवेशन को लेकर मानस प्रचार समिति की प्रेस वार्ता मानस मंदिर में निरंजन सिंह की अध्यक्षता में हुई। समिति के सचिव बिनोद दुबे ने बताया कि 11 से 19 अप्रैल तक अधिवेशन होगी। प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से श्रीरामचरित मानस का नवाह पाठ विंध्याचल से आये परायणी देवी प्रशाद पाण्डेय एवं उनके आचार्यगण के द्वारा संपन्न होगी। प्रतिदिन संध्या 6.30 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्रीतुलसीदास कृत श्रीरामचरित मानस पर आधारित संगीतमय श्रीराम कथा अयोध्या धाम से आये रामानुज संप्रदाय एवं कौशलेश सदन से दीक्षित विद्वान आचार्य संतोष द्विवेदी महाराज के द्वारा की जाएगी। मानस मंदिर के पुरोहित आचार्य ज्योति नारायण झा के आचारत्व में सभी कर्मकांड मुख्य यज्ञमान उज्जवल कुमार वर्मा, मनिका कीर्ति वर्मा, शिव प्रसन्ना प्रसाद एवं रुक्मिणी देवी द्वारा सम्पन्न कराई जाएगी। 20 अप्रैल को पूर्णाहुति हवन संपन्न होगा।

किशोरियों के लिए विवाह पूर्व परामर्श कार्यक्रम आयोजित

दी गयी विभिन्न तरह की जानकारियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त बोकारो विजया जाधव के निदेर्शानुसार चास अनुमंडल के चास ग्रामीण परियोजना अंतर्गत चिन्हित किशोरियों के बीच सखी वन स्टॉप सेंटर सभागार में विवाह पूर्व परामर्श को लेकर जागरूकता सह परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ।

दूसरे दिन आयोजित जागरूकता सह परामर्श कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विषयों पर रिसोर्स पर्सन द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, महिलाओं के लिए कानूनी अधिकार एवं समर्थन, जाति आधारित हिंसा भेदभाव और हिंसा, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं संरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, एचआइवी/एड्स, विवाह पूर्व जागरूकता एवं महिलाओं के संवैधानिक और व्यक्तिगत अधिकार के संबंध में क्रमवार बताया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ० रेणु भारती, एडवोकेर प्रिती (सीडब्ल्यूसी सदस्य), शंकर रवानी (अध्यक्ष), सभ्यता पुष्पु (म.प.), मीरा लकड़ा थाना प्रभारी महिला थाना बीएस सिटी, सुषमा कुमारी (मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता), नीरा सिंह (परामर्शदाता आइसीटीसी) तथा मो० रजी अहमद (सीडब्ल्यूसी सदस्य) शामिल हुए।

कार्यक्रम में शामिल होने वाले किशोरियों में अनिता कुमारी, काजल कुमारी, संजु कुमारी, सुधा कुमारी, अंजु कुमारी, नीलम कुमारी, सविता कुमारी, अंजना सुलेखा, सजियाल परवीन, अलीशा परवीन, शायरा बानों आदि रहें। जानकारी हो कि, बेरमो अनुमंडल अंतर्गत परियोजनाओं के चिन्हित किशोरियों को बेरमो प्रखंड सभागार में जागरूकता सह परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com